New Wave in Hindi Class – X (Term – I) Course B

Section : B (व्याकरण)

1 शब्द, पद और पदबंध

शब्द

वर्णों के मेल से बना स्वतंत्र सार्थक ध्वनि-समूह '**शब्द**' कहलाता है।

- शब्द वर्णों के मेल से बनते हैं।
- शब्द सार्थक ध्वनि-समूह (अक्षरों का समूह) होता है।

आज, पानी, ताकत अक्षर-समूह भी हैं और सार्थक शब्द भी; क्योंकि इनसे अर्थ की अभिव्यक्ति हो रही है। इसके विपरीत 'जआ', 'नीपा', 'ततक' आदि अक्षर-समूह तो हैं, पर शब्द नहीं क्योंकि उनसे कोई अर्थ प्रकट नहीं होता। अत: हम इन्हें शब्द नहीं कह सकते क्योंकि अर्थ ही शब्द का प्रधान लक्षण है।

- शब्द स्वतंत्र रूप में प्रयुक्त होते हैं।

वर्णों का वही समूह शब्द कहलाता है, जिसका प्रयोग स्वतंत्र रूप से होता है। जैसे—लड़का, लड़की, कंप्यूटर, महासागर आदि।

शब्द का महत्व—'शब्द' को भाषायी अभिव्यक्ति का मूल आधार कहा गया है। शब्दों के द्वारा ही हम अपने आस-पास के वातावरण, वस्तुओं, प्राणियों, व्यक्तियों, क्रियाओं, भावनाओं तथा विचारों को व्यक्त करते हैं। उपयुक्त शब्द के अभाव में हम अपने विचारों को व्यक्त करने में असफल रहते हैं। इस प्रकार शब्द का भाषा में अत्यधिक महत्व है। शब्द भाषा का वैभव है, संपदा है।

शब्द-भंडार—किसी भाषा में प्रयोग हो रहे या हो सकने वाले सभी शब्दों के समूह को उस भाषा का **शब्द-भंडार** कहते हैं। जिस भाषा का शब्द-भंडार जितना अधिक विशाल होता है, वह भाषा उतनी ही समृद्ध मानी जाती है। हिंदी एक सजीव भाषा है, जो अपने प्रवाह-क्रम में अनेक स्रोतों से शब्दों को ग्रहण करती और उन्हें आत्मसात करती आई है।

प्रत्येक भाषा का शब्द-भंडार घटता-बढ़ता रहता है। समय के साथ-साथ नए शब्दों का समावेश होता रहता है। जैसे—इंटरनेट, वेबसाइट, चिप आदि नए शब्द आजकल जुड़ते जा रहे हैं।

पद

प्रत्येक स्वतंत्र सार्थक वर्ण-समूह **शब्द** कहलाता है, किंतु वाक्य में प्रयुक्त होने पर वह स्वतंत्र नहीं रहता। व्याकरण के नियमों तथा कारकीय विभक्तियों के योग से उसमें परिवर्तन आ जाता है। वाक्य में प्रयुक्त शब्द '**पद**' कहलाता है।

व्याकरण के नियमों से बँधे वाक्य में प्रयुक्त शब्द को 'पद' कहते हैं।

उदाहरण :

स्वतंत्र शब्द	पद
रवि, मोबाइल, खरीदा	रवि ने मोबाइल खरीदा।
दिल्ली हाट, दक्षिणी, दिल्ली	दिल्ली हाट दक्षिणी दिल्ली में स्थित है।

यहाँ बाईं ओर स्वतंत्र शब्द दिए गए हैं, जो वाक्य में प्रयुक्त होने पर पद (दाईं ओर) बन गए हैं।

पदबंध

आप जानते हैं कि प्रत्येक स्वतंत्र, सार्थक वर्ण-समूह **शब्द** कहलाता है, किंतु जब वह विभक्तियों सहित वाक्य में प्रयुक्त होता है, तो पद बन जाता है। भावों और विचारों को प्रकट करने वाले व्यवस्थित पद-समूह को वाक्य कहते हैं।

वाक्य में प्रयुक्त शब्दों को 'पद' इसलिए कहा जाता है क्योंकि ये वाक्य में प्रयुक्त होकर कुछ न कुछ व्याकरणिक प्रकार्य करने लगते हैं। संज्ञा पद के रूप में ये कर्ता या कर्म का कार्य करते हैं, विशेषण पद के रूप में ये संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं। जैसे—

लड़का	बाँसुरी	बजाता है।
कर्ता	कर्म	क्रिया

इस वाक्य में 'लड़का' (संज्ञा) कर्ता का, 'बाँसुरी' (संज्ञा) कर्म का और 'बजाता है'—क्रिया का काम कर रहे हैं।

अब उपर्युक्त वाक्य को नए ढंग से लिखते हैं। वाक्यों के मोटे छपे शब्दों पर विशेष ध्यान दीजिए—

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(क) **वाक्य**

लड़का बाँसुरी जाता है।

(ख) **नवीन वाक्य**

(i) **सुंदर लड़का** बाँसुरी बजाता है।
कर्ता

(ii) **नटखट सुंदर लड़का** बाँसुरी बजाता है।
कर्ता

(iii) **ईमानदार नटखट सुंदर लड़का** बाँसुरी बजाता है।
कर्ता

(iv) **मेरे पड़ोस में रहने वाला ईमानदार सुंदर लड़का** बाँसुरी बजाता है।
कर्ता

इन चारों वाक्यों में 'सुंदर लड़का', 'नटखट सुंदर लड़का', 'ईमानदार नटखट सुंदर लड़का', 'मेरे पड़ोस में रहने वाला ईमानदार नटखट सुंदर लड़का', अनेक पद कर्ता का प्रकार्य कर रहे हैं जो (क) वाक्य में लड़का (एक पद) कर रहा था। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वाक्य में कुछ न कुछ प्रकार्य करने के कारण एक शब्द को पद कहते हैं। यदि उसी प्रकार्य को एक से अधिक पद मिलकर करते हैं, तो पदों के ऐसे बंध या समूह को 'पदबंध' कहा जाता है। दूसरे शब्दों 'में', **कई पदों के योग से बने हुए ऐसे वाक्यांश जो एक ही पद का काम करें, उन्हें 'पदबंध' कहते हैं।**

> जब एक से अधिक पद मिलकर एक व्याकरणिक इकाई का कार्य करते हैं, तब उस बँधी हुई इकाई को 'पदबंध' कहते हैं।

पदबंध की विशेषताएँ

डॉ. हरदेव बाहरी ने 'पदबंध' की परिभाषा इस प्रकार दी है—'वाक्य के उस भाग को, जिसमें एक से अधिक पद परस्पर संबद्ध होकर अर्थ तो देते हैं, किंतु पूरा अर्थ नहीं देते—पदबंध या वाक्यांश कहते हैं।' इस प्रकार रचना की दृष्टि से पदबंध में तीन बातें होती हैं—एक तो यह कि इसमें एक से अधिक पद होते हैं। दूसरे, ये पद इस तरह संबद्ध होते हैं कि उनसे एक इकाई बन जाती है। तीसरे, पदबंध किसी वाक्य का अंश होता है।

निष्कर्ष रूप में पदबंध की निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं—

(1) पदबंध एक से अधिक पदों का होता है।

(2) पदबंध के सभी पद परस्पर संबद्ध होकर एक इकाई के रूप में काम करते हैं।

(3) पद के स्थान पर पदबंधों का प्रयोग हो सकता है।

(4) चूँकि पदबंध पद से अधिक बड़ा होता है, इसलिए इसके अर्थ में पद से अधिक स्पष्टता और निश्चितता होती है।

(5) पदबंधों से बने वाक्य अपेक्षाकृत छोटे होते हैं और साथ ही अधिक अर्थ प्रकट करने की क्षमता रखते हैं।

(6) पदबंध संपूर्ण वाक्य नहीं, वाक्यांश मात्र होता है।

पदबंध एक रचना के रूप में

जटिल भावों की अभिव्यक्ति के लिए पदों के स्थान पर पदबंध का प्रयोग होता है। पदबंध में भी एक **शीर्ष पद** होता है। वह अन्य पदों का आधार या केंद्र होता है। शेष पद उस पर आश्रित होते हैं और **आश्रित पद** कहलाते हैं। जैसे—'पवन-पुत्र हनुमान' में 'हनुमान' शीर्ष पद है। 'पवन-पुत्र', 'हनुमान' पर आश्रित है।

पवन - पुत्र → हनुमान

एक अन्य उदाहरण देखिए—

'दीवार पर **एक बहुत सुंदर तसवीर** लगी है।'

इस पदबंध में शीर्ष पद है—**तसवीर**। शेष पद उस पर आश्रित हैं। इस प्रकार 'एक बहुत सुंदर' में भी सुंदर शीर्ष पद है। 'एक बहुत' उस पर आश्रित है।

एक, बहुत, सुंदर → तसवीर

शीर्ष पद की पहचान

शीर्ष पद की पहचान के लिए ज़रूरी है कि आप पहले **पदबंध की व्याकरणिक भूमिका** को पहचानें। यह जानने का प्रयास करें कि वह पदबंध संज्ञा का काम कर रहा है या विशेषण, क्रिया, सर्वनाम अथवा क्रियाविशेषण का। अब उस पद की जगह न्यूनतम एक पद को रखकर देखें कि कौन-सा पद वाक्य के अर्थ की संगति बनाए रखता है। वही उसका शीर्ष पद है। जैसे—

'पवन-पुत्र हनुमान ने लंका में आग लगा दी।'

यहाँ 'हनुमान ने लंका में आग लगा दी' भी संगत है। इसलिए 'हनुमान' 'पवन-पुत्र हनुमान' पदबंध का शीर्ष पद है।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

पदबंध और उपवाक्य में अंतर—उपवाक्य (Clause) भी पदबंध (Phrase) की तरह पदों का समूह है, लेकिन इससे केवल आंशिक भाव प्रकट होता है, पूरा नहीं। पदबंध में क्रिया नहीं होती, उपवाक्य में क्रिया रहती है। जैसे—'ज्यों ही वह आया, त्यों ही मैं चला गया।' यहाँ 'ज्यों ही वह आया' एक उपवाक्य है, जिससे पूर्ण अर्थ की प्रतीति नहीं होती।

पदबंध के भेद

पदबंधों का वर्गीकरण पदबंध में आए शीर्ष-पद के आधार पर किया जाता है। यदि शीर्ष पद संज्ञा शब्द है तो संज्ञा पदबंध, विशेषण है तो विशेषण पदबंध, क्रिया है तो क्रिया पदबंध, सर्वनाम है तो सर्वनाम पदबंध और क्रियाविशेषण है, तो क्रियाविशेषण पदबंध होता है। इस प्रकार पदबंध के मुख्यत: पाँच भेद हैं—

(1) संज्ञा पदबंध, (2) सर्वनाम पदबंध, (3) विशेषण पदबंध, (4) क्रिया पदबंध और (5) क्रियाविशेषण पदबंध।

दुखी व्यक्ति के लिए **सबके** मन में **सहानुभूति** होती है।

यहाँ 'दुखी' विशेषण पद है। 'सबके' सर्वनाम पद है और 'सहानुभूति' शब्द संज्ञा पद है।

(1) संज्ञा पदबंध

वाक्य में संज्ञा का काम करने वाला पद-समूह 'संज्ञा पदबंध' कहलाता है। संज्ञा पदबंध में शीर्ष पद संज्ञा होता है तथा शेष पद उस पर आश्रित होते हैं। जैसे—'साल भर परिश्रम करने वाला छात्र।' पदबंध में **छात्र** शीर्ष पद (संज्ञा) है तथा **साल**, **भर**, **परिश्रम**, **करने**, **वाला** आश्रित पद हैं। पूरा पद-समूह **साल भर परिश्रम करने वाला छात्र** अकेले संज्ञा पद **छात्र** का स्थान ले सकता है और वही कार्य करता है, जो अकेला संज्ञा पद करता है।

(क) **छात्र** उत्तीर्ण हो गया। (ख) **परिश्रम करने वाला छात्र** उत्तीर्ण हो गया। (ग) **साल भर परिश्रम करने वाला छात्र** उत्तीर्ण हो गया।

उदाहरण—

(i) **अध्यापक का कहना न मानने वाले छात्र** कभी सफल नहीं होते।

(ii) **सामने के मकान में रहने वाला शौर्य** अत्यंत कुशल वीणावादक है।

(iii) **मेज़ पर रखी हुई लाल ज़िल्द वाली पुस्तक** मेरे पिता जी की है।

संज्ञा पदबंधों की कुछ विशेषताएँ—

(1) संज्ञा पदबंध में प्राय: विशेषण संज्ञा के पूर्व लगते हैं; जैसे—मोटा आदमी, सुगंधित पवन, धनी-मानी व्यक्ति, हरे-भरे खेत।

(2) संज्ञा पदबंधों में सभी प्रकार के विशेषण आ सकते हैं।

(3) संज्ञा पदबंध का प्रयोग वाक्य में कर्ता, कर्म तथा पूरक के स्थान पर होता है।

(2) सर्वनाम पदबंध

सर्वनाम का काम करने वाला पदसमूह 'सर्वनाम पदबंध' कहलाता है। इसमें शीर्ष पद सर्वनाम शब्द होता है।

उदाहरण—

(1) सदा हँसते रहने वाले तुम आज सुस्त क्यों हो?

(2) बाहर से आए छात्रों में कुछ मांसाहारी हैं।

(3) शेर की तरह दहाड़ने वाला वह काँप क्यों रहा है?

(3) विशेषण पदबंध

किसी संज्ञा की विशेषता बताने वाला पद-समूह 'विशेषण पदबंध' कहलाता है। यदि संज्ञा पदबंध में से संज्ञा को छोड़ दें, तो शेष बचा पदबंध 'विशेषण पदबंध' होता है क्योंकि संज्ञा पदबंध की रचना विशेषणों के योग से होती है। विशेषण पदबंध में एक विशेषण शीर्ष पद में स्थित होता है तथा शेष पद प्रविशेषण के रूप में प्रयुक्त होते हैं। जैसे—

'माधुरी बहुत अच्छी नृत्यांगना है।'—यहाँ 'बहुत अच्छी' विशेषण पदबंध है क्योंकि यह 'नृत्यांगना' की विशेषता प्रकट कर रहा है। 'अच्छी' शीर्ष पद है तथा 'बहुत' प्रविशेषण, जो 'अच्छी' की विशेषता बता रहा है।

उदाहरण—

(i) **प्रतिदिन व्यायाम और योग करने वाले** लोग बीमार कम पड़ते हैं।

(ii) **नियमित रूप से अध्ययन करने वाले** छात्र अच्छे अंक लाते हैं।

(iii) **लकड़ी से बनी यह** अलमारी बहुत सुंदर है।

विशेषण पदबंधों की कुछ विशेषताएँ—

(1) विशेषण पदबंध प्राय: संज्ञा पदबंध के अंग बनकर ही वाक्यों में प्रयुक्त होते हैं अर्थात संज्ञा पदबंध में से संज्ञा को हटाने के बाद जो रचना शेष बच जाती है, वह 'विशेषण पदबंध' होती है।

(2) कभी-कभी कुछ विशेषण पदबंध बिना संज्ञा के भी प्रयुक्त हो जाते हैं। जैसे—
मैं यहाँ झूठ बोलने वालों से नफ़रत करता हूँ।
झूठ बोलने वालों से—विशेषण पदबंध।

(4) क्रिया पदबंध

जब एक से अधिक क्रिया पद मिलकर क्रिया का काम करने वाली एक भाषिक इकाई का निर्माण करते हैं, तो वह भाषिक इकाई 'क्रिया पदबंध' कहलाती है। जैसे—'मुझे दिखाई पड़ रहा है।' यहाँ **दिखाई पड़ रहा है** पदबंध क्रिया पद का कार्य कर रहा है। अत: यह क्रिया पदबंध है।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

उदाहरण—

(i) कविता **पढ़ते-पढ़ते सो गई।**

(ii) विद्यालय के बच्चे इस समय राष्ट्रगान **गा रहे हैं।**

(iii) पिता जी अब तक दफ्तर से **आ गए होंगे।**

हिंदी के क्रिया पदबंधों की कुछ विशेषताएँ—

(1) चूँकि हिंदी में क्रिया का स्थान वाक्य के अंत में होता है, इसलिए क्रिया पदबंध का स्थान भी वाक्य के अंत में होता है।

(2) क्रिया पदबंध सामान्य रूप से मुख्य क्रिया तथा सहायक क्रियाओं से मिलकर बनते हैं।

(5) क्रियाविशेषण पदबंध

क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को 'क्रियाविशेषण' कहते हैं। **क्रियाविशेषण की जगह प्रयुक्त होने वाले एकाधिक पदों का समूह 'क्रियाविशेषण पदबंध' कहलाता है।** जैसे—'हाथी **बहुत धीरे-धीरे** चलता है।' यहाँ '**बहुत धीरे-धीरे**' क्रियाविशेषण पदबंध है; क्योंकि यह 'चलना' क्रिया की विशेषता बतला रहा है। इसमें 'धीरे-धीरे' क्रियाविशेषण शीर्ष पद है तथा 'बहुत' आश्रित पद।

(i) मैं तो **तेज़ भागते-भागते** बहुत थक गया था।

(ii) अनामिका **सप्ताह के अंत तक** आ जाएगी।

(iii)) बच्चा **घुटनों के बल चलता हुआ** दादी के पास पहुँच गया।

क्रियाविशेषण पदबंध की कुछ विशेषताएँ—

(1) हिंदी में क्रियाविशेषण पदबंधों की रचना प्राय: संज्ञा तथा परसर्ग/अव्यय के संयोग से होती है। जैसे—

(i) वह **ऊपर वाले कमरे में** रहेगा।

(ii) मुन्ना **नीचे वाले कमरे में** होगा।

(iii) कमरे में **इधर से उधर तक** सामान बिखरा पड़ा है।

(2) कुछ कृदंत रूपों से भी क्रियाविशेषण पदबंध बनते हैं। जैसे—मोहन **दौड़कर यहाँ** पहुँचा।

(3) अधिकतर क्रियाविशेषण पदबंधों का प्रयोग वाक्य में वैकल्पिक होता है। यदि इनको वाक्य से हटा भी दिया जाए, तो भी वाक्य की मूल संरचना प्रभावित नहीं होती। जैसे—मीना (**धीरे-धीरे सुबकते हुए**) कहने लगी।

बहुविकल्पीय प्रश्न-अभ्यास

I. रेखांकित पदबंध के नाम का सही विकल्प चुनिए–

1. सामने की दुकान पर चाय पीने वाला लड़का अपने घर चला गया।
(क) विशेषण पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

2. मुझे सुनाई पड़ रहा है।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** सर्वनाम पदबंध

3. मित्र-मंडली के साथ राम घर पर बैठा है।
(क) क्रिया पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) क्रियाविशेषण पदबंध **(घ)** संज्ञा पदबंध

4. बाहर से आए मनुष्यों में कुछ शरारती तत्व भी हैं।
(क) विशेषण पदबंध **(ख)** क्रिया विशेषण पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** सर्वनाम पदबंध

5. दूसरों के साथ मीठा बोलने वाले सुखी रहते हैं।
(क) विशेषण पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

6. दादा जी प्राय: बाग में टहलने जाया करते थे।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** सर्वनाम पदबंध

7. नीली कमीज़ वाला बालक खेल रहा है।
(क) क्रियाविशेषण पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** विशेषण पदबंध

8. उस घर के कोने में बैठा हुआ आदमी अपराधी है।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) क्रियाविशेषण पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध

9. वह गाड़ी चली जा रही है।
(क) क्रिया पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** विशेषण पदबंध

10. लखनऊ जाने वाली गाड़ी चल दी है।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** विशेषण पदबंध
(ग) क्रियाविशेषण पदबंध **(घ)** सर्वनाम पदबंध

11. वृद्ध पुरुष बहुत धीरे-धीरे चल रहा था।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

12. बहुत अधिक बोलने वाली मेरी सहेली कल चली जाएगी।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) क्रियाविशेषण पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

13. सामने वाले घर में एक बहुत सुंदर बच्चा है।
(क) क्रियाविशेषण पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** सर्वनाम पदबंध

14. पुत्र के पास होने की खबर सुनकर पिता खुश हुआ।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** क्रियाविशेषण पदबंध

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

15. कुछ लोग धीरे-धीरे बातें करते हुए चले जा रहे हैं।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) क्रियाविशेषण पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध

16. नदी कलकल करती हुई बह रही है। **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) विशेषण पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

17. स्वागतार्थ आए हुए लोगों से घिरे श्रीकृष्ण ने नगर में प्रवेश किया।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

18. सामने के मकान में रहने वाला लड़का आज चला गया।
(क) क्रिया पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) क्रिया विशेषण पदबंध

19. मैं ढाई हज़ार साल पुराने कुशीनगर को खोज रहा हूँ।
(क) विशेषण पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध

20. हिरण्यवती तब से अब तक उसी तरह प्रवाहित हो रही है।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) क्रिया विशेषण पदबंध

21. मैं ढाई हज़ार साल पुराने कुशीनगर को खोज रहा हूँ। **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

22. बड़ी देर से अपने को सँभालकर बुद्धन बोला।
(क) क्रियाविशेषण पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

उत्तर :	**1.** (क)	**2.** (ख)	**3.** (ग)	**4.** (घ)
	5. (क)	**6.** (ख)	**7.** (ग)	**8.** (घ)
	9. (क)	**10.** (ख)	**11.** (ग)	**12.** (ख)
	13. (क)	**14.** (ख)	**15.** (ग)	**16.** (घ)
	17. (क)	**18.** (ख)	**19.** (ग)	**20.** (घ)
	21. (ख)	**22.** (क)		

II. निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार सही विकल्प चुनिए–

1. वर्णों के सुनिश्चित व सार्थक मेल को कहते हैं– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) शब्द (ख) पद
(ग) पदबंध (घ) वाक्य

2. वर्षा ऋतु में धरा हरी-भरी हो जाती है। रेखांकित को कहेंगे– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) शब्द (ख) पद
(ग) पदबंध (घ) क्रिया

3. शब्द जब वाक्य में प्रयोग किया जाता है, तो उसे कहते हैं– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) वर्ण (ख) पद-परिचय
(ग) वाक्य (घ) पद

4. जो शब्द समान अर्थ प्रकट करे, उसे कहते हैं– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) रूढ़ शब्द (ख) यौगिक शब्द
(ग) एकार्थी शब्द (घ) पर्यायवाची शब्द

5. एक या अधिक अक्षरों से बनी हुई स्वतंत्र, सार्थक ध्वनि को कहते हैं– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) वर्ण (ख) अर्थ
(ग) शब्द (घ) वाक्य

6. वाक्य मिलकर बनता है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) वाक्यांशों से (ख) अक्षरों से
(ग) पदों से (घ) शब्दों से

7. जब तक वाक्य में प्रयुक्त नहीं होते, तब तक स्वतंत्र होते हैं– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) पद (ख) वाक्यांश
(ग) वर्ण (घ) शब्द

8. जिन शब्दों में प्रयोगानुसार कुछ परिवर्तन होता है, वे कहलाते हैं– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) निरर्थक (ख) सार्थक
(ग) विकारी (घ) संज्ञा

9. जो शब्द प्रयोगानुसार परिवर्तित नहीं होते, वे कहलाते हैं– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम
(ग) अविकारी (घ) विकारी

10. व्याकरण के नियमों में बँधने से शब्द, शब्द न रहकर बन जाते हैं– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) अर्थ (ख) वाक्यांश
(ग) पद (घ) पदबंध

11. शब्द का अर्थ है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) ध्वनियों का समूह
(ख) जिसका कोई अर्थ हो
(ग) ध्वनियों की अर्थवान लघु इकाई
(घ) ध्वनियों की सार्थक लघु इकाई जो स्वतंत्र है।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

12. पदबंध वाक्य का वह भाग है जिसमें–
[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) एक या अधिक पद मिलकर एक व्याकरणिक इकाई का काम करते हैं।

(ख) एक या एक से अधिक अक्षरों से बने स्वतंत्र शब्दों का प्रयोग होता है।

(ग) एक या अधिक पद मिलकर एक व्याकरणिक इकाई का काम नहीं करते।

(घ) एक या अधिक पद मिलकर विशिष्ट अर्थ देते हैं।

13. निम्नलिखित में से किस रेखांकित अंश को पद नहीं कह सकते? **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) बालिका

(ख) बालिकाओं ने पुस्तक पढ़ी

(ग) खेलती हुई बालिका

(घ) उस बालिका का नाम नीना है

14. निम्नलिखित में से अविकारी शब्द नहीं होता है–
[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) क्रियाविशेषण **(ख)** समुच्चयबोधक
(ग) सर्वनाम **(घ)** संबंधबोधक

उत्तर : 1. (क) **2.** (ग) **3.** (घ) **4.** (घ)
5. (ग) **6.** (ग) **7.** (घ) **8.** (ग)
9. (ग) **10.** (घ) **11.** (घ) **12.** (क)
13. (ग) **14.** (ग)

III. निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार सही विकल्प चुनिए–

1. निम्नलिखित में से संज्ञा-भेद नहीं होता–
[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) स्थानवाचक **(ख)** व्यक्तिवाचक
(ग) जातिवाचक **(घ)** भाववाचक

2. कल हम सब प्रतियोगिता में भाग लेंगे। रेखांकित को कहेंगे–
[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) सर्वनाम **(ख)** क्रियाविशेषण
(ग) संज्ञा **(घ)** विशेषण

3. लड़के फ़ुटबॉल खेल रहे हैं। रेखांकित को कहेंगे–
[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) वर्ण **(ख)** शब्द
(ग) पद **(घ)** वाक्य

4. निम्नलिखित में से सर्वनाम का भेद नहीं होता–
[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) पुरुषवाचक **(ख)** अनिश्चयवाचक
(ग) कालवाचक **(घ)** निजवाचक

5. नीना के पिता जी एक प्रसिद्ध व्यापारी हैं। रेखांकित को कहेंगे–
[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) सर्वनाम **(ख)** शब्द
(ग) विशेषण **(घ)** पद

6. विकारी शब्दों में..... **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) वाक्य परिवर्तन नहीं होता

(ख) शब्द परिवर्तन होता है

(ग) अर्थ परिवर्तन होता है

(घ) लिंग, वचन, काल में परिवर्तन होता है।

7. निम्नलिखित में अविकारी है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) संज्ञा **(ख)** सर्वनाम
(ग) विशेषण **(घ)** समुच्चयबोधक

8. तालाब में लाल कमल खिल रहा है। रेखांकित को कहेंगे–
[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) विशेषण **(ख)** पद
(ग) पदबंध **(घ)** विकारी शब्द

9. निम्नलिखित में से अविकारी शब्द है–
[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) लड़का **(ख)** पुस्तक
(ग) तेज़ **(घ)** अलमारी

10. एक छोटा लड़का घर जाता है। रेखांकित को कहेंगे–
[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा **(ख)** पदबंध
(ग) पद **(घ)** शब्द

11. निम्नलिखित में से क्रियाविशेषण का भेद नहीं होता–
[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) कालवाचक क्रियाविशेषण

(ख) स्थानवाचक क्रियाविशेषण

(ग) रीतिवाचक क्रियाविशेषण

(घ) पुरुषवाचक क्रियाविशेषण

12. गीता एक महान धार्मिक पुस्तक है। रेखांकित कहाँ किया गया है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) संज्ञा **(ख)** सर्वनाम
(ग) क्रिया **(घ)** विशेषण

13. वाक्य में प्रयुक्त शब्द कहलाते हैं– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) शब्द **(ख)** पदबंध
(ग) पद **(घ)** संज्ञा

14. जो शब्द प्रयोग के अनुसार परिवर्तित नहीं होते–
[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) विकारी शब्द **(ख)** अविकारी शब्द
(ग) सर्वनाम **(घ)** विशेषण

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

15. रिक्त स्थान की पूर्ति सर्वनाम से कीजिए। मुझे ..... खाने को दीजिए। **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) कुछ **(ख)** रोटी

(ग) मिठाई **(घ)** सब्ज़ी

16. कौन-सा शब्द संज्ञा नहीं है? **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) ताजमहल **(ख)** बैंगलोर

(ग) सुंदरता **(घ)** मीठा

17. वर्णों की स्वतंत्र और सार्थक इकाई कहलाती है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) पद **(ख)** पदबंध

(ग) शब्द **(घ)** अक्षर

18. एक या अधिक वर्णों से मिलकर बनी स्वतंत्र और सार्थक इकाई को क्या कहते हैं– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) वर्ण-विचार **(ख)** शब्द

(ग) पद **(घ)** वाक्य

19. एक दूसरे के विपरीत अर्थ प्रकट करने वाले शब्दों को कहते हैं– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) पर्यायवाची **(ख)** अनेकार्थी

(ग) उल्ट-पुल्ट **(घ)** विलोम

20. मेरे पास चार <u>खिलौने</u> हैं। रेखांकित को कहेंगे– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) पद **(ख)** पदबंध

(ग) शब्द **(घ)** वर्ण

उत्तर : **1.** (क) **2.** (क) **3.** (ग) **4.** (ग)
5. (ग) **6.** (घ) **7.** (घ) **8.** (ख)
9. (ग) **10.** (ख) **11.** (घ) **12.** (घ)
13. (ग) **14.** (ख) **15.** (क) **16.** (घ)
17. (ग) **18.** (ख) **19.** (घ) **20.** (क)

IV. रेखांकित पदबंधों के सही भेद चुनिए—

1. नाव उफनती नदी में <u>डूब गई</u>।

(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध

(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

2. <u>घोंसले में रहने वाली</u> चिड़िया उड़ गई।

(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध

(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

3. <u>रात में भौंकने वाला</u> कुत्ता मर गया।

(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध

(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

4. वह <u>दौड़ते-दौड़ते</u> थक गया।

(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध

(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

5. <u>दक्षिण से उत्तर तक</u> भारत एक है। **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध

(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

6. <u>हमेशा शोर करने वाला वह</u> आज शांत था।

(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध

(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

7. वह <u>सदा हँसता हुआ</u> आता है।

(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध

(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

8. लड़कियाँ मंच पर <u>नृत्य कर रही हैं।</u>

(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध

(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

9. <u>घर से भागा वह</u> आज पकड़ा गया।

(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध

(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

10. मैं <u>बड़ी देर तक</u> उसका इंतज़ार करता रहा।

(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध

(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

11. <u>पौने दो घंटे बाद</u> पुलिस आई।

(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध

(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

12. <u>वह लपाती की समुद्री चट्टान पर</u> पहुँच गया। **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध

(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

13. गाड़ी पानी में <u>डूबती चली गई।</u>

(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध

(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

14. <u>गंगा-यमुना वाला देश</u> भारत ही है।

(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध

(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

15. वह <u>बहुत ज़ोर से</u> बोलता है।

(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध

(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

16. <u>जनरल साहब का बावर्ची</u> आ रहा है। **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध

(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

उत्तर : **1.** (घ) **2.** (ग) **3.** (ग) **4.** (घ)
5. (घ) **6.** (ख) **7.** (घ) **8.** (घ)
9. (ख) **10.** (घ) **11.** (घ) **12.** (क)
13. (घ) **14.** (क) **15.** (घ) **16.** (क)

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

V. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदबंधों के सही नाम चुनिए–

1. मंदिर के पास लगा पौधा सूख गया।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण

2. सदा खुश रहने वाली वह आज दुखी है।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

3. वह मंदिर लगभग दो सौ फीट ऊँचा है।
(क) क्रिया पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** संज्ञा पदबंध

4. कालिंदी एक्सप्रेस कानपुर से भिवानी तक जाती है।
(क) सर्वनाम पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

5. लकड़ी के सहारे चलता हुआ वृद्ध गिर पड़ा।
(क) क्रियाविशेषण पदबंध **(ख)** विशेषण पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

6. युवक तेज़ धार के साथ बहता चला जा रहा है।
(क) सर्वनाम पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** विशेषण पदबंध

7. हैदराबाद में रहने वाला मेरा चचेरा भाई कल दिल्ली पहुँचेगा।
(क) सर्वनाम पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** संज्ञा पदबंध

8. दो महीने पहले मैं मुंबई गया था।
(क) सर्वनाम पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

9. राजा ने गिड़गिड़ाते हुए निर्धन को धन दिया।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध **(घ)** विशेषण पदबंध

10. पटना से आया शेखर घूमने गया है।
(क) क्रिया पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

11. वह तीर के समान तैरता हुआ एक दूसरे किनारे पर पहुँच गया।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) क्रियाविशेषण पदबंध **(घ)** सर्वनाम पदबंध

12. सरला अपनी माँ के साथ बाज़ार गई।
(क) क्रिया पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

13. महँगा खरीदा हुआ कपड़ा हमेशा टिकाऊ नहीं होता।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध **(घ)** विशेषण पदबंध

14. शोर मचाने वाले तुम सब बाहर जाओ।
(क) विशेषण पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

15. कोई स्त्री रोती हुई जा रही है।
(क) सर्वनाम पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

16. मेरे घर के चारों ओर फुलवारी है।
(क) विशेषण पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

17. अटल बिहारी वाजपेई भारत के सबसे भले नेता हैं।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

18. कानपुर से आए हम सभी शुद्ध शाकाहारी हैं।
(क) क्रिया पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** विशेषण पदबंध

19. शिवम पढ़ते-पढ़ते सो गया।
(क) सर्वनाम पदबंध **(ख)** विशेषण पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध **(घ)** संज्ञा पदबंध

20. प्रतिदिन की तरह वह काम करती रहीं।
(क) सर्वनाम पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

21. लाठी चार्ज में घायल हुआ युवक अस्पताल में भर्ती है।
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** विशेषण पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

22. सदा परिश्रम करने वाले वे दोनों इस बार चूक गए।
(क) क्रिया पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** संज्ञा पदबंध

उत्तर : **1.** (क) **2.** (ख) **3.** (ग) **4.** (घ)
5. (ख) **6.** (ख) **7.** (ग) **8.** (घ)
9. (क) **10.** (ख) **11.** (ग) **12.** (घ)
13. (क) **14.** (ख) **15.** (ग) **16.** (घ)
17. (क) **18.** (ख) **19.** (ग) **20.** (घ)
21. (क) **22.** (ख)

VI. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदबंधों के सही नाम चुनिए–

1. गली के सभी मकानों से बड़ा मकान मेरा है।
(क) सर्वनाम पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

2. समय पर खाना न खाने से माँ बीमार हो गई।
(क) सर्वनाम पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

3. उस गाँव के सभी शिक्षित युवक अध्यापक हो गए।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** सर्वनाम पदबंध

4. कमल की तरह खिली रहने वाली वे दोनों आज उदास थीं।
(क) क्रिया पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** विशेषण पदबंध

5. भिखारी भीख माँगता हुआ घूम रहा है।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** विशेषण पदबंध
(ग) क्रियाविशेषण पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

6. पत्थर की तरह वह लुढ़ककर गिर गया।
(क) क्रिया पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

7. सदा सत्य बोलने वाली श्रीमती विमला को कौन नहीं जानता।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

8. नदी में नहाने गईं वे अभी नहीं लौटीं।
(क) क्रिया पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** विशेषण पदबंध

9. हरिद्वार से आया हुआ मेरा मित्र जानवरों का डॉक्टर है।
(क) क्रिया पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** संज्ञा पदबंध

10. वह सुस्ताने के लिए पेड़ के नीचे बैठ गया।
(क) विशेषण पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

11. पाकिस्तान से आई हुई खिलाड़ियों की टीम आज वापस जा रही है। **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध **(घ)** विशेषण पदबंध

12. परीक्षा देने वाले छात्रों में से कोई भी फेल नहीं हुआ।
(क) क्रिया पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** संज्ञा पदबंध

13. आम के पेड़ पर बैठा हुआ तोता आमों को काट रहा है।
(क) क्रियाविशेषण पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** सर्वनाम पदबंध

14. परीक्षा में अच्छे अंक लाने पर मैं तुम्हें एक साइकिल दूँगा।
(क) विशेषण पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

15. रात को पहरेदारी करने वाला चौकीदार दिन में सोता है।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

16. गाँव से शहर पढ़ने आए छात्रों में से कुछ वापस चले गए।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध **(घ)** क्रिया विशेषण पदबंध

17. डींकता हुआ साँड बैल से लड़ने लगा।
(क) क्रिया पदबंध **(ख)** विशेषण पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** सर्वनाम पदबंध

18. युवक तेज़ी से दौड़ता हुआ गिर पड़ा।
(क) सर्वनाम पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

19. जंगल में चारों ओर घने पेड़ थे।
(क) क्रियाविशेषण पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** सर्वनाम पदबंध

20. गाड़ी धीरे-धीरे आगे बढ़ती हुई स्टेशन के बाहर निकल गई।
(क) सर्वनाम पदबंध **(ख)** क्रियाविशेषण पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

21. ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाता हुआ कोई वहीं खड़ा है।
(क) क्रियाविशेषण पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध **(घ)** संज्ञा पदबंध

22. मोहन फिसलते हुए तालाब में गिर गया।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

23. तैराकी में प्रथम आने वाला मोहसिन मेरा मित्र है।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** सर्वनाम पदबंध

24. चिंघाड़ता हुआ हाथी चला आ रहा है।
(क) सर्वनाम पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** विशेषण पदबंध

25. उदयपुर में रहने वाला शौर्यवर्धन सिंह मेरा शिष्य है।
(क) विशेषण पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** सर्वनाम पदबंध

26. वे पार्क में कुर्सी पर बैठे हुए कुछ सोच रहे हैं।
(क) सर्वनाम पदबंध **(ख)** विशेषण पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

27. जंगल में घूमता हुआ शेर मुझे दिखाई पड़ रहा है।
(क) क्रिया पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध **(घ)** विशेषण पदबंध

28. परचौली में रहने वाले श्री मथुरा प्रसाद अग्निहोत्री मेरे ताऊ जी हैं।
(क) सर्वनाम पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

29. परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए उसने जी-तोड़ परिश्रम किया।
(क) क्रिया पदबंध **(ख)** विशेषण पदबंध
(ग) क्रियाविशेषण पदबंध **(घ)** संज्ञा पदबंध

30. अपनी याददाश्त को तेज़ कर उसने सारी बात बताई। **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

31. कब से लगातार बरसात हो रही है।
(क) क्रियाविशेषण पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध **(घ)** विशेषण पदबंध

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

32. मेरा मामा जी <u>बहुत नेक और ईमानदार</u> हैं।
(क) क्रियाविशेषण पदबंध **(ख)** विशेषण पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** सर्वनाम पदबंध

33. माली पौधों को <u>पानी दे रहा है</u>।
(क) सर्वनाम पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध **(घ)** विशेषण पदबंध

34. कुमार प्रकाश <u>बहुत धूर्त और बेईमान</u> आदमी है।
(क) सर्वनाम पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** विशेषण पदबंध

उत्तर :	**1.** (ग)	**2.** (घ)	**3.** (क)	**4.** (ख)
	5. (ग)	**6.** (घ)	**7.** (क)	**8.** (ख)
	9. (ग)	**10.** (घ)	**11.** (क)	**12.** (ख)
	13. (ग)	**14.** (घ)	**15.** (क)	**16.** (ख)
	17. (ग)	**18.** (घ)	**19.** (क)	**20.** (ख)
	21. (ग)	**22.** (घ)	**23.** (क)	**24.** (ख)
	25. (ग)	**26.** (घ)	**27.** (क)	**28.** (ख)
	29. (ग)	**30.** (घ)	**31.** (क)	**32.** (ख)
	33. (ग)	**34.** (घ)		

VII. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदबंधों के सही नाम चुनिए-

1. <u>जनता को लूटने वाले नेता</u> कैसे जीतते हैं?
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

2. उसने यह बात <u>आत्मविश्वास के साथ</u> कही।
(क) विशेषण पदबंध **(ख)** क्रियाविशेषण पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध **(घ)** संज्ञा पदबंध

3. कितनी ही लारियाँ बाहर <u>घुमाई जा रही हैं।</u>
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** विशेषण पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

4. <u>वंदे मातरम बोलते हुए</u> वह मोनुमेंट की ओर बहुत जोर से दौड़ा।
(क) संज्ञा **(ख)** सर्वनाम
(ग) विशेषण **(घ)** क्रियाविशेषण

5. <u>आम के पेड़ पर बैठा हुआ तोता</u> आमों को काट रहा है।
(क) क्रियाविशेषण पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** सर्वनाम पदबंध

6. अध्यापक कक्षा में <u>पढ़ा रहे हैं।</u> रेखांकित पदबंध है?
(क) क्रिया पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) अव्यय पदबंध **(घ)** विशेषण पदबंध

7. '<u>चोट खाए हुए तुम</u> भला क्या खेलोगे?' रेखांकित पदबंध है–
(क) विशेषण पदबंध **(ख)** अव्यय पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध **(घ)** संज्ञा पदबंध

8. '<u>रेशम की बनी</u> साड़ी खरीद लो।' वाक्य में रेखांकित अंश कौन-सा पदबंध है?
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** विशेषण पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

9. '<u>ऐसा व्यापक और भयंकर</u> सूखा कभी नहीं पड़ा।' रेखांकित पदबंध है–
(क) विशेषण पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

10. '<u>लाल बालों वाला एक सिपाही</u> चला आ रहा था।' (रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए)
(क) क्रिया पदबंध **(ख)** अव्यय पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध **(घ)** संज्ञा पदबंध

11. '<u>मैं पढ़ सकता हूँ,</u>' रेखांकित पदबंध है।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** क्रिया विशेषण
(ग) क्रिया पदबंध **(घ)** विशेषण पदबंध

12. '<u>सबको डराने वाले तुम</u> आज भीगी बिल्ली क्यों बने हो।' रेखांकित पदबंध है–
(क) सर्वनाम पदबंध **(ख)** विशेषण पदबंध
(ग) क्रिया विशेषण पदबंध **(घ)** क्रिया पदबंध

13. '<u>जो युवती कम्प्यूटर पर काम कर रही थी</u> वह मंत्री जी की भतीजी है? रेखांकित पदबंध हैं–
(क) क्रिया विशेषण पदबंध **(ख)** विशेषण पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** सर्वनाम पदबंध

उत्तर :	**1.** (क)	**2.** (ख)	**3.** (ग)	**4.** (घ)
	5. (ग)	**6.** (क)	**7.** (ग)	**8.** (क)
	9. (क)	**10.** (घ)	**11.** (ग)	**12.** (क)
	13. (ग)			

VIII. निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-

1. '<u>दुकानों में ऊँघते हुए चेहरों ने</u> बाहर की ओर देखा।' वाक्य में संज्ञा पदबंध है–
(क) दुकानों में **(ख)** दुकानों में ऊँघते हुए
(ग) दुकानों में ऊँघते हुए चेहरों ने
(घ) बाहर की ओर

2. 'आयुष सुरभि के चुटकुले सुन-सुनकर हँसता रहा।' में क्रिया पदबंध है–
(क) सुनकर हँसता रहा **(ख)** सुरभि का चुटकुला सुनकर
(ग) हँसता रहा **(घ)** चुटकुला सुनकर

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

3. 'वह फुटबॉल की तरह लुढ़ककर गिर गया।' क्रियाविशेषण पदबंध है–

(क) फुटबॉल की तरह लुढ़ककर

(ख) लुढ़कर गिरना **(ग)** फुटबॉ की तरह

(घ) फुटबॉल की तरह लुढ़कना

4. 'यह ख्यूक्रिन हमेशा कोई न कोई शरारत करता रहता है।' (वाक्य में क्रिया पदबंध है–)

(क) करता **(ख)** करता है

(ग) करता रहता है **(घ)** शरारत करता है

5. 'हमेशा बोलने वाले तुम आज चुप क्यों हो?' वाक्य में सर्वनाम पदबंध है?

(क) हमेशा बोलने वाले **(ख)** तुम आज चुप क्यों हो

(ग) हमेशा बोलने वाले तुम

(घ) हमेशा बोलने वाले तुम आज

6. 'रास्ते पर लोग धीरे-धीरे बोलते-बतियाते जा रहे थे।' वाक्य में क्रिया विशेषण पदबंध है

(क) धीरे-धीरे **(ख)** बोलते-बतियाते जा रहे

(ग) धीरे-धीरे बोलते-बतियाते **(घ)** बतियाते जा रहे थे

7. 'दरवाजे पर खड़ा मैं तुम्हारा इंतजार करता रहा।' वाक्य में विशेषण पदबंध है–

(क) खड़ा **(ख)** दरवाजे पर खड़ा

(ग) तुम्हारा इंतजार **(घ)** दरवाजे पर खड़ा मैं

उत्तर : 1. (ग) **2.** (क) **3.** (क) **4.** (ग) **5.** (ग) **6.** (ग) **7.** (ख)

फ़ॉरमेटिव असेसमेंट के लिए

कक्षा-कार्य

शब्द, पद और पदबंध की अवधारणा को स्पष्ट करने, भेद संबंधी दुविधा को मिटाने तथा पाठ का पुनरभ्यास कराने के लिए अध्यापक/अध्यापिका छात्र-छात्राओं से निम्नलिखित प्रश्न पूछ सकते हैं–

- शब्द किसे कहते हैं तथा वह पद कब बन जाता है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।
- शब्द और पद में क्या अंतर है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।
- पदबंध किसे कहते हैं तथा इसके कितने भेद हैं? एक-एक उदाहरण देकर उनके भेदों के नाम लिखिए।

गृह-कार्य

अध्यापक/अध्यापिका छात्रों को घर से निम्नलिखित प्रश्न करके लाने को कह सकते हैं–

- संज्ञा पदबंध तथा सर्वनाम पदबंध में क्या अंतर है? स्पष्ट कीजिए तथा प्रत्येक के पाँच-पाँच उदाहरण दीजिए।
- विशेषण और क्रियाविशेषण में क्या अंतर है? पाँच-पाँच उदाहरण देकर उनका अंतर स्पष्ट कीजिए।

क्रियाकलाप

किसी समाचार-पत्र, पत्रिका अथवा पुस्तक आदि के अंशों को छात्रों को पढ़ने के लिए देकर उसमें से पदबंध छाँटकर उनके भेद लिखने के लिए छात्रों से कह सकते हैं। यह भी स्पष्ट करने के लिए कह सकते हैं कि अमुक पंक्ति या वाक्य में अमुक पदबंध क्यों है।

आवश्यकतानुसार उनका संशोधन करें।

जैसे-श्री राहुल सांस्कृत्यायन द्वारा रचित यात्रा-वृत्तांत 'ल्हासा की ओर' का निम्नलिखित अंश पढ़िए–

वह नेपाल से तिब्बत जाने का मुख्य रास्ता है। फरी-कलिङ्पोङ् का रास्ता जब नहीं खुला था, तो नेपाल ही नहीं, हिंदुस्तान की भी चीज़ें इसी रास्ते तिब्बत जाया करती थीं। यह व्यापारिक ही नहीं, सैनिक रास्ता भी था, इसीलिए जगह-जगह फ़ौजी चौकियाँ और किले बने हुए हैं, जिनमें कभी चीनी पलटन रहा करती थी। आजकल बहुत से फ़ौजी मकान गिर चुके हैं। दुर्ग के किसी भाग में, जहाँ किसानों ने अपना बसेरा बना लिया है, वहाँ घर कुछ आबाद दिखाई पड़ते हैं। ऐसा ही परित्यक्त एक चीनी किला था। वहाँ हम चाय पीने के लिए ठहरे। तिब्बत में यात्रियों के लिए बहुत-सी तकलीफ़ें भी हैं और कुछ आराम की बातें भी। वहाँ जाति-पाँति, छुआछूत का सवाल ही नहीं है और न औरतें परदा ही करती हैं। बहुत निम्न श्रेणी के भिखमंगों को लोग चोरी के डर से घर के भीतर नहीं आने देते; नहीं तो आप बिलकुल घर के भीतर चले जा सकते हैं।

परित्यक्त चीनी किले से जब हम चलने लगे, तो एक आदमी राहदारी माँगने आया। हमने वे दोनों चिटें उसे दे दीं। शायद उसी दिन हम थोङ्ला के पहले के आखिरी गाँव में पहुँच गए। यहाँ भी सुमति के जान-पहचान के आदमी थे, और भिखमंगे भी। फिर भी ठहरने के लिए अच्छी जगह मिली। पाँच साल बाद हम इसी रास्ते लौटे थे और भिखमंगे नहीं, एक भद्र यात्री के वेश में घोड़ों पर सवार होकर आए थे; किंतु उस वक्त किसी ने हमें रहने के लिए जगह नहीं दी, और हम गाँव के एक सबसे गरीब झोंपड़े में ठहरे थे। बहुत कुछ लोगों की उस वक्त की मनोवृत्ति पर ही निर्भर है, खासकर शाम के वक्त छंङ् पीकर बहुत कम लोग होश-हवास को दुरुस्त रखते हैं।

दूसरे अनुच्छेद में से पदबंध छाँटिए और पदबंध का नाम लिखिए-

	पदबंध	**भेद का नाम**
1.	परित्यक्त चीनी किले से जब हम चलने लगे।	संज्ञा पदबंध
2.	हम थोंङ्ला के पहले के आखिरी गाँव पहुँच गए।	विशेषण पदबंध
3.	एक भद्रयात्री के वेश में घोड़ों पर सवार होकर हम आए थे।	क्रियाविशेषण पदबंध

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

2 पद-परिचय

आप जानते हैं कि वाक्य में प्रयुक्त शब्द को **'पद'** कहते हैं। पद-परिचय का तात्पर्य है–वाक्य में प्रयुक्त पदों (शब्दों) का व्याकरणिक परिचय देना। जैसे –

अध्यापिका ने श्रेष्ठ को पुस्तक दी।

इस वाक्य में प्रयुक्त प्रत्येक शब्द का वाक्य में प्रयोग के अनुसार क्या स्थान है, उसका लिंग, पुरुष, वचन और कारक क्या है, यदि अविकारी शब्द है तो किस प्रकार का अव्यय है और उसका वाक्य के अन्य शब्दों के साथ क्या संबंध है — इन सब बातों की जानकारी देना ही **'पद-परिचय'** कहलाता है।

ऊपर लिखे वाक्य में प्रत्येक पद का परिचय इस प्रकार होगा —

अध्यापिका ने — जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक ('ने' परसर्ग सहित), 'दी' क्रिया की कर्ता है।

श्रेष्ठ को — व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक ('को' परसर्ग सहित), 'दी' क्रिया का गौण कर्म।

पुस्तक — जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, परसर्ग रहित 'दी' क्रिया का मुख्य कर्म।

दी–द्विकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, स्त्रीलिंग, एकवचन, अन्यपुरुष, कर्तृवाच्य और 'अध्यापिका' इसकी कर्ता है।

एक और उदाहरण देखिए-

माँ मुन्ने को दूध पिला रही हैं।

माँ-जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक ('ने' परसर्ग रहित), 'पिला रही हैं' क्रिया की कर्ता।

मुन्ने को- व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक ('को' परसर्ग सहित), 'पिला रही हैं' क्रिया का गौण कर्म।

दूध-द्रव्यवाचक संज्ञा, पुल्लिग, कर्म कारक परसर्ग रहित, 'पिला रही हैं' क्रिया का मुख्य कर्म।

पिला रही हैं-अपूर्ण वर्तमानकालिक द्विकर्मक क्रिया, सम्मानार्थक बहुवचन का प्रयोग, इसकी कर्ता 'माँ' है। इसके दो कर्म क्रमशः दूध और मुन्ना हैं।

अब आप समझ गए होंगे कि सामान्य रूप से 'पद' का परिचय किस प्रकार दिया जाता है।

वाक्य में प्रयुक्त किसी एक निर्दिष्ट पद अथवा सभी पदों का व्याकरण की दृष्टि से परिचय देना 'पद-परिचय' कहलाता है।

'पद-परिचय' लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए —

1. **संज्ञा का पद-परिचय** — इसमें संज्ञा का भेद (जातिवाचक, व्यक्तिवाचक, भाववाचक आदि), लिंग (पुल्लिग/स्त्रीलिंग), वचन (एकवचन/बहुवचन), कारक (कर्ता, कर्म, करण आदि भेद) एवं क्रिया के साथ उसका संबंध बताना चाहिए। जैसे —

   (i) हमारी **कक्षा का आशुतोष** हमेशा **सच** बोलता है।

   कक्षा का — समुदायवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, संबंध कारक ('का' परसर्ग सहित), आशुतोष कर्ता से संबद्ध।

   आशुतोष — व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक ('ने' परसर्ग रहित), 'बोलता है', क्रिया का कर्ता।

   सच — भाववाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक, 'बोलता है' क्रिया का कर्म।

   (ii) **ताजमहल की सुंदरता** देखकर **विदेशी लोग** भी हैरान रह जाते हैं।

   ताजमहल की — व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, संबंध कारक ('की' परसर्ग सहित), 'सुंदरता' से संबद्ध।

   सुंदरता — भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'देखना' क्रिया का कर्म।

   विदेशी लोग — जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, बहुवचन, कर्म कारक, 'हैरान रह जाते हैं', क्रिया का कर्ता।

2. **सर्वनाम का पद-परिचय —** इसमें सर्वनाम के भेद (पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, संबंधवाचक, प्रश्नवाचक तथा निजवाचक), लिंग, वचन, कारक (उनके भेद) तथा क्रिया के साथ उसका संबंध बताना चाहिए। जैसे —

   (i) **हम** अपने देश का मान बढ़ाएँगे।

   हम — पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, बहुवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक। 'मान बढ़ाएँगे' क्रिया का कर्ता।

   (ii) **आप कुछ** बोलते क्यों नहीं?

   आप — पुरुषवाचक सर्वनाम, मध्यम पुरुष, एकवचन, पुल्लिग-स्त्रीलिंग दोनों में प्रयुक्त होता है, कर्ता कारक, 'बोलते' क्रिया का कर्ता।

   कुछ — अनिश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिग-स्त्रीलिंग दोनों में प्रयुक्त हो सकता है, कर्म कारक, 'बोलते' क्रिया का कर्म।

3. **विशेषण का पद-परिचय —** इसमें विशेषण का भेद (गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक, सार्वनामिक

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

विशेषण), लिंग, वचन, अवस्था (मूलावस्था, उत्तरावस्था, उत्तमावस्था) तथा संज्ञा या सर्वनाम जिस विशेष्य की विशेषता बता रहा है, उसका उल्लेख करना चाहिए। जैसे —

(i) **वीर** सुभाष चंद्र बोस ने अंग्रेज़ों को खूब छकाया।
वीर — गुणवाचक विशेषण, पुल्लिग, एकवचन, मूलावस्था तथा इसका विशेष्य 'सुभाष चंद्र बोस' है।

(ii) मेरी **छोटी-सी** बगिया में **चार** गुलाब के पौधे हैं।
छोटी-सी — गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, मूलावस्था तथा इसका विशेष्य 'बगिया' है।
चार — संख्यावाची गणनावाचक विशेषण, पुल्लिग, बहुवचन, इसका विशेष्य 'गुलाब' है।

4. क्रियापद का पद-परिचय — क्रिया का पद-परिचय करते समय उसके मुख्य दो भेद (अकर्मक तथा सकर्मक) एवं अन्य भेद (संयुक्त क्रिया आदि), काल (वर्तमान, भूत, भविष्य), लिंग, वचन, वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य) तथा कर्ता, कर्म, करण आदि कारकों के साथ संबंध भी लिखें। जैसे —

(i) अभिनव नाराज **होकर चला गया**।
होकर — पूर्वकालिक क्रिया, अव्यय।
चला गया — अकर्मक संयुक्त क्रिया, सामान्य भूतकाल, पुल्लिग, एकवचन, अन्य पुरुष, कर्तृवाच्य, इसका कर्ता 'अभिनव' है।

(ii) देवी के शरीर पर जो लाखों रुपये के गहने **थे,** उन्हें **चुराकर** स्वयं पुजारी **भाग निकला**।
थे — भूतकालिक क्रिया, पुल्लिग, बहुवचन, इसका पूरक शब्द 'गहने' है।
चुराकर — पूर्वकालिक क्रिया, अव्यय।
भाग निकला — अकर्मक संयुक्त क्रिया, सामान्य भूतकाल, पुल्लिग, एकवचन, अन्य पुरुष, कर्तृवाच्य, इसका कर्ता 'पुजारी' है।

5. क्रियाविशेषण का पद-परिचय — इसमें केवल दो बातें लिखनी चाहिए — (1) इसका भेद (स्थानवाचक, कालवाचक, रीतिवाचक, परिमाणवाचक) तथा (2) वह क्रिया, जिसकी विशेषता बताई जा रही है। जैसे —

(i) हरिहर काका **देर तक** महंत जी की बातें सुनते रहे।
देर तक — कालवाचक क्रियाविशेषण, 'सुनते रहे' क्रिया की विशेषता बता रहा है।

(ii) कक्षा में अध्यापिका के न होने के कारण सारे बच्चे **ज़ोर-ज़ोर से** बातें कर रहे हैं।
ज़ोर-ज़ोर से — रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'बातें कर रहे हैं' क्रिया की विशेषता प्रकट कर रहा है।

6. संबंधबोधक का पद-परिचय — इसमें भी केवल दो बातें लिखनी चाहिए — (1) इसका भेद (कालवाचक, स्थानवाचक, दिशावाचक, कारणवाचक, साधनवाचक, तुलनावाचक, विरोधवाचक, समानतावाचक) तथा (2) इसका संबंधी शब्द। जैसे —

(i) दाईं ओर पहला कमरा हेडमास्टर जी का था जिसके दरवाज़े **के आगे** हमेशा चिक लटकी रहती थी।
के आगे — दिशावाचक संबंधबोधक, 'दरवाज़ा' इसका संबंधी शब्द है।

(ii) सुमित के घर **के समीप** ही बाज़ार है।
के समीप — स्थानवाचक संबंधबोधक, 'घर' और 'बाज़ार' के बीच संबंध स्थापित कर रहा है।

7. समुच्चयबोधक का पद-परिचय — इसमें भी दो बातें लिखनी चाहिए — (1) इसका भेद (समानाधिकरण अथवा व्यधिकरण) तथा (2) योजित शब्द या वाक्य, जिन्हें वह जोड़ता है। जैसे —

(i) हमें पाँचवीं कक्षा में अंग्रेज़ी नहीं आती थी **क्योंकि** उस समय छठी कक्षा से उसकी पढ़ाई शुरू होती थी।
क्योंकि–व्यधिकरण समुच्चयबोधक, 'पाँचवीं कक्षा में अंग्रेज़ी नहीं आने' और 'छठी कक्षा से उसकी पढ़ाई शुरू होने' के बीच संबंध स्थापित कर रहा है।

(ii) बचपन में घास अधिक हरी **और** फूलों की सुगंध अधिक मनमोहक लगती है।
और — समानाधिकरण समुच्चयबोधक, बचपन में 'घास अधिक हरी' तथा 'और फूलों की सुगंध अधिक मनमोहक' दो वाक्यांशों को जोड़ता है।

8. विस्मयादिबोधक का पद-परिचय — इसमें केवल यह बताना होता है कि वह कौन-सा भाव व्यक्त कर रहा है। जैसे —

(i) **शाबाश!** तुमने तो कमाल कर दिया।

(ii) **अरे बाप रे!** इतना बड़ा साँप!

(iii) **छिः! छिः!** तुम चोरी करोगे, ऐसा मैं सोच भी नहीं सकता।

इन वाक्यों में 'शाबाश!' प्रशंसा का, 'अरे बाप रे!' भय का और 'छिः! छिः!' घृणा का भाव प्रकट कर रहे हैं। अतः ये तीनों विस्मयादिबोधक अव्यय पद हैं।

इनके अतिरिक्त कुछ पद ऐसे होते हैं, जिनका वाक्य में स्थिति के आधार पर अथवा प्रयोग के आधार पर अलग-अलग प्रकार से पद-परिचय किया जाता है। जैसे —

(i) **वह** उछलता-कूदता बाहर चला गया।

(ii) **वह** लड़का बहुत शरारती है।

पहले वाक्य में **'वह'** सर्वनाम पद है जबकि दूसरे वाक्य में **'वह'** सार्वनामिक विशेषण है। अतः वाक्य में शब्द की स्थिति देखकर ही पद-परिचय करना चाहिए।

अन्य उदाहरण देखिए-

(i) **कुछ** भी पढ़ो, लेकिन पढ़ो तो सही।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(ii) **कुछ सब्ज़ी** लेते आना।

इनमें पहला वाला **'कुछ'** अनिश्चयवाचक सर्वनाम है और कर्म कारक का उदाहरण है। दूसरे वाक्य में 'कुछ' अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण है।

बहुविकल्पीय प्रश्न-अभ्यास

I. दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त पद-परिचय चुनिए–

मैं पिछले साल उसे मुंबई में मिला था।

1. मैं—

(क) पुरुषवाचक सर्वनाम (उत्तम पुरुष), पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, ('मिला था' क्रिया का कर्ता)

(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम (उत्तम पुरुष), पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक, ('मिला था' क्रिया का कर्ता)

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम (उत्तम पुरुष), स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, ('मिला था' क्रिया का कर्ता)

(घ) निजवाचक सर्वनाम (उत्तम पुरुष), पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, ('मिला था' क्रिया का कर्ता)

2. पिछले साल—

(क) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'मिला था' क्रिया का स्थान बता रहा है।

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक।

(ग) विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, साल विशेष्य, पिछले विशेषण

(घ) कालवाचक, क्रियाविशेषण, 'मिला था' क्रिया का समय बता रहा है।

3. उसे—

(क) पुरुषवाचक सर्वनाम, (अन्य पुरुष) पुल्लिंग एवं स्त्रीलिंग दोनों में संभव, एकवचन, कर्म कारक 'मिला था' क्रिया का कर्म है।

(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम, (अन्य पुरुष) पुल्लिंग एवं स्त्रीलिंग दोनों में संभव, बहुवचन, कर्म कारक।

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, (अन्य पुरुष) पुल्लिंग एवं स्त्रीलिंग दोनों में संभव, एकवचन, कर्ता कारक।

(घ) पुल्लिंग एवं स्त्रीलिंग दोनों में संभव, एकवचन, कर्म कारक।

4. मुंबई में—

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक।

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, अधिकरण कारक।

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक परसर्ग सहित, 'मिला था' क्रिया का आधार है।

(घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक।

5. मिला था—

(क) सकर्मक क्रिया, पूर्ण भूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन, इसका कर्ता 'मैं' है।

(ख) सकर्मक क्रिया, पूर्ण भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन।

(ग) सकर्मक क्रिया, पूर्ण भूतकाल, स्त्रीलिंग, एकवचन।

(घ) अकर्मक क्रिया, भूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन।

II. रेखांकित पदों का उचित पद-परिचय चुनिए–

अमर यहाँ दूसरे कमरे में रहता था।

1. अमर—

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, परसर्ग रहित, 'रहता था' क्रिया का कर्ता।

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक परसर्ग रहित, 'रहता था' क्रिया का कर्ता।

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक परसर्ग रहित, 'रहता था' क्रिया का कर्ता।

(घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक परसर्ग रहित, 'रहता' था' क्रिया का कर्ता।

2. यहाँ—

(क) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'रहता था' क्रिया के स्थान का द्योतक है।

(ख) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'रहता था' क्रिया की रीति का द्योतक है।

(ग) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'रहता था' क्रिया के काल का द्योतक है।

(घ) परिमाणवाचक, क्रियाविशेषण 'रहता था' क्रिया के परिणाम का द्योतक है।

3. दूसरे—

(क) क्रमसूचक-संख्यावाचक, विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, इसका विशेष्य 'कमरा' है।

(ख) क्रमसूचक-संख्यावाचक, विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, विशेष्य– 'कमरा'।

(ग) क्रमसूचक-संख्यावाचक, विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, विशेष्य– 'कमरा'।

(घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक।

III. रेखांकित पदों का उचित पद-परिचय चुनिए-

यह छतरी मेरी छोटी बहन की है, इसलिए मैं तुम्हें नहीं दे सकता।

1. यह—

(क) संकेतवाचक या सार्वनामिक, विशेषण, एकवचन, विशेष्य –'छतरी'।

(ख) संकेतवाचक या सार्वनामिक, विशेषण, बहुवचन, विशेष्य –'छतरी'।

(ग) सार्वनामिक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य 'छतरी' है।

(घ) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, विशेष्य –'छतरी'।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

2. छोटी—

(क) गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य 'बहन' है।

(ख) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, विशेष्य- 'बहन'।

(ग) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, विशेष्य- 'बहन'।

(घ) क्रियाविशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, विशेष्य- 'बहन'।

3. इसलिए—

(क) समुच्चयबोधक, 'यह छतरी छोटी बहन की है' और 'मैं तुम्हें नहीं दे सकता' को जोड़ता है।

(ख) संबंधबोधक, 'यह छतरी छोटी बहन की है' और 'मैं तुम्हें नहीं दे सकता' के बीच संबंध स्थापित करता है।

(ग) कारणवाचक व्यधिकरण समुच्चयबोधक, 'यह छतरी छोटी बहन की है' और 'मैं नहीं दे सकता' इन दो वाक्यों को जोड़ता है।

(घ) समानाधिकरण समुच्चयबोधक, 'यह छतरी छोटी बहन की है' और 'मैं तुम्हें नहीं दे सकता' वाक्यों को जोड़ता है।

IV. रेखांकित पदों का उचित पद-परिचय चुनिए–

जब वे घर पहुँचे तो कविता पढ़ रही थी।

1. वे— **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, पुल्लिग, बहुवचन, कर्ता कारक, 'पहुँचे' क्रिया का कर्ता।

(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, एकवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक, 'पहुँचे' क्रिया का कर्ता।

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक, 'पहुँचे' क्रिया की कर्ता।

(घ) उत्तम पुरुष सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक, 'पहुँचे' क्रिया का कर्ता।

2. पढ़ रही थी—

(क) सकर्मक क्रिया, अपूर्ण भूतकाल, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्तृवाच्य, 'कविता' कर्ता की क्रिया।

(ख) सकर्मक क्रिया, अपूर्ण भूतकाल, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्तृवाच्य, 'कविता' कर्ता की क्रिया।

(ग) सकर्मक क्रिया, भूतकाल, पुल्लिग, एकवचन, कर्तृवाच्य, 'कविता' कर्ता की क्रिया।

(घ) अकर्मक क्रिया, भूतकाल, एकवचन, कर्तृवाच्य, 'कविता' कर्ता की क्रिया।

V. रेखांकित पदों का उचित पद परिचय चुनिए-

दौड़कर जाओ और बाज़ार से कुछ लाओ।

1. दौड़कर—

(क) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'जाओ' क्रिया की विधि बता रहा है।

(ख) पूर्वकालिक क्रिया, रीतिवाचक क्रियाविशेषण, जाओ क्रिया की विधि बता रहा है।

(ग) पूर्वकालिक क्रिया, जाओ क्रिया की विधि बता रहा है।

(घ) पूर्वकालिक क्रियाविशेषण, जाओ क्रिया की विधि बता रहा है।

2. बाज़ार—

(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, अपादान कारक।

(ख) जातिवाचक, संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक

(ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, अपादान कारक परसर्ग सहित।

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अपादान कारक।

3. कुछ—

(क) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, कर्म कारक, 'लाओ' क्रिया का कर्म।

(ख) सर्वनाम, एकवचन, कर्म कारक, 'लाओ' क्रिया का कर्म।

(ग) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिग, कर्मकारक।

(घ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, उभयलिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'लाओ' क्रिया का कर्म।

VI. रेखांकित पदों का उचित पद परिचय दीजिए-

पायल वहाँ आठवीं कक्षा में पढ़ती थी।

1. आठवीं— **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) संख्यावाचक विशेषण, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य 'कक्षा' है।

(ख) निश्चित संख्यावाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य 'कक्षा' है।

(ग) निश्चित संख्यावाचक विशेषण, एकवचन, इसका विशेष्य 'कक्षा' है।

(घ) विशेषण क्रमसूचक, संख्यावाचक, स्त्रीलिंग, इसका विशेष्य 'कक्षा' है।

2. कक्षा में—

(क) समूहवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक (में परसर्ग सहित) तथा 'पढ़ती है' क्रिया का आधार है।

(ख) समूहवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक।

(ग) समूहवाचक संज्ञा, पुल्लिग, अधिकरण कारक।

(घ) जातिवाचक संज्ञा, अधिकरण कारक, स्त्रीलिंग।

VII. निदेशानुसार उत्तर दीजिए-

1. बाज़ार से <u>कुछ</u> गेहूँ ले आना। रेखांकित का पद-परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) संख्यावाचक विशेषण, बहुवचन, 'गेहूँ' विशेष्य

(ख) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण, बहुवचन, 'गेहूँ' विशेष्य

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(ग) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण, 'गेहूँ' विशेष्य
(घ) सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्म कारक।

2. 'वे खेल रहे हैं।' रेखांकित का पद परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, कर्ता कारक
(ख) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, कर्ता कारक
(ग) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, कर्ता कारक
(घ) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, कर्ता कारक

3. 'निखिल ने दसवीं कक्षा की परीक्षा दी है'–रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, बहुवचन, 'कक्षा' विशेष्य का विशेषण
(ख) परिमाणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, बहुवचन, 'कक्षा' विशेष्य का विशेषण
(ग) संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य का विशेषण
(घ) संख्यावाचक (क्रमसूचक) विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य का विशेषण

4. 'महादेवी वर्मा कविता लिखती थीं।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'लिखती थीं' क्रिया का कर्म
(ख) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'लिखती थीं' क्रिया का कर्म
(ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'लिखती थीं' क्रिया का कर्म
(घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'लिखती थीं' क्रिया का कर्म

5. 'लंका का राजा रावण था।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन
(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन
(ग) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

6. 'हम अपने देश पर मर मिटेंगे।' **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तमपुरुष, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तमपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तमपुरुष, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(घ) पुरुषवाचक सर्वनाम, मध्यमपुरुष, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

7. 'राधा सातवीं कक्षा में पढ़ती है।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक 'पढ़ती है' क्रिया की कर्ता है
(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक
(ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

8. 'बाज़ार से कुछ तो लाओ।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्म कारक
(ख) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'लाओ' क्रिया का कर्म है।
(ग) निश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक
(घ) निश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, करणकारक

9. 'मैं खाना बना सकती हूँ।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, मध्यम पुरुष
(ख) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, बहुवचन, अन्य पुरुष
(ग) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, उत्तम पुरुष
(घ) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, उत्तम पुरुष, कर्तृवाच्य इसका कर्ता 'मैं' है।

10. 'यह लड़का बहुत चालाक है।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'है' क्रिया का कर्ता
(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'है' क्रिया का कर्म
(ग) सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'है' क्रिया का कर्ता
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'है' क्रिया का कर्म

VIII. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए

1. 'राम घर पर नहीं है।' रेखांकित पद का परिचय चुनिए– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक
(ख) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरणकारक
(ग) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरणकारक
(घ) भाववाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, अधिकरणकारक

2. 'आज मैंने काला हिरन देखा।' रेखांकित का पद-परिचय चुनिए। **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) रीतिवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'हिरन' विशेष्य

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(ख) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'हिरन' विशेष्य का विशेषण

(ग) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'मैंने' विशेष्य का विशेषण

(घ) परिमाणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'हिरन' विशेष्य

3. 'हम कक्षा दस में पढ़ते हैं।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, उत्तम पुरुष, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(ख) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(ग) निजवाचक सर्वनाम, बहुवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

4. 'हिमालय पर सदा बर्फ़ जमी रहती है।' रेखांकित का पद-परिचय दीजिए। **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक

(ख) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(ग) भाववाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(घ) समूहवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक

5. 'मुंशी प्रेमचंद ने अनेक कहानियाँ लिखीं।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक, 'लिखी' क्रिया का कर्ता

(ख) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक, 'लिखी' क्रिया का कर्ता

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक, 'लिखी' क्रिया का कर्ता

(घ) निश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक।

6. 'माँ भोजन पका रही हैं।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) अकर्मक क्रिया, प्रेरणार्थक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल

(ख) सकर्मक क्रिया, संयुक्त क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल

(ग) अकर्मक क्रिया, पूर्वकालिक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल

(घ) प्रेरणार्थक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल

7. 'मेरी अध्यापिका लाल गुलाब पसन्द करती हैं।' उचित पद-परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) परिमाणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'गुलाब' संज्ञा की विशेषता बताता है।

(ख) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'गुलाब' विशेष्य की विशेषता बताता है।

(ग) गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, बहुवचन, 'गुलाब' की विशेषता बताता है।

(घ) परिमाणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'गुलाब' विशेष्य की विशेषता बताता है।

8. 'हम अपने देश पर मर मिटेंगे।' रेखांकित का पद-परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक

(ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक

(घ) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक

9. 'प्रेमचंद ने अनेक प्रसिद्ध उपन्यास लिखे।' उचित पद-परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक, 'लिखे' क्रिया का कर्ता है।

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

10. 'अरे वाह! तुम भी सुंदर लिख सकती हो।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) सर्वनाम, मध्यम पुरुषवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'लिख सकती हो' क्रिया की कर्ता

(ख) संज्ञा शब्द, मध्यम पुरुषवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'लिख सकती हो' क्रिया की कर्ता

(ग) सर्वनाम, उत्तम पुरुषवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'लिख सकती हो' क्रिया कीं कर्ता

(घ) सर्वनाम, भाववाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'लिख सकती हो' क्रिया की कर्ता

IX. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-

1. 'मनोहर दसवीं कक्षा में पढ़ता है।' रेखांकित पद का परिचय चुनिए। **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) अकर्मक क्रिया, एकवचन, अन्य पुरुष, भूतकाल, कर्तृवाच्य

(ख) अकर्मक क्रिया, 'पठ' धातु, एकवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य, कर्तरि प्रयोग, इस क्रिया का कर्ता, 'मनोहर' है

(ग) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, भूतकाल, कर्तृवाच्य, इस क्रिया का कर्ता, 'मनोहर' है

(घ) सकर्मक क्रिया 'पठ' धातु, एकवचन, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य, इस क्रिया का कर्ता, 'मनोहर' है

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

2. 'आह! उपवन में <u>सुंदर</u> फूल खिले हैं।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, 'उपवन' विशेष्य

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ग) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, विशेष्य 'फूल' हैं

(घ) सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, उपवन-विशेष्य

3. 'हम अपने देश पर <u>मर मिटेंगे।</u>' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन, भविष्यत् काल, 'हम' कर्ता की क्रिया है।

(ख) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन

(ग) संयुक्त क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन

(घ) प्रेरणार्थक क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन

4. '<u>मैं</u> गाय का दूध पीना पसंद करता हूँ।' रेखांकित का पद परिचय है। **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, 'पसंद करता हूँ, क्रिया का कर्ता है। एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(ग) निजवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(घ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

5. 'उस <u>मकान</u> में एक साँप रहता है।' रेखांकित पद का परिचय चुनिए। **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक

(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, अपादान कारक

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(घ) भाववाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, करण कारक

6. 'राम ने श्याम को बुरी तरह <u>मारा।</u>' रेखांकित का पद परिचय दीजिए। **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) संयुक्त क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल

(ख) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल

(ग) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, बहुवचन, भूतकाल

(घ) मुख्य क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन, वर्तमान काल

7. 'मेरे पास <u>पाँच</u> पुस्तकें हैं।' रेखांकित का पद-परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) संख्यावाचक संज्ञा, बहुवचन, कर्ता कारक, पुल्लिंग

(ख) निश्चित संख्यावाचक विशेषण, बहुवचन, इसका विशेष्य 'पुस्तकें' है

(ग) परिमाणवाचक विशेषण, बहुवचन, विशेष्य पुस्तकें

(घ) इनमें से कोई नहीं

8. '<u>हे प्रभु</u>! इन्हें सद्बुद्धि दीजिए।' रेखांकित का पद-परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) अव्यय, विस्मयादिबोधक, संबोधन कारक

(ख) अव्यय, संबंधबोधक, संबोधन कारक

(ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग कर्ता कारक

9. '<u>इंदिरा</u> जी जहाँ-जहाँ भी गईं, सर्वत्र स्वागत हुआ।' रेखांकित का पद परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक 'गई' क्रिया का कर्ता है।

(ख) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्म कारक

(ग) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

(घ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, करण कारक

10. 'हम <u>अपने</u> देश पर मर मिटेंगे।' रेखांकित का पद-परिचय चुनिए– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अपादान कारक

(ख) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्म कारक

(ग) निजवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक

(घ) पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक

X. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-

1. '<u>जल्दी</u> चलो, गाड़ी जाने ही वाली है।' रेखांकित का पद-परिचय चुनिए– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) अव्यय, रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'चलो' क्रिया की विशेषता बताता है

(ख) संज्ञा, भाववाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग

(ग) क्रिया, सकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन

(घ) अन्यपुरुष वाचक, सर्वनाम, स्त्रीलिंग

2. 'रमा ने खाना <u>खाया</u>।' रेखांकित का पद-परिचय होगा– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल, इसकी कर्ता 'रमा' है।

(ख) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल

(ग) संयुक्त क्रिया, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल

(घ) सरल क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल

3. 'सुमित <u>और</u> रमेश बहुत अच्छे मित्र हैं।' रेखांकित का पद-परिचय होगा– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) अव्यय, समुच्चयबोधक, सुमित और रमेश को जोड़ रहा है।

(ख) अव्यय, संबंधबोधक, संबंधकारक

(ग) निजवाचक सर्वनाम, कर्ता कारक, पुल्लिंग, बहुवचन

(घ) इनमें से कोई नहीं

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

4. 'इस संसार में सत्य की सदा जीत होती है।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(ग) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, अधिकरण कारक

(घ) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक

5. 'शीला ने पुस्तक पढ़ ली।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, वर्तमान काल

(ख) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, भविष्य काल

(ग) सकर्मक क्रिया, संयुक्त क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल, इसकी कर्ता 'शीला' है।

(घ) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल

6. 'हिमालय विश्व का सबसे ऊँचा पर्वत है।' रेखांकित का पद-परिचय चुनिए। **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्म की भाँति प्रयुक्त

(ख) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्म की भाँति प्रयुक्त

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म की भाँति प्रयुक्त

(घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म की भाँति प्रयुक्त

7. 'गणतंत्र दिवस पर जगह-जगह राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है।' रेखांकित का पद-परिचय दीजिए– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, विशेष्य 'दिवस'

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन

(ग) सर्वनाम, स्त्रीलिंग, बहुवचन

(घ) क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन

8. 'वह बहुत बोलता है।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, कर्ता कारक, पुल्लिंग

(ख) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(ग) जातिवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(घ) पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक 'बोलता है' क्रिया का कर्ता है।

9. 'उस लड़के ने दो अनुच्छेद लिखे।' रेखांकित का पद-परिचय होगा– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) अव्यय, क्रियाविशेषण, संख्यावाचक, कर्म कारक

(ख) निश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, इसका विशेष्य 'निबंध' है

(ग) निश्चित परिणामवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, विशेष्य 'निबंध' है

(घ) निश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, विशेष्य 'अनुच्छेद' है

10. 'सुमन मधुर गाती है।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'सुमन' विशेष्य

(ख) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण 'गाती है' क्रिया की रीति बता रही है

(ग) रीतिवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'सुमन' विशेष्य

(घ) इनमें से कोई नहीं

11. 'ज्वर के कारण वह उठ नहीं पाई।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) अव्यय, हेतुवाचक, संबंधबोधक

(ख) अव्यय, समुच्चयबोधक

(ग) सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक

(घ) पूर्वकालिक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

XI. रेखांकित पदों का सही पद-परिचय चुनिए।

मेरे गाँव में कई विद्वान रहते हैं।

1. मेरे–

(क) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन, संबंधकारक, गाँव के साथ संबंध दिखाता है।

(ख) सार्वनामिक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य है–गाँव।

(ग) सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, इसका विशेष्य है–गाँव।

(घ) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, इसका विशेष्य है–गाँव।

2. विद्वान–

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक (परसर्ग रहित), 'रहते हैं'।

(ख) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक (परसर्ग रहित), 'रहते हैं'।

(ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक (परसर्ग रहित), 'रहते हैं' क्रिया का कर्ता है।

(घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक (परसर्ग रहित), 'रहते हैं' क्रिया का कर्ता है।

XII. रेखांकित पदों का सही पद-परिचय चुनिए।

उस मकान में एक साँप रहता है।

1. मकान में–

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक ('में' परसर्ग रहित), 'रहता है' क्रिया का आधार है।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, अधिकरण कारक ('में' परसर्ग सहित), 'रहता है' क्रिया का आधार है।

(ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक ('में' परसर्ग सहित), 'रहता है' क्रिया का आधार है।

(घ) द्रव्यवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, अधिकरण कारक ('में' परसर्ग सहित), 'रहता है' क्रिया का आधार है।

2. एक–

(क) निश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिग, एकवचन, इसका विशेष्य है–साँप।

(ख) परिमाणवाचक विशेषण, पुल्लिग, एकवचन, इसका विशेष्य है–साँप।

(ग) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिग, एकवचन, इसका विशेष्य है–साँप।

(घ) निश्चित संख्यावाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य है–साँप।

XIII. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का सही पद-परिचय चुनिए–

1. जल्दी चलो, वरना गाड़ी छूट जाएगी।

(क) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'चलो' क्रिया के स्थान को सूचित कर रहा है।

(ख) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'चलो' क्रिया के काल को सूचित कर रहा है।

(ग) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'चलो' क्रिया की विधि (तरीके) को बता रहा है।

(घ) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'चलो' क्रिया के परिमाण को सूचित कर रहा है।

2. हम सब भारतवासी हैं।

(क) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, बहुवचन।

(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, एकवचन, कर्ता कारक।

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, बहुवचन उभय लिंग, कर्ता कारक (परसर्ग रहित), 'हैं' क्रिया का कर्ता।

(घ) पुरुषवाचक सर्वनाम, मध्यम पुरुष, बहुवचन, कर्ता कारक (परसर्ग रहित), 'हैं' क्रिया का कर्ता है।

3. आज निर्मल ने गृहकार्य नहीं किया।

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक (ने परसर्ग सहित) 'किया' क्रिया का कर्ता है।

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन कर्म कारक तथा 'किया' क्रिया का कर्म है।

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक (ने परसर्ग सहित), 'किया' क्रिया का कर्ता है।

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक (ने परसर्ग सहित) तथा 'किया' क्रिया की कर्ता है।

4. कल सब लोग आए पर आप ही नहीं आए।

(क) अकर्मक क्रिया, सामान्य वर्तमान काल, पुल्लिंग, एकवचन, कर्तृवाच्य, इसका कर्ता 'सब लोग' है।

(ख) अकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य, इसका कर्ता 'सब लोग' है।

(ग) सकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन इसका कर्ता है–'सब लोग'।

(घ) अकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मवाच्य, इसका कर्ता 'सब लोग' है।

5. आपके समान परिश्रमी मैंने दूसरा नहीं देखा।

(क) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, मूलावस्था तथा इसका विशेष्य 'आप' है।

(ख) गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, मूलावस्था तथा इसका विशेष्य 'आप' है।

(ग) गुणवाचक विशेषण, उभयलिंग, एकवचन, मूलावस्था तथा इसका विशेष्य 'आप' है।

(घ) गुणवाचक विशेषण, उभयलिंग, बहुवचन, मूलावस्था तथा इसका विशेष्य है–'आप'।

6. सफलता परिश्रम करने वालों के चरण चूमती है।

(क) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, ने परसर्ग रहित, 'चूमती है' क्रिया का कर्ता है।

(ख) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक (ने परसर्ग रहित) 'चूमती है' क्रिया का कर्ता है।

(ग) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक (ने परसर्ग रहित) 'चूमती है' क्रिया का कर्ता है।

(घ) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक (ने परसर्ग रहित) 'चूमती है' क्रिया की कर्ता है।

7. वह रवि है। **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, इसका विशेष्य 'रवि' है।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(ख) सार्वनामिक विशेषण, स्त्रीलिंग, बहुवचन, इसका विशेष्य है–रवि।

(ग) सार्वनामिक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य 'रवि' है।

(घ) सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, इसका विशेष्य 'रवि' है।

8. शिकारी ने चुपचाप कबूतर पर निशाना साधा।

(क) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'निशाना साधा' क्रिया का समय बता रहा है।

(ख) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'निशाना साधा' क्रिया का स्थान बता रहा है।

(ग) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'निशाना साधा' क्रिया की विधि बता रहा है।

(घ) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'निशाना साधा' क्रिया की मात्रा बता रहा है।

9. बंदर तराजू लाया और रोटी के दो टुकड़े किए।

(क) समानाधिकरण समुच्चयबोधक (विकल्प है) बंदर द्वारा तराजू लाने और रोटी का त्याग करने की बात बता रहा है।

(ख) व्यधिकरण समुच्चयबोधक (करणवाचक), बंदर तराजू लाया तथा रोटी के दो टुकड़े किए, इन दोनों वाक्यों को जोड़ रहा है।

(ग) समानाधिकरण समुच्चयबोधक, (संयोजक है) 'बंदर तराजू लाया' एवं 'रोटी के दो टुकड़े किए' इन दोनों वाक्यों को जोड़ता है।

(घ) व्यधिकरण समुच्चयबोधक (उद्देश्यवाचक) 'बंदर तराजू लाया' और 'रोटी के दो टुकड़े किए' वाक्यों का उद्देश्य स्पष्ट कर रहा है।

10. पिता जी ने दादी जी को दवाई दी।

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, परसर्ग रहित, 'दी' क्रिया का कर्म है।

(ख) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, परसर्ग रहित, 'दी' क्रिया का कर्म है।

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, परसर्ग रहित, 'दी' क्रिया का कर्म है।

(घ) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक (परसर्ग रहित) 'दी' क्रिया का मुख्य कर्म है।

11. महकता गुलाब किसे अच्छा नहीं लगता।

(क) प्रश्नवाचक सर्वनाम, उभयलिंग, बहुवचन, करण कारक।

(ख) प्रश्नवाचक सर्वनाम, उभयलिंग, बहुवचन, कर्म कारक, 'लगता' क्रिया का कर्म है।

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, उभयलिंग, एकवचन, कर्ता कारक (परसर्ग रहित)

(घ) प्रश्नवाचक सर्वनाम, उभयलिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'अच्छा लगना' क्रिया का कर्म।

12. वह घर में छिपा है।

(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक, 'में' परसर्ग सहित 'छिपा है' क्रिया का आधार है।

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण, में परसर्ग।

(ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, अधिकरण कारक, में परसर्ग सहित।

(घ) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक में परसर्ग सहित।

13. वह नित्य घूमने जाता है।

(क) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, जाता है क्रिया का परिमाण (मात्रा) बता रहा है।

(ख) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'जाता है' क्रिया के होने की विधि बता रहा है।

(ग) कालवाचक क्रियाविशेषण 'जाता है' क्रिया के होने का समय बता रहा है।

(घ) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'जाता है' क्रिया के होने का स्थान बता रहा है।

14. वह इस दुख को नहीं सह सकेगा।

(क) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक।

(ख) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक (को परसर्ग सहित) 'सह सकेगा' क्रिया का कर्म है।

(ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक, 'सह सकेगा' क्रिया का कर्म है।

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक, 'सह सकेगा' क्रिया का कर्म है।

15. यह किताब मेरी है।

(क) सार्वनामिक विशेषण, उभयलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य 'किताब' है।

(ख) सार्वनामिक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य 'किताब' है।

(ग) सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन।

(घ) सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, इसका विशेष्य 'किताब' है।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

16. वह कौन है जो छत पर खड़ा है?
- **(क)** जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक (पर परसर्ग सहित) 'खड़ा है' क्रिया का आधार है।
- **(ख)** जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, अधिकरण कारक (पर परसर्ग सहित), 'खड़ा है' क्रिया का आधार है।
- **(ग)** जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, अधिकरण कारक (पर परसर्ग युक्त), 'वह' और 'जो' का आधार है।
- **(घ)** जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक (पर परसर्ग सहित) 'खड़ा है' क्रिया का आधार है।

17. कुछ लोग बहुत सज्जन होते हैं।
- **(क)** अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य है–लोग।
- **(ख)** निश्चित संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य लोग है।
- **(ग)** अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, बहुवचन, इसका कर्ता 'सभी' है।
- **(घ)** अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, इसका विशेष्य 'लोग' है।

18. मेरी प्रशंसा सभी करते हैं।
- **(क)** सकर्मक क्रिया, सामान्य वर्तमान काल, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य, इसका कर्ता 'सभी' है।
- **(ख)** सकर्मक क्रिया, सामान्य वर्तमान काल, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य, इसका कर्ता है–सभी।
- **(ग)** अकर्मक क्रिया, सामान्य वर्तमान काल, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य, इसका कर्ता 'सभी' है।
- **(घ)** द्विकर्मक क्रिया, सामान्य वर्तमान काल, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य, इसका कर्ता है 'सभी'।

19. ताजमहल का सौंदर्य दर्शनीय होता है।
- **(क)** भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'होता है' क्रिया का कर्म है।
- **(ख)** भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'होता है' क्रिया का कर्म है।
- **(ग)** भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक, ताजमहल से संबंध दर्शाता है।
- **(घ)** भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'होता है' क्रिया का कर्म है।

20. मेरी बात सुनकर वह बहुत हँसा।
- **(क)** कालवाचक क्रियाविशेषण, 'हँसा' क्रिया का समय सूचित कर रहा है।
- **(ख)** रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'हँसा' क्रिया की विधि बता रहा है।
- **(ग)** स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'हँसा' क्रिया का स्थान स्पष्ट कर रहा है।
- **(घ)** अधिकताबोधक परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'हँसा' क्रिया की मात्रा बता रहा है।

XIV. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का सही पद-परिचय चुनिए?

1. मैं दसवीं कक्षा में पढ़ता हूँ।–
- **(क)** क्रमसूचक संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, बहुवचन
- **(ख)** संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन
- **(ग)** संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन
- **(घ)** प्रश्नवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन

2. हामिद पतंग उड़ा रहा है। (रेखांकित का पद-परिचय चुनिए)
- **(क)** संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन
- **(ख)** संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक
- **(ग)** संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन
- **(घ)** संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, बहुवचन

3. 'अंजलि तुरंत ही वहाँ से चली गई।' में रेखांकित पद का परिचय है–
- **(क)** क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'चली गई' क्रिया।
- **(ख)** क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'चली गई' क्रिया।
- **(ग)** क्रियाविशेषण, स्थानवाचक, 'वहाँ से' क्रिया।
- **(घ)** क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'वहाँ से' क्रिया।

4. मैं कल बीमार था इसलिए नहीं आ सका। रेखांकित पद का परिचय होगा–
- **(क)** भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन
- **(ख)** जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन
- **(ग)** पुरुषवाचक पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन
- **(घ)** पुरुषवाचक सर्वनाम, मध्यम पुरुष विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन

5. 'फूल की सुंदरता देखो।' रेखांकित पद का परिचय है–
- **(क)** भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन
- **(ख)** भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक
- **(ग)** जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन
- **(घ)** द्रव्यवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

6. 'कपिल का भाई दौड़ में प्रथम आया।' रेखांकित पद का परिचय है–

(क) पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग एकवचन

(ख) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक

(घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, अन्य पुरुष

7. 'मोहित कहानियों की पुस्तक पढ़ता है।' रेखांकित का पद-परिचय है–

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता 'कारक जिसकी क्रिया है-पढ़ता है'

(ख) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता

(ग) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता

(घ) द्रव्यवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता

8. 'मीरा का छोटा भाई समाचार पढ़ता है।' रेखांकित का पदपरिचय है–

(क) सकर्मक क्रिया, पढ़ धातु, अन्य पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन

(ख) अकर्मक क्रिया, पढ़ धातु, अन्य पुरुष, पुल्लिंग,एकवचन

(ग) अकर्मक क्रिया, पढ़ धातु, अन्य पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन

(घ) सकर्मक क्रिया, पढ़ धातु, मध्यम पुरुष, स्त्रीलिंग, एकवचन

9. 'राम सारी खबरें पढ़ चुका है।' रेखांकित पद का परिचय है–

(क) संज्ञा, भाववाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक

(ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्मकारक

(ग) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग वहुवचन, कर्मकारक

(घ) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्मकारक

10. 'वह कल मुंबई जाएगा।' रेखांकित पद का परिचय है–

(क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्य पुरुष, एकवचन, स्त्रीलिंग

(ख) सर्वनाम, मध्यमपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग

(ग) सर्वनाम, उत्तमपुरुष, एकवचन, स्त्रीलिंग

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्य पुरुष, एकवचन, पुल्लिंग

11. 'यह बालक पुरस्कार जीत सकता है।' रेखांकित का पद-परिचय है–

(क) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन

(ख) निश्चयवाचक सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन

(ग) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग

(घ) संकेतवाचक विशेषण, अन्यपुरुष, एकवचन

12. 'भारत विकासशील देश है।' रेखांकित का पद-परिचय है–

(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन

(ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

13. 'वह एक साहसी व्यक्ति है' - में रेखांकित का पद-परिचय है–

(क) संज्ञा, भाववाचक, पुल्लिंग, एकवचन।

(ख) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(ग) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रींलिंग, बहुवचन

(घ) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

14. 'मीनू शाम को घूमते हुए आ जाएगी' रेखांकित का पद-परिचय है–

(क) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, भविष्यकाल, एकवचन

(ख) अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, भविष्यकाल, एकवचन

(ग) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, भूतकाल, एकवचन

(घ) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, भविष्यकाल, बहुवचन

15. 'खुशी आठवीं कक्षा में पढ़ती है।' रेखांकित शब्द का पद-परिचय छाँटिए-

(क) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ख) जातिवाचक संज्ञा, सत्रीलिंग, एकवचन

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन

16. 'द्वार के बाहर कोई खड़ा है।' – रेखांकित का पद-परिचय है:

(क) संबंधबोधक, 'द्वार' और कोई का संबंध जोड़ रहा है,

(ख) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग

(ग) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग,

(घ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन

17. 'सपना हमेशा सच बोलती है।' - रेखांकित का पद-परिचय है–

(क) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ख) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, बोलती है' क्रिया की विशेषता बताती हैं

(ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

(घ) द्रव्यवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन

18. 'वह क्या लिख रहा है?' रेखांकित शब्द का पद-परिचय है–

(क) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्त्ता कारक

(ख) निजवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्त्ता कारक

(ग) सर्वनाम उत्तमपुरुष, पुल्लिंग, एकवचन, कर्त्ता कारक

(घ) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग बहुवचन, कर्त्ताकारक

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

19. 'जब मैं वहाँ पहुँचा तब वह टी.वी. देख रहा था।' रेखांकित पद का परिचय है–

(क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यमपुरुष, बहुवचन, पुल्लिंग

(ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, बहुवचन, पुल्लिंग

(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, एकवचन, स्त्रीलिंग

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग

उत्तर

I. **1.** (क) **2.** (घ) **3.** (क) **4.** (ग) **5.** (क)

II. **1.** (क) **2.** (क) **3.** (क)

III. **1.** (ग) **2.** (क) **3.** (ग)

IV. **1.** (क) **2.** (क)

V. **1.** (क) **2.** (ग) **3.** (घ)

VI. **1.** (क) **2.** (क)

VII. **1.** (ग) **2.** (ख) **3.** (घ) **4.** (ग) **5.** (क) **6.** (क) **7.** (क) **8.** (ख) **9.** (घ) **10.** (क)

VIII. 1. (ग) **2.** (ख) **3.** (क) **4.** (क) **4.** (क) **5.** (क) **6.** (ख) **7.** (ख) **8.** (क) **9.** (ख) **10.** (क)

IX. **1.** (ख) **2.** (ग) **3.** (क) **4.** (ख) **5.** (क) **6.** (ख) **7.** (ख) **8.** (क) **9.** (क) **10.** (ग)

X. **1.** (क) **2.** (क) **3.** (क) **4.** (क) **5.** (ग) **6.** (घ) **7.** (क) **8.** (घ) **9.** (घ) **10.** (ख) **11.** (क)

XI. 1. (क) **2.** (घ)

XII. 1. (ख) **2.** (क)

XIII. **1.**(ग) **2.** (ग) **3.** (घ) **4.** (ख) **5.**(क) **6.** (घ) **7.** (क) **8.** (ग) **9.**(ग) **10.** (घ) **11.** (घ) **12.** (क) **13.**(ग) **14.** (ख) **15.** (ख) **16.** (घ) **17.**(घ) **18.** (क) **19.** (क) **20.** (घ)

XIV. **1.**(ख) **2.** (ख) **3.** (ख) **4.** (ग) **5.**(ख) **6.** (ग) **7.** (क) **8.** (क **9.**(क) **10.** (घ) **11.** (घ) **12.** (ख) **13.**(ख) **14.** (क) **15.** (ख) **16.** (घ) **17.**(ख) **18.** (क) **19.** (घ)

फ़ॉरमेटिव असेसमेंट के लिए

क्रियाकलाप

कक्षा में सामान्य बातचीत करते हुए अथवा प्रश्नोत्तर के दौरान अध्यापक-अध्यापिका उन वाक्यों या कथोपकथन में आए हुए पदों का परिचय पूछ सकते हैं। जैसे–

– कल शाम आप कहाँ गए थे?

– कल शाम मैं कहीं नहीं गया, घर पर कुछ मित्रों के साथ कैरम खेलता रहा।

इस प्रकार के वाक्यों में विभिन्न शब्दों यानी पदों (कल, शाम, आप, कुछ, मित्रों के साथ, कैरम, गए थे, खेलता रहा) का व्याकरणिक परिचय पूछ सकते हैं। प्रत्येक छात्र को बोलने का मौका दें। किसी छात्र द्वारा अशुद्ध उत्तर दिए जाने पर अन्य छात्र को बोलने का मौका दें तथा आवश्यकतानुसार संशोधन करें।

कक्षा-कार्य

पद-परिचय का पुनरभ्यास कराने हेतु अध्यापक/अध्यापिका छात्र-छात्राओं से पद सम्बन्धी कुछ प्रश्न पूछ सकते हैं। जैसे–

- पद किसे कहते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।
- शब्द किसे कहते हैं? शब्द और पद में क्या अंतर है? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।
- कोई शब्द पद कब बन जाता है? उदाहरण देकर बताइए।

गृह-कार्य

कक्षा में पढ़ी हुई कोई कहानी या पत्र-पत्रिकाओं में छपी किसी कहानी को पढ़कर छात्र-छात्राएँ उसमें से कुछ वाक्य अपनी कॉपी में लिखकर उनमें प्रयुक्त विभिन्न पदों का व्याकरणिक परिचय दें।

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

3 संधि

संधि

'संधि' संस्कृत भाषा का शब्द है; जिसका अर्थ है—'मेल'। दो शब्द अथवा पद जब एक-दूसरे के समीप होते हैं, तो उच्चारण की सुविधा के लिए प्रथम शब्द के अंतिम और द्वितीय शब्द के आरंभिक वर्ण या अक्षर एक-दूसरे से मिला दिए जाते हैं। इस मेल से शब्द के रूप में विकार उत्पन्न हो जाता है। इसी विकारजन्य मेल का नाम संधि है। अत:—

दो वर्णों के मेल से होने वाले विकार (परिवर्तन) को 'संधि' कहते हैं।

जैसे— भोजन + आलय = भोजनालय,
सत् + जन = सज्जन, नि: + धन = निर्धन।

'भोजनालय' शब्द में दो स्वरों (अ + आ) की संधि से 'आ' एक नई ध्वनि बनी है।

'सज्जन' शब्द में दो व्यंजनों (त् + ज) की संधि से 'ज्ज' एक नया रूप बना है।

'निर्धन' शब्द में नि: के अंत में विसर्ग (:) का योग धन के आदि में 'ध' व्यंजन से होने पर विसर्ग (:) रेफ़ (र्) में परिवर्तित होकर 'र्ध' एक नया रूप बना है। ये सब विकार संधि के लक्षण हैं।

संधि-विच्छेद

विच्छेद का अर्थ है—अलग करना। संधि के नियमों द्वारा मिले वर्णों को फिर उनकी पहली अवस्था में ले आने को **संधि-विच्छेद** कहते हैं; जैसे—

शब्द	**संधि-विच्छेद**	**शब्द**	**संधि-विच्छेद**
भानूदय	= भानु + उदय	महात्मा	= महा + आत्मा
गणेश	= गण + ईश	स्वागत	= सु + आगत
उच्चारण	= उत् + चारण	दुर्जन	= दु: + जन

संधि और संयोग में अंतर

संयोग में अक्षर केवल मिल जाते हैं, उनमें कोई परिवर्तन नहीं होता, किंतु संधि में नियमानुसार एक में या दोनों अक्षरों में परिवर्तन हो जाता है। संधि और संयोग दोनों स्थितियों में स्वर और व्यंजनों में मेल होता है। जैसे—

संयोग

अन्	+	आवश्यक	=	अनावश्यक
अन्	+	उचित	=	अनुचित
पशु	+	ता	=	पशुता
पीला	+	पन	=	पीलापन

संधि

राम	+	अवतार	=	रामावतार
सूर्य	+	उदय	=	सूर्योदय
दिक्	+	गज	=	दिग्गज
जगत्	+	नाथ	=	जगन्नाथ

संधि के भेद

संधि के तीन भेद हैं—
(1) स्वर संधि, (2) व्यंजन संधि तथा (3) विसर्ग संधि।

1. स्वर-संधि

दो स्वरों के मेल से उत्पन्न विकार अथवा परिवर्तन को 'स्वर-संधि' कहते हैं। इनमें मेल होने पर किसी एक स्वर या दोनों स्वरों में परिवर्तन होता है। जैसे—विद्या + आलय = विद्यालय, दिन + ईश = दिनेश, चंद्र + उदय = चंद्रोदय।

स्वर संधि के पाँच भेद हैं—*(i)* दीर्घ संधि *(ii)* गुण संधि *(iii)* वृद्धि संधि *(iv)* यण संधि *(v)* अयादि संधि।

***(i)* दीर्घ संधि**—जब ह्रस्व या दीर्घ *अ, इ, उ* के बाद क्रमश: ह्रस्व अथवा दीर्घ *अ, इ, उ* स्वर आएँ तो दोनों के मेल से क्रमश: ये **आ**, **ई** और **ऊ** हो जाते हैं। जैसे—

अ + अ = आ

स्व	+	अधीन	=	स्वाधीन
राम	+	अनुज	=	रामानुज
अन्न	+	अभाव	=	अन्नाभाव
सत्य	+	अर्थ	=	सत्यार्थ
स्व	+	अर्थ	=	स्वार्थ
शरण	+	अर्थी	=	शरणार्थी **[CBSE 2010 (Term – I)]**
अधिक	+	अधिक	=	अधिकाधिक
पीत	+	अंबर	=	पीतांबर **(Delhi 2008)**

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

अरुण	+	अचल	=	अरुणाचल **(AI 2007)**
वेद	+	अंत	=	वेदांत
कृष्ण	+	अवतार	=	कृणावतार
योग	+	अभ्यास	=	योगाभ्यास
दाव	+	अनल	=	दावानल
परम	+	अणु	=	परमाणु
कल्प	+	अंत	=	कल्पांत
वीर	+	अंगना	=	वीरांगना
सूर्य	+	अस्त	=	सूर्यास्त
वात	+	अयन	=	वातायन
मत	+	अनुसार	=	मतानुसार
अन्य	+	अन्य	=	अन्यान्य
सत्य	+	अर्थी	=	सत्यार्थी
शस्त्र	+	अस्त्र	=	शस्त्रास्त्र
अधिक	+	अंश	=	अधिकांश
धर्म	+	अर्थ	=	धर्मार्थ **[CBSE 2010 (Term – I)]**
पर	+	अधीन	=	पराधीन
राम	+	अवतार	=	रामावतार
राम	+	अयन	=	रामायण

अ + आ = आ

स	+	आनंद	=	सानंद
हिम	+	आलय	=	हिमालय
धर्म	+	आत्मा	=	धर्मात्मा**[CBSE 2010 (Term – I)]**
धर्म	+	आचार्य	=	धर्माचार्य
शुभ	+	आरंभ	=	शुभारंभ
विरह	+	आकुल	=	विरहाकुल
भोजन	+	आलय	=	भोजनालय
स	+	आकार	=	साकार
सत्य	+	आग्रह	=	सत्याग्रह
हिम	+	आच्छादन	=	हिमाच्छादन
घन	+	आनंद	=	घनानंद
नील	+	आकाश	=	नीलाकाश
मरण	+	आसन्न	=	मरणासन्न
आयत	+	आकार	=	आयताकार
रत्न	+	आकर	=	रत्नाकर
गज	+	आनन	=	गजानन
देव	+	आलय	=	देवालय
परम	+	आत्मा	=	परमात्मा
विस्मय	+	आदि	=	विस्मयादि
प्राण	+	आयाम	=	प्राणायाम

आ + अ = आ

तथा	+	अपि	=	तथापि
महा	+	अर्णव	=	महार्णव
सेवा	+	अर्थ	=	सेवार्थ
विद्या	+	अर्थी	=	विद्यार्थी**[CBSE 2010 (Term – I)]**
कृपा	+	अर्थ	=	कृपार्थ
सीमा	+	अंत	=	सीमांत
रेखा	+	अंकित	=	रेखांकित
विद्या	+	अभ्यास	=	विद्याभ्यास
यथा	+	अर्थ	=	यथार्थ
दीक्षा	+	अंत	=	दीक्षांत
शिक्षा	+	अर्थी	=	शिक्षार्थी
करुणा	+	अमृत	=	करुणामृत

आ + आ = आ

महा	+	आशय	=	महाशय
महा	+	आत्मा	=	महात्मा
कृपा	+	आकांक्षी	=	कृपाकांक्षी
वार्ता	+	आलाप	=	वार्तालाप
दया	+	आनंद	=	दयानंद
विद्या	+	आलय	=	विद्यालय
श्रद्धा	+	आनंद	=	श्रद्धानंद
विद्या	+	आरंभ	=	विद्यारंभ
प्रतीक्षा	+	आलय	=	प्रतीक्षालय

इ + इ = ई

गिरि	+	इंद्र	=	गिरींद्र
मुनि	+	इंद्र	=	मुनींद्र
रवि	+	इंद्र	=	रवींद्र
अति	+	इव	=	अतीव
अभि	+	इष्ट	=	अभीष्ट
हरि	+	इच्छा	=	हरीच्छा

इ + ई = ई

मुनि	+	ईश	=	मुनीश
अधि	+	ईश्वर	=	अधीश्वर
क्षिति	+	ईश	=	क्षितीश
गिरि	+	ईश	=	गिरीश
परि	+	ईक्षा	=	परीक्षा
कवि	+	ईश	=	कवीश
कपि	+	ईश	=	कपीश
हरि	+	ईश	=	हरीश
कवि	+	ईश्वर	=	कवीश्वर

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

ई + इ = ई

महा	+	इंद्र	=	महींद्र
लक्ष्मी	+	इच्छा	=	लक्ष्मीच्छा
नारी	+	इंदु	=	नारींदु
सती	+	इच्छा	=	सतीच्छा
शची	+	इंद्र	=	शचींद्र
नदी	+	इंद्र	=	नदींद्र

ई + ई = ई

रजनी	+	ईश	=	रजनीश
सती	+	ईश	=	सतीश
नारी	+	ईश्वर	=	नारीश्वर
पृथ्वी	+	ईश	=	पृथ्वीश
नदी	+	ईश	=	नदीश
जानकी	+	ईश	=	जानकीश

उ + उ = ऊ

गुरु	+	उपदेश	=	गुरूपदेश
सु	+	उक्ति	=	सूक्ति
भानु	+	उदय	=	भानूदय **[CBSE 2010 (Term – I)]**
लघु	+	उत्तर	=	लघूत्तर
मधु	+	उपवन	=	मधूपवन
विधु	+	उदय	=	विधूदय

उ + ऊ = ऊ

धातु	+	ऊष्मा	=	धातूष्मा
सिंधु	+	ऊर्जा	=	सिंधूर्जा
लघु	+	ऊर्मि	=	लघूर्मि
मधु	+	ऊष्मा	=	मधूष्मा
अंबु	+	ऊर्मि	=	अंबूर्मि
सिंधु	+	ऊर्मि	=	सिंधूर्मि

ऊ + उ = ऊ

वधू	+	उत्सव	=	वधूत्सव**[CBSE 2010 (Term – I)]**
स्वयंभू	+	उदय	=	स्वयंभूदय
भू	+	उत्सर्ग	=	भूत्सर्ग
भू	+	उद्धार	=	भूद्धार
चमू	+	उत्तम	=	चमूत्तम
भू	+	उन्नयन	=	भून्नयन

ऊ + ऊ = ऊ

भू	+	ऊर्जा	=	भूर्जा
भू	+	ऊर्ध्व	=	भूर्ध्व
भू	+	ऊर्जित	=	भूर्जित
भू	+	ऊष्मा	=	भूष्मा
वधू	+	ऊर्जा	=	वधूर्जा
वधू	+	ऊर्मि	=	वधूर्मि

(ii) **गुण संधि**—जब *अ* या *आ* के बाद *इ* या *ई* आए तो **ए**; *अ* या *आ* के बाद *उ* या *ऊ* आए तो **ओ** और *अ* या *आ* के बाद *ऋ* आए तो **अर्** हो जाता है। जैसे—

अ + इ = ए

राजा	+	इंद्र	=	राजेंद्र
ब्रज	+	इंद्र	=	ब्रजेंद्र
स्व	+	इच्छा	=	स्वेच्छा
भारत	+	इंदु	=	भारतेंदु
गज	+	इंद्र	=	गजेंद्र
सुर	+	इंद्र	=	सुरेंद्र
धर्म	+	इंद्र	=	धर्मेंद्र
जित	+	इंद्रिय	=	जितेंद्रिय
देव	+	इंद्र	=	देवेंद्र
नर	+	इंद्र	=	नरेंद्र
वीर	+	इंद्र	=	वीरेंद्र
शुभ	+	इच्छा	=	शुभेच्छा

अ + ई = ए

देव	+	ईश	=	देवेश
नर	+	ईश	=	नरेश
कमल	+	ईश	=	कमलेश
उप	+	ईक्षा	=	उपेक्षा
दिन	+	ईश	=	दिनेश
परम	+	ईश्वर	=	परमेश्वर**[CBSE 2010 (Term – I)]**
गण	+	ईश	=	गणेश **[CBSE 2010 (Term – I)]**
तप	+	ईश	=	तपेश
सुर	+	ईश	=	सुरेश

आ + इ = ए

महा	+	इंद्र	=	महेंद्र
यथा	+	इष्ट	=	यथेष्ट
रमा	+	इंद्र	=	रमेंद्र
दुर्गा	+	इच्छा	=	दुर्गेच्छा
राजा	+	इंद्र	=	राजेंद्र
प्रजा	+	इच्छा	=	प्रजेच्छा

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

आ + ई = ए

रमा	+	ईश	=	रमेश
दुर्गा	+	ईश	=	दुर्गेश
उमा	+	ईश	=	उमेश
लंका	+	ईश	=	लंकेश
महा	+	ईश	=	महेश
महा	+	ईश्वर	=	महेश्वर

अ + उ = ओ

चंद्र	+	उदय	=	चंद्रोदय
पर	+	उपकार	=	परोपकार
रोग	+	उपचार	=	रोगोपचार
हित	+	उपदेश	=	हितोपेदश
आनंद	+	उत्सव	=	आनंदोत्सव
भाग्य	+	उदय	=	भाग्योदय **(AI 2007)**
मानव	+	उचित	=	मानवोचित
पुरुष	+	उत्तम	=	पुरुषोत्तम
लोक	+	उक्ति	=	लोकोक्ति
वीर	+	उचित	=	वीरोचित
वसंत	+	उत्सव	=	वसंतोत्सव
विवाह	+	उत्सव	=	विवाहोत्सव
नर	+	उचित	=	नरोचित
सर्व	+	उदय	=	सर्वोदय
				[CBSE 2010 (Term – I)]
सूर्य	+	उदय	=	सूर्योदय
देव	+	उचित	=	देवोचित
लोक	+	उपचार	=	लोकोपचार
वार्षिक	+	उत्सव	=	वार्षिकोत्सव

अ + ऊ = ओ

जल	+	ऊर्मि	=	जलोर्मि
सागर	+	ऊर्मि	=	सागरोर्मि
नव	+	ऊढा	=	नवोढा
सूर्य	+	ऊर्जा	=	सूर्योर्जा
हत	+	ऊर्जा	=	हतोर्जा
दारुण	+	ऊष्मा	=	दारुणोष्मा

आ + उ = ओ

महा	+	उत्सव	=	महोत्सव
तथा	+	उक्त	=	तथोक्त
यथा	+	उचित	=	यथोचित
महा	+	उदधि	=	महोदधि
यथा	+	उक्त	=	यथोक्त
महा	+	उल्लास	=	महोल्लास

आ + ऊ = ओ

गंगा	+	ऊर्मि	=	गंगोर्मि
दया	+	ऊर्मि	=	दयोर्मि
महा	+	ऊर्जा	=	महोर्जा
महा	+	ऊरु	=	महोरु
यमुना	+	ऊर्मि	=	यमुनोर्मि
सरिता	+	ऊर्मि	=	सरितोर्मि

अ + ऋ = अर्, आ + ऋ = अर्

देव	+	ऋषि	=	देवर्षि
ब्रह्म	+	ऋषि	=	ब्रह्मर्षि
सप्त	+	ऋषि	=	सप्तर्षि
ग्रीष्म	+	ऋतु	=	ग्रीष्मर्तु
महा	+	ऋषि	=	महर्षि **[CBSE 2010 (Term – I)]**
राजा	+	ऋषि	=	राजर्षि

(iii) **वृद्धि संधि**—जब *अ* या *आ* के बाद *ए* या *ऐ* आए तो दोनों के मेल से '**ऐ**' और *ओ* या *औ* आने पर दोनों के मेल से '**औ**' हो जाता है। जैसे—

अ + ए = ऐ

एक	+	एक	=	एकैक **[CBSE 2010 (Term – I)]**
धन	+	एषणा	=	धनैषणा
जीव	+	एषणा	=	जीवैषणा
लोक	+	एषणा	=	लोकैषणा

अ + ऐ = ऐ

मत	+	ऐक्य	=	मतैक्य
अर्थ	+	ऐक्य	=	अर्थैक्य
परम	+	ऐश्वर्य	=	परमैश्वर्य
धन	+	ऐश्वर्य	=	धनैश्वय

आ + ए = ऐ

सदा	+	एव	=	सदैव **[CBSE 2010 (Term – I)]**
तथा	+	एव	=	तथैव **(AI 2007)**
यथा	+	एव	=	यथैव
रमा	+	एव	=	रमैव

आ + ऐ = ऐ

महा	+	ऐक्य	=	महैक्य
महा	+	ऐश्वर्य	=	महैश्वर्य**[CBSE 2010 (Term – I)]**
प्रजा	+	ऐक्य	=	प्रजैक्य
राजा	+	ऐश्वर्य	=	राजैश्वर्य

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

अ + ओ = औ

परम + ओजस्वी = परमौजस्वी
अधर + ओष्ठ = अधरौष्ठ
जल + ओघ = जलौघ
मधुर + ओदन = मधुरौदन

अ + औ = औ

वन + औषध = वनौषध
वीर + औदार्य = वीरौदार्य
परम + औषध = परमौषध
परम + औदार्य = परमौदार्य

आ + ओ = औ

गंगा + ओघ = गंगौघ
यमुना + ओघ = यमुनौघ
महा + ओजस्वी = महौजस्वी
महा + ओषधि = महौषधि

आ + औ = औ

महा + औदार्य = महौदार्य
यथा + औचित्य = यथौचित्य
महा + औषध = महौषध
महा + औत्सुक्य = महौत्सुक्य

***(iv)* यण संधि**—जब ह्रस्व अथवा दीर्घ *इ, ई, उ, ऊ* अथवा *ऋ* के बाद कोई असमान स्वर आ जाता है, तो *इ, ई* का **'य्'**, *उ, ऊ* का **'व्'** और *ऋ* का **र्** हो जाता है और दूसरे पद का प्रथम स्वर उसमें जुड़ जाता है। इनके संयुक्त होने पर पहले पद का अंतिम व्यंजन हलंत हो जाता है। जैसे—

इ + अ = य

प्रति + अंग = प्रत्यंग
यदि + अपि = यद्यपि
गति + अवरोध = गत्यवरोध
अभि + अंतर = अभ्यंतर
अति + अंत = अत्यंत
अति + अधिक = अत्यधिक

ई + अ = य

नदी + अर्पण = नद्यर्पण**[CBSE 2010 (Term – I)]**
देवी + अर्पण = देव्यर्पण
नदी + अर्चना = नद्यर्चना
देवी + अलंकार = देव्यलंकार

इ + आ = या

इति + आदि = इत्यादि **[CBSE 2010 (Term – I)]**
वि + आप्त = व्याप्त
परि + आवरण = पर्यावरण
अति + आवश्यक = अत्यावश्यक
अभि + आगत = अभ्यागत
अति + आचार = अत्याचार
अति + आनंद = अत्यानंद
प्रति + आगत = प्रत्यागत

ई + आ = या

सखी + आगमन = सख्यागमन
देवी + आगमन = देव्यागमन**[CBSE 2010 (Term – I)]**
नदी + आगम = नद्यागम
देवी + आराधना = देव्याराधना

इ + उ = यु

अति + उत्तम = अत्युत्तम
उपरि + उक्त = उपर्युक्त
प्रति + उपकार = प्रत्युपकार
अभि + उदय = अभ्युदय

इ + ऊ = यू

वि + ऊह = व्यूह
नि + ऊन = न्यून

ई + ऊ = यू

नदी + ऊर्मि = नद्यूर्मि

इ + ए = ये

प्रति + एक = प्रत्येक **(Delhi 2008)**

ई + ऐ = यै

देवी + ऐश्वर्य = देव्यैश्वर्य

उ + अ = व

अनु + अय = अन्वय
मधु + अरि = मध्वरि
सु + अच्छ = स्वच्छ

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

मनु + अंतर = मन्वंतर
सु + अच्छ = स्वच्छ
अनु + अर्थ = अन्वर्थ

उ + आ = वा

सु + आगत = स्वागत **[CBSE 2010 (Term – I)]**

गुरु + आकृति = गुर्वाकृति
मधु + आलय = मध्वालय
गुरु + आज्ञा = गुर्वाज्ञा

ऊ + आ = वा

वधू + आगमन = वध्वागमन

उ + इ = वि

अनु + इत = अन्वित
अनु + इति = अन्विति

उ + ई = वी

अनु + ईक्षण = अन्वीक्षण
अनु + ईक्षा = अन्वीक्षा

उ + ए = वे

अनु + एषण = अन्वेषण
अनु + एषक = अन्वेषक

ऋ + अ = र

पितृ + अनुमति = पित्रनुमति
मातृ + अनुमति = मात्रनुमति
धातृ + अंश = धात्रंश
मातृ + अंश = मात्रंश

ऋ + आ = रा

मातृ + आनंद = मात्रानंद
पितृ + आलय = पित्रालय
पितृ + आदेश = पित्रादेश
मातृ + आज्ञा = मात्राज्ञा
[CBSE 2010 (Term – I)]

ऋ + इ = रि

मातृ + इच्छा = मात्रिच्छा
भ्रातृ + इच्छा = भ्रात्रिच्छा

***(v)* अयादि संधि**—यदि *ए, ऐ, ओ, औ* के बाद इनसे अलग कोई अन्य स्वर आए, तो *ए* के स्थान पर '**अय**', *ऐ* के स्थान पर '**आय्**', *ओ* के स्थान पर '**अव्**' तथा *औ* के स्थान पर '**आव्**' हो जाता है। जैसे—

ए + अ = अय

ने + अन = नयन
चे + अन = चयन
शे + अन = शयन

ऐ + अ = आय, ऐ + इ = आयि

नै + अक = नायक
नै + इका = नायिका
[CBSE 2010 (Term – I)]
गै + अक = गायक
गै + इका = गायिका
शै + अक = शायक
गै + अन = गायन

ओ + अ = अव

भो + अन = भवन
हो + अन = हवन
पो + अन = पवन

औ + अ = आव

पौ + अक = पावक
पौ + अन = पावन
[CBSE 2010 (Term – I)]

ओ + इ = अवि, औ + इ = आवि

पो + इत्र = पवित्र
नौ + इक = नाविक

औ + ई = आवी, औ + उ = आवु

नौ + ईश = नावीश
भौ + उक = भावुक

बहुविकल्पीय प्रश्न-अभ्यास

I. (अ) निम्नलिखित पदों में संधि का उचित उत्तर चुनिए—

1. अन्न + अभाव
(क) अन्नाभव **(ख)** अन्नाभाव
(ग) अनाभाव **(घ)** अन्नभाव

2. शरण + अर्थी **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) शरणर्थी **(ख)** शरणार्थि
(ग) शरणार्थी **(घ)** शरर्णार्थी

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

3. अरुण + अचल
(क) अरुणांचल (ख) अरुणाचल
(ग) अरुणचल (घ) अरुणाचाल

4. धर्म + आत्मा
(क) धर्मातमा (ख) धर्मात्मा
(ग) धमात्मा (घ) धर्मात्मा

5. विरह + आकुल
(क) विरहाकुल (ख) विरहाकल
(ग) विरहकुल (घ) विरहाकूल

6. आयत + आकार
(क) आयताकर (ख) आयातकार
(ग) आयताकार (घ) आयतकार

7. महा + अर्णव
(क) माहर्णव (ख) महर्णाव
(ग) महर्णव (घ) महार्णव

8. विद्या + अर्थी **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) विद्यार्थी (ख) विद्यार्थि
(ग) विद्यर्थी (घ) विदयार्थी

9. कृपा + आकांक्षी
(क) कृपाकाक्षी (ख) कृपकांक्षी
(ग) कृपाकंक्षी (घ) कृपाकांक्षी

10. मुनि + इंद्र **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) मनईंद्र (ख) मुनिद्र
(ग) मुनींद्र (घ) मुनिंद्र

11. क्षिति + ईश
(क) क्षीतिश (ख) क्षितीश
(ग) क्षितिश (घ) क्षीतीश

12. सती + ईश
(क) सतीश (ख) सतिश
(ग) सीतश (घ) सतिश

13. सिंधु + ऊर्जा
(क) सींधूर्जा (ख) सिधूर्जा
(ग) सिंधुर्जा (घ) सिंधूर्जा

14. भू + ऊर्ध्व
(क) भुधर्व (ख) भूर्ध्व
(ग) भुर्ध्व (घ) भूधर्व

15. ब्रज + इंद्र
(क) ब्रजेंद्र (ख) ब्रजेद्र
(ग) ब्रजंद्र (घ) ब्रजेंदर

16. हित + उपदेश
(क) हितोपदेश (ख) हितोपोदश
(ग) हितापेदश (घ) हितोपेदश

17. दया + ऊर्मि
(क) दयार्मि (ख) दयोर्मी
(ग) दयोर्मि (घ) दयोमि

18. एक + एक
(क) एकैक (ख) एकएक
(ग) एकक (घ) एकेक

19. यमुना + ओघ
(क) यमनौघ (ख) यमूनौघ
(ग) यमुनोघ (घ) यमुनौघ

20. वेद + अंत
(क) वेदात (ख) वेदंत
(ग) वीदांत (घ) वेदांत

21. कृष्ण + अवतार
(क) कृष्णावतार (ख) कृष्णवतर
(ग) कृष्णावतर (घ) कृष्णवतार

22. योग + अभ्यास
(क) योगाभ्यास (ख) योगाभयास
(ग) योगाभ्यस (घ) योगभ्यास

23. दाव + अनल
(क) दावनाल (ख) दावनल
(ग) दावानाल (घ) दावानल

24. परम + अणु
(क) परमाण (ख) परमाणु
(ग) परमाणू (घ) परमणु

25. कल्प + अंत
(क) कल्पांत (ख) कल्पत
(ग) कलपांत (घ) कल्पात

26. वीर + अंगना
(क) वीरगना (ख) वीरंगना
(ग) वीरागना (घ) वीरांगना

27. घन + आनंद
(क) घनान्द (ख) घननंद
(ग) घनांनद (घ) घनानंद

28. नील + आकाश
(क) नीलाकाश (ख) नीलकाश
(ग) नीलाकश (घ) नीलकश

29. मरण + आसन्न
(क) मरणासन्न (ख) मरणासन
(ग) मरणसन्न (घ) मरण्सन्न

30. जीर्ण + उद्धार
(क) जीणोदर (ख) जीणोधार
(ग) जीर्णोद्धार (घ) जीर्णेधार

31. रेखा + अंकित
(क) रेखांकित (ख) रेखाकित
(ग) रेखांकत (घ) रेखांकीत

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

32. कृपा + अर्थ
(क) कृपाथ **(ख)** कृपार्थ
(ग) कृपर्थ **(घ)** करपार्थ

33. महा + आत्मा
(क) महात्मा **(ख)** महातमा
(ग) महत्मा **(घ)** महआत्मा

उत्तर : **1.** (ख) **2.** (ग) **3.** (ख) **4.** (घ)
5. (क) **6.** (ग) **7.** (घ) **8.** (क)
9. (घ) **10.** (ग) **11.** (ख) **12.** (क)
13. (घ) **14.** (ख) **15.** (क) **16.** (क)
17. (ग) **18.** (क) **19.** (घ) **20.** (घ)
21. (क) **22.** (क) **23.** (घ) **24.** (ख)
25. (क) **26.** (घ) **27.** (घ) **28.** (क)
29. (क) **30.** (ग) **31.** (क) **32.** (ख)
33. (क)

II. नीचे दिए गए सन्धि अथवा सन्धि-विच्छेद का सही विकल्प चुनिए–

1. 'परमौज' का संधि-विच्छेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) परम + ओज **(ख)** परम + औज
(ग) परम् + ओज **(घ)** परमो + ओज

2. 'दिन+ईश' की संधि है–
(क) दिनीश **(ख)** दिनिश
(ग) दिनेश **(घ)** दीनेश

3. 'नयन' संधि का भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) गुण **(ख)** वृद्धि
(ग) यण **(घ)** अयादि

4. 'सर्वोत्तम' का संधि-विच्छेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) सर्वो + उत्तम **(ख)** सर्वो + तम
(ग) सर्वोत्त + म **(घ)** सर्व + उत्तम

5. 'मही + ईश' की संधि है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) महेश **(ख)** महईश
(ग) महीश **(घ)** महिश

6. 'देवालय' में स्वर संधि का कौन-सा भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) दीर्घ **(ख)** गुण
(ग) यण **(घ)** वृद्धि

7. संधि-विच्छेद के उचित विकल्प का चयन करें– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
नरेन्द्र
(क) नर + एन्द्र **(ख)** नर + ईन्द्र
(ग) नर + इन्द्र **(घ)** नरे + इन्द्र

8. लघु + उत्तर **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) लघूत्तर **(ख)** लघुत्तर
(ग) लघोत्तर **(घ)** लघुत्तर

9. 'मातृ + आज्ञा' की संधि है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) मातृा ज्ञा **(ख)** मातृ आज्ञा
(ग) मात्रेज्ञा **(घ)** मात्राज्ञा

10. 'सदैव' में स्वर संधि का कौन-सा भेद है? **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) दीर्घ **(ख)** वृद्धि
(ग) अयादि **(घ)** गुण

11. 'यथेष्ट' का संधि-विच्छेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) यथा + इष्ट **(ख)** यथे + ष्ट
(ग) यथे + इष्ट **(घ)** यथ + एष्ट

12. 'सु + अल्प' की संधि है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) सुअल्प **(ख)** स्वल्प
(ग) स्वोल्प **(घ)** स्वाल्प

13. 'सूर्योदय' में स्वर संधि का कौन-सा भेद है? **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) यण संधि **(ख)** गुण संधि
(ग) दीर्घ संधि **(घ)** वृद्धि संधि

14. 'गुरूपदेश' का संधि-विच्छेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) गुरु + उपदेश **(ख)** गुरू + उपदेश
(ग) गुरू + पदेश **(घ)** गुरुप + देश

15. 'वधू + आगमन' की संधि है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) वधूआगमन **(ख)** वध्वागमन
(ग) वधवागमन **(घ)** वधोगमन

16. 'धर्मार्थ' में स्वर संधि का कौन-सा भेद है? **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) यण **(ख)** दीर्घ
(ग) गुण संधि **(घ)** वृद्धि संधि

17. 'अति+आचार' की संधि है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) अतिचार **(ख)** अत्आचार
(ग) अतिआचार **(घ)** अत्याचार

18. 'गंगोदक' का संधि-विच्छेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) गंगो + दक **(ख)** गंगा + उदक
(ग) गंग + ओदक **(घ)** गंगा + दक

19. 'पावक' में स्वर संधि का कौन-सा भेद है? **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) दीर्घ संधि **(ख)** गुण संधि
(ग) यण संधि **(घ)** अयादि संधि

20. 'स्वागत' का संधि-विच्छेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) स्व + आगत **(ख)** स्वा + गत
(ग) सु + आगत **(घ)** सु + वागत

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

21. 'नौ + इक' की संधि है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) नाइक (ख) नाविक
(ग) नौइक (घ) नविक

22. 'रजनीश' में स्वर संधि का कौन-सा भेद है? **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) दीर्घ संधि (ख) गुण संधि
(ग) यण संधि (घ) वृद्धि संधि

23. 'राजा+ऊर्जा' में स्वर संधि का कौन-सा भेद है? **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) दीर्घ संधि (ख) वृद्धि संधि
(ग) गुण संधि (घ) यण् संधि

24. 'एक + एक' की संधि है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) एकक (ख) एकेक
(ग) एकैक (घ) कैकेय

25. 'धनादेश' का संधि विच्छेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) धन + आदेश (ख) धना + आदेश
(ग) धना + देश (घ) धन + देश

26. 'भारत + इन्दु' की संधि है। **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) भरतइन्दु (ख) भारतेंदू
(ग) भारतइन्दू (घ) भारतेन्दु

27. 'भानूदय' का संधि-विच्छेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) भानु + उदय (ख) भानू + उदय
(ग) भान + उदय (घ) भान् + उदय

28. 'परमेश्वर' की संधि है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) पर + ईश्वर (ख) परम + ईश्वर
(ग) परमो + श्वर (घ) पर: + ईश्वर

29. 'स्वागत' में स्वर संधि का भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) गुण संधि (ख) दीर्घ संधि
(ग) यण संधि (घ) वृद्धि संधि

30. 'नायक' में संधि का कौन-सा भेद है? **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) यण (ख) गुण
(ग) अयादि (घ) वृद्धि

31. 'परि + आवरण' की संधि है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) परिवरण (ख) परिआवरण
(ग) पर्यावरण (घ) परीवरण

32. 'पुष्पावली' का संधि-विच्छेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) पुष् + पावली (ख) पुष्प + अवली
(ग) पुष्पा + वली (घ) पुष्पाव + ली

33. 'अनु + अय' की संधि है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) अन्वय (ख) अनुनय
(ग) अनुअय (घ) अन्य

34. 'अभ्यागत' का संधि-विच्छेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) अभ्य + आगत (ख) अभी + आगत
(ग) अभि + आगत (घ) अभ्या + आगत

35. 'प्रत्युत्तर' का संधि-विच्छेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) प्रत + उत्तर (ख) प्रत्यु + उत्तर
(ग) प्रति + उत्तर (घ) प्र + तिउत्तर

36. 'स्व + इच्छा' की संधि है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) स्वैच्छा (ख) स्विच्छा
(ग) स्वइच्छा (घ) स्वेच्छा

37. 'कारावास' में स्वर संधि का कौन-सा भेद है? **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) दीर्घ संधि (ख) गुण संधि
(ग) वृद्धि संधि (घ) यण् संधि

38. 'सचिवालय' का संधि-विच्छेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) सचि + वालय (ख) सचिव + आलय
(ग) सची + आलय (घ) सचिव + लय

39. 'महा + उत्सव' की संधि है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) महात्सव (ख) महत्वसव
(ग) महौत्सव (घ) महोत्सव

40. 'देवी + आगमन' की संधि है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) देव्यागमन (ख) देवीगमन
(ग) देवीआगमन (घ) देवआगमन

41. 'राका + ईश' की संधि है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) राकईश (ख) राकाऐश
(ग) रीकीश (घ) राकेश

42. 'विद्यार्थी' का संधि-विच्छेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) विद्य + अर्थी (ख) विद्या + अरथी
(ग) विद्या + अर्थी (घ) विधा + अर्थी

43. 'रमा + ईश' की संधि है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) रामेश (ख) रमेश
(ग) रमाईश (घ) रमईश

44. 'तथैव' में स्वर संधि का कौन-सा भेद है? **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) वृद्धि संधि (ख) दीर्घ
(ग) गुण (घ) यण

45. 'सूर्य + ऊर्जा' की संधि है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) सूर्याजा (ख) सूर्योजा
(ग) सूर्योर्जा (घ) सूर्यूर्जा

46. 'परमैश्वर्य' का संधि-विच्छेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) परम + ऐश्वर्य (ख) परम् + ऐश्वर्य
(ग) परम + ईश्वर्य (घ) परम + एश्वर्य

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

47. 'रेखांकित' में स्वर-संधि का कौन-सा भेद है?
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) दीर्घ सन्धि **(ख)** गुण सन्धि
(ग) वृद्धि सन्धि **(घ)** यण सन्धि

48. 'पुरुष + अर्थ' की संधि है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) पुरुषअर्थ **(ख)** पुरुषर्थ
(ग) पुरुषर्थ **(घ)** पुरुषार्थ

49. 'महैश्वर्य' स्वर संधि का भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) गुण संधि **(ख)** वृद्धि संधि
(ग) यण् संधि **(घ)** अयादि संधि

50. 'गणेश' का संधि-विच्छेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) गण + ऐश **(ख)** गण + एश
(ग) गण + ईश **(घ)** गण + इश

51. 'वधूत्सव' का संधि विच्छेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) वधू + उत्सव **(ख)** वध + उत्सव
(ग) वधू + ऊत्सव **(घ)** वधूत् + सव

52. 'इति + आदि' की संधि है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) इतिआदि **(ख)** इत्यादि
(ग) इतियादि **(घ)** इतिआदी

53. 'महर्षि' का संधि-विच्छेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) महा + ऋषि **(ख)** मह + र्षि
(ग) मह + ऋषि **(घ)** मह् + ऋषि

54. 'अनु + अय' की संधि है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) अनूय **(ख)** अनुअय
(ग) अन्वय **(घ)** अनवय

55. 'परोपकार' में स्वर संधि का कौन-सा भेद है?
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) दीर्घ **(ख)** गुण
(ग) वृद्धि **(घ)** अयादि

56. 'राजा + ऋषि' की संधि होगी– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) राजर्षि **(ख)** राजार्षि
(ग) राजऋषि **(घ)** राजार्षि

57. 'चंद्रोदय' स्वर संधि का कौन-सा भेद है?
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) दीर्घ संधि **(ख)** गुण संधि
(ग) यण संधि **(घ)** अयादि संधि

उत्तर :

1. (क)	**2.** (ग)	**3.** (घ)	**4.** (घ)
5. (घ)	**6.** (क)	**7.** (ग)	**8.** (क)
9. (घ)	**10.** (ख)	**11.** (क)	**12.** (ख)
13. (ख)	**14.** (क)	**15.** (ख)	**16.** (ख)
17. (घ)	**18.** (ख)	**19.** (घ)	**20.** (ग)
21. (ख)	**22.** (क)	**23.** (ग)	**24.** (ग)
25. (क)	**26.** (घ)	**27.** (क)	**28.** (ख)
29. (ग)	**30.** (ग)	**31.** (ग)	**32.** (ख)
33. (क)	**33.** (क)	**34.** (ग)	**35.** (ग)
36. (घ)	**37.** (क)	**38.** (ख)	**39.** (घ)
40. (क)	**41.** (घ)	**42.** (ग)	**43.** (ख)
44. (क)	**45.** (ग)	**46.** (क)	**47.** (क)
48. (घ)	**49.** (ख)	**50.** (ग)	**51.** (क)
52. (ख)	**53.** (क)	**54.** (ग)	**55.** (ख)
56. (क)	**57.** (ख)		

III. (अ) निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद का उचित उत्तर चुनकर लिखिए—

1. सत्यार्थ
(क) सत्या + अर्थ **(ख)** सत्य + अर्थ
(ग) सत्य + अर्थ **(घ)** सर्त्या + र्थ

2. परमात्मा
(क) परमा + आत्मा **(ख)** परम + आत्मा
(ग) पर + मात्मा **(घ)** परमा + अत्मा

3. रवीन्द्र
(क) रवि + इन्द्र **(ख)** रवी + इन्द्र
(ग) रवी + इन्द्र **(घ)** रवीन + द्र

4. भानूदय
(क) भानू + उदय **(ख)** भानू + उदय
(ग) भानु + ऊदयः **(घ)** भानु + उदय

5. वधूत्सव
(क) वधू + उत्सव **(ख)** वधु + उत्सव
(ग) वधु + उतस्व **(घ)** वधू + उत्सव

6. तथेति
(क) तथा + इति **(ख)** तथा + इती
(ग) तथ + अइति **(घ)** तथा + ईत

7. परोपकार
(क) पर + उपकार **(ख)** परो + पकार
(ग) परो + उपकार **(घ)** पर + पकार

8. अत्याचार
(क) अति + आचर **(ख)** अति + आचार
(ग) अती + आचार **(घ)** अति + अचार

9. नायक
(क) नै + अक **(ख)** नै + एक
(ग) ने + अक **(घ)** नै + ऊक

10. नाविक
(क) नो + इक **(ख)** नौ + अक

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(ग) नौ + इक (घ) ना + इक

11. पित्राज्ञा

(क) पितरा + अज्ञा (ख) पितृ + आज्ञा

(ग) पितर + आज्ञा (घ) पितृ + अज्ञा

12. अन्यान्य **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) अन्य + अन्य (ख) अन्या + अन्य

(ग) अन्न + अन्न (घ) अय + अन्य

13. पराधीन

(क) परा + आधीन (ख) पर + आधीन

(ग) पर + अधीन (घ) पर + आधिन

14. रामावतार

(क) राम + अवतार (ख) रामा + अवतार

(ग) रामा + वतार (घ) राम + आवतार

15. प्राणायाम

(क) प्राण + आयाम (ख) प्राण + अयाम

(ग) प्रण + आयाम (घ) प्राण + आयम

16. करुणामृत

(क) करुण + आमृत (ख) करुणा + अमृत

(ग) करुणा + मृत (घ) करुण + अमृत

17. दयानंद

(क) दया + आनद (ख) दया + अनंद

(ग) दय + आनंद (घ) दया + आनंद

18. श्रद्धानंद

(क) श्रद्धा + अनंद (ख) श्रद्ध + आनंद

(ग) श्रद्धा + आनंद (घ) श्रद्धा +आनद

19. कवीश

(क) कवि + ईश (ख) कवी + ईश

(ग) कवी + इश (घ) कवि + इश

20. सतीच्छा

(क) सती + इच्छा (ख) सति + इच्छा

(ग) सती + ईच्छा (घ) सत्ति + इच्छा

21. महेश

(क) महा + ईश (ख) महा + इश

(ग) महे + श (घ) महे + ईश

22. महौजस्वी

(क) मह + औजस्वी (ख) महा + आजस्स्वी

(ग) मह + ओजस्वी (घ) महा + ओजस्वी

23. अत्यंत

(क) अति + अनंत (ख) अती + अंत

(ग) अति + अंत (घ) अति + यंत

24. पित्रादेश

(क) पितृ + आदेश (ख) पितर + अदेश

(ग) पितर + आदेश (घ) पितृ + अदेश

25. हवन

(क) हा + अन (ख) हो + अन

(ग) हो + आन (घ) हो + एन

उत्तर : **1.** (ग) **2.** (ख) **3.** (क) **4.** (घ)
5. (घ) **6.** (क) **7.** (क) **8.** (ख)
9. (क) **10.** (ग) **11.** (ख) **12.** (क)
13. (ग) **14.** (क) **15.** (क) **16.** (ख)
17. (घ) **18.** (ग) **19.** (क) **20.** (क)
21. (क) **22.** (घ) **23.** (ग) **24.** (क)
25. (ख)

IV. निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद का उचित उत्तर चुनकर लिखिए–

1. वेदांत

(क) वेद + अंत (ख) वेदा + अंत

(ग) वेद + आंत (घ) वेदा + आंत

2. रामेश्वरम्

(क) रामे + ईश्वर (ख) राम + ईश्वरम्

(ग) राम + इश्वर (घ) रामा + ईश्वर

3. लोकोक्ति

(क) लोको + उक्ति (ख) लो + कोक्ति

(ग) लोक + उक्ति (घ) लोक + कोक्ति

4. महैश्वर्य

(क) मह + ऐश्वर्य (ख) महा + ऐश्वर्य

(ग) महा + ईश्वर्य (घ) महा + ईश्वर

5. विद्यालय

(क) विद्या + आलय (ख) विद्या + लय

(ग) विद + यालय (घ) विद्या + यालय

6. सूर्योदय **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) सूर्य + ऊदय (ख) सूर्य + उदय

(ग) सूर्य + ओदय (घ) सूर्यो + दय

7. मतैक्य

(क) मते + एक्य (ख) मत + एक्य

(ग) मत + ऐक्य (घ) मते + ऐक्य

8. यद्यपि

(क) यद्य + पि (ख) यद्य + अपि

(ग) यदि + आपि (घ) यदि + अपि

9. हितोपदेश

(क) हित + उपदेश (ख) हिता + उपदेश

(ग) हित + ओपदेश (घ) हितो + पदेश

10. सूक्ति **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) सू + उक्ति (ख) सु + उक्ति

(ग) सु + ऊक्ति (घ) स + ऊक्ति

11. गायिका

(क) गा + यिका (ख) गाय + इका

(ग) गै + इका (घ) ग + अयिका

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

12. नदीश
(क) नदी + श (ख) नद + ईश
(ग) नदि + इश (घ) नदी + ईश

13. गंगोर्मि
(क) गंगा + ऊर्मि (ख) गंग + ओर्मि
(ग) गंगा + ओर्मि (घ) गंगो + र्मि

14. अत्यधिक
(क) अत्य + धिक (ख) अति + अधिक
(ग) अत्य + अधिक (घ) अती + अधिक

15. परीक्षार्थी
(क) परि + इक्षार्थी (ख) परी + क्षार्थी
(ग) परीक्षा + अर्थी (घ) परीक्षा + आर्थी

16. रेखांकित **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) रेखा + आंकित (ख) रेखां + कित
(ग) रेख + अंकित (घ) रेखा + अंकित

17. विश्रामालय
(क) विश्राम + आलय (ख) विश्रामा + आलय
(ग) विश्रामा + लय (घ) विश्रा + मालय

18. चराचर
(क) चरा + अचर (ख) चर + अचर
(ग) चर + आचर (घ) चर + चर

19. रजनीश
(क) रज + नीश (ख) रजनी + नीश
(ग) रजनी + ईश (घ) रजनि + ईश

20. वीरोचित
(क) वीरो + चित (ख) वीर + ओचित
(ग) वीर + ऊचित (घ) वीर + उचित

21. भावुक
(क) भौ + उक (ख) भाव + उक
(ग) भावु + क (घ) भावु + उक

22. रमेश
(क) रम + एश (ख) रमा + ईश
(ग) रम + ईश (घ) रमा + इश

23. वनौषधि
(क) वनौ + षधि (ख) वनो + ओषधि
(ग) वन + ओषधि (घ) वन + ऊषधि

24. सत्याग्रह
(क) सत्या + ग्रह (ख) सत्या + आग्रह
(ग) सत्य + ग्रह (घ) सत्य + आग्रह

25. लघूत्तर
(क) लघु + उत्तर (ख) लघू + उत्तर
(ग) लघू + उत्तर (घ) लघू + ऊत्तर

26. शुभेच्छा
(क) शुभे + इच्छा (ख) शुभ + इच्छा
(ग) शुभा + इच्छा (घ) शुभ + एच्छा

27. देवर्षि
(क) देवर + षि (ख) देव + अर्षि
(ग) देव + ऋषि (घ) देवा + ऋषि

28. हरीश
(क) हर + ईश (ख) हरी + ईश
(ग) हरी + श (घ) हरि + ईश

29. नवोढा
(क) नव + ऊढा (ख) नवो + ढा
(ग) नव + ओढा (घ) नवा + ऊढा

30. तथैव **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) तथा + इव (ख) तथ + एव
(ग) तथा + एव (घ) तथा + ऐव

31. लंकेश **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) लंक + ईश (ख) लं + केश
(ग) लंका + ईश (घ) लंका + एश

32. भारतेंदु
(क) भार + तेंदु (ख) भारत + एंदु
(ग) भारत + ईदु (घ) भारत + इंदु

33. एकैक **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) एक + एक (ख) एक + अएक
(ग) एका + एक (घ) एकै + क

34. जन्मांतर
(क) जन्मन + तर (ख) जन्म + अंतर
(ग) जन्म + आंतर (घ) जन्मा + अंतर

35. प्रत्यक्ष
(क) प्रत् + अक्ष (ख) प्रत्य + क्ष
(ग) प्रति + अक्ष (घ) प्रती + अक्ष

36. महोत्सव
(क) महा + ओत्सव (ख) महा + ऊत्सव
(ग) मह + ओत्सव (घ) महा + उत्सव

37. इत्यादि
(क) इति + आदि (ख) इती + आदि
(ग) इत्य + आदि (घ) इति + यादि

38. मात्राज्ञा **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) मात्र + आज्ञा (ख) मातृ + आज्ञा
(ग) मात्रा + आज्ञा (घ) मातृ + अज्ञा

39. नद्युद्गम
(क) नद्यु + उद्गम (ख) नदी + उदगम
(ग) नदी + उद्गम (घ) नदि + उद्गम

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

40. चराचर
(क) चर + आचर **(ख)** चर + अचर
(ग) चरा + चर **(घ)** चर + चर

41. प्रत्येक
(क) प्रति + एक **(ख)** प्रत्य + इक
(ग) प्रती + एक **(घ)** प्र + अत्येक

42. साध्विच्छा
(क) साधू + इच्छा **(ख)** साधु + इच्छा
(ग) साध्वि + इच्छा **(घ)** साध + विच्छा

43. आयताकार
(क) आय + ताकार **(ख)** आयत + अकार
(ग) आयत + आकार **(घ)** आयता + आकार

44. आनंदोत्सव
(क) आ + नंदोत्सव **(ख)** आनंदो + उत्सव
(ग) आनंदोत् + सव **(घ)** आनंद + उत्सव

45. वर्षर्तु
(क) वर्षा + ऋतु **(ख)** वर्ष + ऋतु
(ग) वर्ष + अर्तु **(घ)** नार् + यागमन

46. नार्यागमन
(क) नार्य + आगमन **(ख)** नारी + आगमन
(ग) नार्या + गमन **(घ)** नार् + यागमन

उत्तर : **1.** (क) **2.** (ख) **3.** (ग) **4.** (ख)
5. (क) **6.** (ख) **7.** (ग) **8.** (घ)
9. (क) **10.** (ख) **11.** (ग) **12.** (घ)
13. (क) **14.** (ख) **15.** (ग) **16.** (घ)
17. (क) **18.** (ख) **19.** (ग) **20.** (घ)
21. (क) **22.** (ख) **23.** (ग) **24.** (घ)
25. (क) **26.** (ख) **27.** (ग) **28.** (घ)
29. (क) **30.** (ग) **31.** (ग) **32.** (घ)
33. (क) **34.** (ख) **35.** (ग) **36.** (घ)
37. (क) **38.** (ख) **39.** (ग) **40.** (ख)
41. (क) **42.** (ख) **43.** (ग) **44.** (घ)
45. (क) **46.** (ख)

V. निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद का उचित उत्तर चुनकर लिखिए–

1. हतोर्जा
(क) हत + ऊजा **(ख)** हता + ऊर्जा
(ग) हत + ऊर्जा **(घ)** हतो + ऊर्जा

2. कमलेश
(क) कमले + श **(ख)** कमल + ईश
(ग) कमले + ईश **(घ)** कमल + एश

3. मधुरौदन
(क) मधुरा + ओदन **(ख)** मधु + रौदन
(ग) मधुर + ओदन **(घ)** मधु + औदन

4. पर्वतारोहण
(क) पर्व + तारोहण **(ख)** पर्वत + आरोहण
(ग) पर्वता + रोहण **(घ)** पर्वतारो + हण

5. राजेच्छा
(क) राजा + इच्छा **(ख)** राजे + इच्छा
(ग) राजे + च्छा **(घ)** राजेच्छ + आ

6. नाविक
(क) नौ + ईक **(ख)** नौ + इक
(ग) ना + विक **(घ)** न + अविक

7. तपेश
(क) तपे + श **(ख)** तप + एश
(ग) तप + ईश **(घ)** तपा + इश

8. भाग्योदय
(क) भाग्यो + उदय **(ख)** भाग्य + ओदय
(ग) भाग्य + ऊदय **(घ)** भाग्य + उदय

9. देवैश्वर्य
(क) देव + ऐश्वर्य **(ख)** देवा + ऐश्वर्य
(ग) देवै + ऐश्वर्य **(घ)** देवी + ऐश्वर्य

10. देव्यलंकार
(क) देवि + अलंकार **(ख)** देवी + अलंकार
(ग) देव्य + अलंकार **(घ)** देव्य + लंकार

11. शावक
(क) शा + आवक **(ख)** श + आवक
(ग) शौ + अक **(घ)** शाव + क

12. वध्वागमन **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) वध्वा + गमन **(ख)** वध्व + आगमन
(ग) वधू + अगमन **(घ)** वधू + आगमन

13. उमेश
(क) उमा + ईश **(ख)** उमे + ईश
(ग) उमे + श **(घ)** उम + ईश

14. धनैषणा
(क) धन + ऐषणा **(ख)** धन + एषणा
(ग) धनै + षणा **(घ)** धन + ईषणा

15. पुरुषोत्तम
(क) पुरुषो + त्तम **(ख)** पुरुषो + उत्तम
(ग) पुरुष + उत्तम **(घ)** पुरुषा + ओत्तम

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

16. नीलाकाश
(क) नील + अकाश (ख) नीला + आकाश
(ग) नी + लाकाश (घ) नील + आकाश

17. स्वाधीन
(क) सु + अधीन (ख) स्व + अधीन
(ग) स्वा + धीन (घ) स्वा + अधीन

18. महोदधि
(क) महो + उदधि (ख) महा + उदधि
(ग) मह + उदधि (घ) महा + उदधि

19. राजर्षि **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) राजर् + षि (ख) राज + अर्षि
(ग) राजा + ऋषि (घ) राज + ऋषि

20. अधरौष्ठ
(क) अधर + औष्ठ (ख) अधरा + ओष्ठ
(ग) अध + रौष्ठ (घ) अधर + ओष्ठ

21. भान्वागमन
(क) भानू + आगमन (ख) भानु + आगमन
(ग) भान्वा + गमन (घ) भानु + गमन

22. नवोढा
(क) नवो + ढा (ख) नवा + उढा
(ग) नव + ऊढा (घ) नव + उढा

23. वीरोचित
(क) वी + रोचित (ख) वीर + उचित
(ग) वीरा + उचित (घ) वीर + ओचित

24. अभ्यंतर
(क) अभि + अंतर (ख) अभी + अंतर
(ग) अभ्य + अंतर (घ) अभि + आंतर

25. साध्विच्छा
(क) साधू + इच्छा (ख) साधु + इच्छा
(ग) साध्वि + इच्छा (घ) साधु + विच्छा

26. राजेंद्र
(क) राज + इंद्र (ख) राजा + ईंद्र
(ग) राजा + इंद्र (घ) राजे + इंद्र

27. सीमांत
(क) सी + मांत (ख) सीम + अंत
(ग) सीमा + नंत (घ) सीमा + अंत

28. प्रत्यंग
(क) प्रति + अंग (ख) प्रती + अंग
(ग) प्रत्य + अंग (घ) प्रत्यं + ग

29. मुनींद्र
(क) मु + नींद्र (ख) मुनी + इंद्र
(ग) मुनी + ईंद्र (घ) मुनि + इंद्र

30. गर्वोक्ति
(क) गर्वो + उक्ति (ख) गर्वो + क्ति
(ग) गर्व + उक्ति (घ) गर्वा + उक्ति

31. नरेश
(क) नरा + ईश (ख) नरे + ईश
(ग) नर + इश (घ) नर + ईश

32. सप्तर्षि
(क) सप्त + ऋषि (ख) सप्तर् + षि
(ग) सप्त + रिषि (घ) सप्तर + ऋषि

33. वार्षिकोत्सव
(क) वार्षि + कोत्सव (ख) वार्षिक + उत्सव
(ग) वार्षिक + ओत्सव (घ) वर्ष + उत्सव

34. शरणार्थी **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) शर + णार्थी (ख) शरण + अर्थी
(ग) शरण + आर्थी (घ) शरणा + अर्थी

35. शायक
(क) शाय + क (ख) श + आयक
(ग) शौ + अक (घ) शै + अक

36. सुरेश
(क) सुर + ईश (ख) सुर + एश
(ग) सुरा + ईश (घ) सुरा + इश

37. पवन **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) पौ + अन (ख) पो + अन
(ग) पे + अन् (घ) पो + आन

38. नयन
(क) नय् + अन (ख) नय + अन
(ग) ने + अन (घ) नै + अन

उत्तर : **1.** (क) **2.** (ख) **3.** (ग) **4.** (ख)
5. (क) **6.** (ख) **7.** (ग) **8.** (घ)
9. (क) **10.** (ख) **11.** (ग) **12.** (घ)
13. (क) **14.** (ख) **15.** (ग) **16.** (घ)
17. (ख) **18.** (ख) **19.** (ग) **20.** (घ)
21. (ख) **22.** (ग) **23.** (ख) **24.** (क)
25. (ख) **26.** (ग) **27.** (घ) **28.** (क)
29. (घ) **30.** (ग) **31.** (घ) **32.** (क)
33. (ख) **34.** (ख) **35.** (घ) **36.** (क)
37. (ख) **38.** (ग)

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

VI. निम्नलिखित में प्रयुक्त संधि का नाम बताइए–

1. गणेश **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(**क**) गुण संधि (**ख**) यण संधि
(**ग**) दीर्घ संधि (**घ**) वृद्धि संधि

2. परमाणु
(**क**) यण संधि (**ख**) दीर्घ संधि
(**ग**) गुण संधि (**घ**) अयादि संधि

3. स्वागत **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(**क**) वृद्धि संधि (**ख**) दीर्घ संधि
(**ग**) यण संधि (**घ**) गुण संधि

4. दावानल
(**क**) गुण संधि (**ख**) यण संधि
(**ग**) वृद्धि संधि (**घ**) दीर्घ संधि

5. रामायण
(**क**) दीर्घ संधि (**ख**) वृद्धि संधि
(**ग**) यण संधि (**घ**) अयादि संधि

6. अतीव
(**क**) यण संधि (**ख**) दीर्घ संधि
(**ग**) गुण संधि (**घ**) वृद्धि संधि

7. सुरेंद्र
(**क**) दीर्घ संधि (**ख**) वृद्धि संधि
(**ग**) गुण संधि (**घ**) यण संधि

8. जलोर्मि
(**क**) दीर्घ संधि (**ख**) यण संधि
(**ग**) अयादि संधि (**घ**) गुण संधि

9. हिमालय
(**क**) दीर्घ संधि (**ख**) गुण संधि
(**ग**) यण संधि (**घ**) वृद्धि संधि

10. अभीष्ट
(**क**) यण संधि (**ख**) दीर्घ संधि
(**ग**) वृद्धि संधि (**घ**) गुण संधि

11. देवर्षि
(**क**) दीर्घ संधि (**ख**) यण संधि
(**ग**) गुण संधि (**घ**) अयादि संधि

12. उपेक्षा **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(**क**) वृद्धि संधि (**ख**) दीर्घ संधि
(**ग**) यण संधि (**घ**) गुण संधि

13. परमौषधि
(**क**) वृद्धि संधि (**ख**) गुण संधि
(**ग**) यण संधि (**घ**) दीर्घ संधि

14. धर्माचार्य
(**क**) गुण संधि (**ख**) दीर्घ संधि
(**ग**) वृद्धि संधि (**घ**) यण संधि

15. कपीश
(**क**) वृद्धि संधि (**ख**) यण संधि
(**ग**) दीर्घ संधि (**घ**) गुण संधि

16. यमुनौध
(**क**) दीर्घ संधि (**ख**) गुण संधि
(**ग**) अयादि संधि (**घ**) वृद्धि संधि

17. दुर्गेश
(**क**) गुण संधि (**ख**) यण संधि
(**ग**) दीर्घ संधि (**घ**) दीर्घ संधि

18. शुभारंभ
(**क**) अयादि संधि (**ख**) दीर्घ संधि
(**ग**) गुण संधि (**घ**) यण संधि

19. महीन्द्र
(**क**) यण संधि (**ख**) गुण संधि
(**ग**) दीर्घ संधि (**घ**) वृद्धि संधि

20. जितेंद्रिय
(**क**) दीर्घ संधि (**ख**) वृद्धि संधि
(**ग**) यण संधि (**घ**) गुण संधि

21. ग्रीष्मर्तु
(**क**) गुण संधि (**ख**) दीर्घ संधि
(**ग**) वृद्धि संधि (**घ**) यण संधि

22. वीरोचित
(**क**) दीर्घ संधि (**ख**) गुण संधि
(**ग**) यण संधि (**घ**) वृद्धि संधि

23. महात्मा
(**क**) गुण संधि (**ख**) यण संधि
(**ग**) दीर्घ संधि (**घ**) अयादि संधि

24. परोपकार
(**क**) यण संधि (**ख**) वृद्धि संधि
(**ग**) गुण संधि (**घ**) दीर्घ संधि

25. स्वेच्छा
(**क**) गुण संधि (**ख**) दीर्घ संधि
(**ग**) अयादि संधि (**घ**) यण संधि

26. प्रत्येक
(**क**) अयादि संधि (**ख**) दीर्घ संधि
(**ग**) गुण संधि (**घ**) वृद्धि संधि

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

27. सदैव **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) वृद्धि संधि **(ख)** दीर्घ संधि

(ग) गुण संधि **(घ)** यण संधि

उत्तर : **1** (क) **2.** (ख) **3.** (ग) **4.** (घ)

5. (क) **6.** (ख) **7.** (ग) **8.** (घ)

9. (क) **10.** (ख) **11.** (ग) **12.** (घ)

13. (क) **14.** (ख) **15.** (ग) **16.** (घ)

17. (क) **18.** (ख) **19.** (ग) **20.** (घ)

21. (क) **22.** (ख) **23.** (ग) **24.** (ग)

25. (क) **26.** (क) **27.** (ग)

VII. नीचे दिए गए सन्धि अथवा सन्धि-विच्छेद का सही विकल्प चुनिए–

1. 'लंबोदर' का संधि-विच्छेद है–

(क) लंब + ओदर **(ख)** लंबो + दर

(ग) लंबा + उदर **(घ)** लंब + उदर

2. 'अनु+इति' की संधि है–

(क) अन्विति **(ख)** अनीति

(ग) अन्वीती **(घ)** अनुइति

3. 'हितोपदेश' संधि का भेद है–

(क) हित + उपदेश **(ख)** हितोप + देश

(ग) हितो + उपदेश **(घ)** हितो + पदेश

4. 'सिंधु + ऊर्जा' का संधि है–

(क) सिंधुऊर्जा **(ख)** सिंधूर्जा

(ग) सिंधुर्जा **(घ)** सिंधुऊर्जा

5. 'धर्माधर्म' का उचित संधि विच्छेद है–

(क) धर्मा + अधर्म **(ख)** धरमा + धरम

(ग) धरम + धरम **(घ)** धर्म + अधर्म

6. 'रवि + इन्द्र' की संधि है–

(क) रविंद्र **(ख)** रवेंद्र

(ग) रवींद्र **(घ)** रविन्द्र

7. 'अन्यान्य' का संधि विच्छेद है–

(क) अन्य + अन्य **(ख)** अन्या + अन्य

(ग) अन्य + आन्य **(घ)** अ + न्याय

8. 'साधु + उपदेश' की संधि विच्छेद है

(क) साधोपदेश **(ख)** साधूपदेश

(ग) साधौपदेश **(घ)** साधापदेश

9. '**परमेश्वर**' का संधि विच्छेद है–

(क) परम + ईश्वर **(ख)** परम + इश्वर

(ग) परमे + श्वर **(घ)** पर + मेश्वर

10. 'सु + आगत' की संधि है?

(क) स्वागत **(ख)** सुआगत

(ग) स्वगत **(घ)** सूआगत

11. 'भू+ऊर्जा' की संधि है–

(क) भुजा **(ख)** भुर्जा

(ग) भूर्जा **(घ)** भवर्जा

12. 'धर्माधर्म' का संधि-विच्छेद है–

(क) धर्मा + धर्म **(ख)** धरमा + धरम

(ग) धर्म + अधर्म **(घ)** धर्मा + अधर्म

13. 'महोदधि' का संधि-विच्छेद है?

(क) मह + उदधि **(ख)** महा + उदधि

(ग) महो + दधि **(घ)** महो + उदधि

14. 'सर्व +उत्तम' की संधि है–

(क) सर्वउत्तम **(ख)** सवोत्म

(ग) सर्वोत्तम **(घ)** सर्वौत्तम

15. 'परीक्षा' की संधि विच्छेद है–

(क) परी + इक्षा **(ख)** परि + ईक्षा

(ग) परि + इक्षा **(घ)** परी + ईक्षा

16. गुण स्वर संधि में अ/आ के बाद इ/ई आने पर परिवर्तित रूप होगा?

(क) ऐ **(ख)** ए

(ग) ऐ **(घ)** एय

17. 'सूक्ति' का संधि-विच्छेद है–

(क) स + उक्ति **(ख)** सा + ऊक्ति

(ग) सु + उक्ति **(घ)** सू + ऊक्ति

18. 'अभि + उदय' की संधि है–

(क) अभ्यूदय **(ख)** अभयुदय

(ग) अभियूदय **(घ)** अभ्युदय

19. 'अत्यंत' संधि – विच्छेद है?

(क) अती + अंत **(ख)** अत्य + अंत

(ग) अति + अंत **(घ)** अंत + अंत

20. 'तथा + एव' की संधि है–

(क) तथेव **(ख)** तथैव

(ग) तथाव **(घ)** तदैव

21. 'कमल + आसन' की संधि है–

(क) कमलासन **(ख)** कमालासन

(ग) कमलाआसन **(घ)** कमलहासन

22. 'परमैश्वर्य' का संधि – विच्छेद है?

(क) परम् + ऐश्वर्य **(ख)** परम + एश्वर्य

(ग) परम + ऐश्वर्य **(घ)** परम् + ईश्वर्य

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

उत्तर :								
1 (ग)	2. (क)	3. (क)	4. (ख)		13. (ख)	14. (ग)	15. (ख)	16. (ख)
5. (घ)	6. (ग)	7. (क)	8. (ख)		17. (ग)	18. (घ)	19. (ग)	20. (ख)
9. (क)	10. (क)	11. (ग)	12. (ग)		21. (क)	22. (ग)		

फ़ॉरमेटिव असेसमेंट के लिए

कक्षा-कार्य

सर्वप्रथम संधि की अवधारणा को स्पष्ट करने तथा पाठ का पुनरभ्यास कराने के उद्देश्य से अध्यापक/अध्यापिका पाठ पढ़ाने के बाद विद्यार्थियों से कुछ प्रश्न पूछें। जैसे–

- संधि का क्या अर्थ है?
- संधि-विच्छेद से आप क्या समझते हैं?
- स्वर संधि किसे कहते हैं? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।
- स्वर संधि के कितने भेद हैं? प्रत्येक का एक-एक उदाहरण दीजिए।

गृह-कार्य

- दीर्घ संधि, गुण संधि, वृद्धि संधि यण् संधि तथा अयादि संधि के पाँच-पाँच उदाहरण संधि-विच्छेद सहित अपनी कॉपी पर लिखिए।
- किसी पत्र-पत्रिका के अंश अथवा कहानी-कविता को पढ़कर उसमें से संधि युक्त पद को छाँटकर लिखिए। इसके बाद छाँटे गए शब्दों का विच्छेद करके उनके सामने उनके भेद के नाम लिखिए।

अब इसमें से रेखांकित पदों को अपनी कापी में लिखिए तथा उनकी संधि या विच्छेद उनके सामने संधि का नाम लिखिए।

जैसे– देशोन्नति = देश + उन्नति (गुण संधि)

क्रियाकलाप

कहानी, कविता, लेख या अनुच्छेद का कोई अंश विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए दें। फिर उसमें से संधि युक्त पद छाँटकर उसका संधि-विच्छेद करने के लिए कहें। अंत में संधि का नाम भी पूछें। उदाहरण के लिए निम्नलिखित कविता का अंश पढ़िए–

__नीलांबर__ परिधान हरित तट पर सुंदर है,
सूर्य-चंद्र युग मुकुट, मेखला __रत्नाकर__ है,
नदियाँ प्रेम प्रवाह, फूल तारे मंडल हैं,
बंदीजन खग-वृंद शेषफल __सिहांसन__ है,
करते अभिषेक पयोद हैं, बलिहारी इस वेष की,
हे मातृभूमि तू सत्य ही, सगुण मूर्ति __सर्वेश__ की।
जिसकी रज में लोट-लोटकर बड़े हुए हैं
घुटनों के बल सरक-सरक कर खड़े हुए हैं,
परमहंस सम बाल्यकाल में सब सुख पाए,
जिसके कारण धूल भरे हीरे कहलाए,
हम खेले कूदे हर्षयुत, जिसकी प्यारी गोद में।
हे मातृभूमि तुझको निरख, मग्न क्यों न हो मोद में?
पाकर तुझसे सभी सुखों को हमने भोगा,
तेरा __प्रत्युपकार__ कभी क्या हमसे होगा,
तेरी ही यह देह, तुझसे बनी हुई है,
बस तेरे ही सुरस सार से सनी हुई है।
फिर अंत समय तू ही इस अचल देख अपनाएगी,
हे मातृभूमि, यह अंत में तुझमें ही मिल जाएगी।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

4 समास

समास का अर्थ है—संक्षेपीकरण अर्थात दो शब्दों को मिलाकर एक कर देना।

परस्पर संबंध रखने वाले दो या दो से अधिक पदों (शब्दों) के योग से एक नए शब्द को बनाने की प्रक्रिया को 'समास' कहते हैं।

जैसे—
युद्ध के लिए भूमि = युद्धभूमि
घोड़ों की दौड़ = घुड़दौड़
सत्य के लिए आग्रह = सत्याग्रह
परम है जो आनंद = परमानंद

समस्तपद

समास अर्थात संक्षेप की प्रक्रिया द्वारा छोटे बनाए गए पद को **समस्तपद** या **सामासिक शब्द** कहा जाता है।

जिन दो शब्दों के मेल से समस्तपद बना हो, उसके पहले शब्द को **पूर्वपद** और दूसरे को **उत्तरपद** कहा जाता है। जैसे—देश का वासी = 'देशवासी' समस्तपद में 'देश' पूर्वपद और 'वासी' उत्तरपद है।

समास-विग्रह

समस्तपद को पुन: तोड़ने अर्थात उसके खंडों को पृथक-पृथक करके पहले जैसी अवस्था में लाने की क्रिया को **विग्रह** या **समास-विग्रह** कहा जाता है। जैसे—

गुरुदक्षिणा समस्तपद का विग्रह होगा—**गुरु के लिए दक्षिणा**
प्रतिदिन समस्तपद का विग्रह होगा — **प्रत्येक दिन/दिन-दिन**

समस्त पद में कभी पहला पद प्रधान होता है, कभी दूसरा पद और कभी कोई अन्य पद प्रधान होता है, जिसका नाम समस्तपद में नहीं होता और समस्तपद उस तीसरे पद का विशेषण अथवा पर्याय होता है। पद की प्रधानता तथा उसके विग्रह के आधार पर ही प्राय: इस बात का निर्णय होता है कि उसमें कौन-सा समास है।

उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट है कि–

(1) शब्दों को संक्षिप्त करने की प्रक्रिया को समास कहते हैं।
(2) समास के लिए कम-से-कम दो पद होने चाहिए।
(3) पहले पद को पूर्वपद और दूसरे पद को उत्तरपद कहते हैं।
(4) शब्दों को जोड़ने या मिलाने से जो नया शब्द बनता है, उसे समस्तपद कहते हैं।
(5) समस्तपद को अलग करने की क्रिया समास-विग्रह कहलाती है।
(6) समास-प्रक्रिया में बीच की विभक्तियों का लोप हो जाता है।
(7) समास के प्रयोग से भाषा में संक्षिप्तता और उत्कृष्टता आती है।

समास के भेद

समास के निम्नलिखित **छह** भेद हैं—

(1) अव्ययीभाव समास (2) तत्पुरुष समास
(3) कर्मधारय समास (4) द्विगु समास
(5) द्वंद्व समास (6) बहुव्रीहि समास

1. अव्ययीभाव समास

जिस समास का **पहला पद अव्यय** होता है और **प्रधान** होता है, उसे **अव्ययीभाव समास** कहते हैं। इसका सामासिक पद भी **अव्यय** बन जाता है। जैसे—

सामासिक पद	**समास-विग्रह**
यथानियम	नियम के अनुसार
प्रतिमास	प्रत्येक मास, मास-मास
यथासंभव	जितना संभव हो
बेनाम	बिना नाम के

2. तत्पुरुष समास

जिस समास का **दूसरा पद प्रधान** होता है और दोनों पदों के बीच से कारकों के परसर्ग हट जाते हैं, उसे **तत्पुरुष समास** कहते हैं। इस समास में कारकों की विभक्तियों के नाम के अनुसार इसके छह भेद किए गए हैं—

तत्पुरुष समास के भेद

(क) कर्म तत्पुरुष

ग्रंथकार = ग्रंथ **को** लिखनेवाला
यशप्राप्त = यश **को** प्राप्त
माखनचोर = माखन **को** चुरानेवाला
गगनचुंबी = गगन **को** चूमने वाला **[CBSE 2010 (Term – I)]**
सम्मानप्राप्त= सम्मान **को** प्राप्त
गिरहकट = गिरह **को** काटने वाला
जेबकतरा = जब **को** कतरने वाला
सुखप्राप्त = सुख **को** प्राप्त **[CBSE 2010 (Term – I)]**
शरणागत = शरण **को** आगत
आशातीत = आशा **को** लाँघकर गया हुआ

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

परलोकगमन = परलोक **को** गमन
परलोकगत = परलोक **को** गया हुआ
इन उदाहरणों में कर्म कारक की विभक्ति '**को**' का लोप हुआ है।

(ख) करण तत्पुरुष

सूरकृत = सूर **द्वारा** कृत
मदांध = मद **से** अंधा
वाल्मीकिरचित = वाल्मीकि **द्वारा** रचित
रोगग्रस्त = रोग **से** ग्रस्त
अशोकनिर्मित = अशोक **द्वारा** निर्मित
शक्तिसंपन्न = शक्ति **से** संपन्न
तुलसीकृत = तुलसी **द्वारा** कृत
ईश्वर प्रदत्त = ईश्वर **द्वारा** प्रदत्त
हस्तलिखित = हस्त **से** लिखित **[CBSE 2010 (Term – I)]**
मुँहमाँगा = मुँह **से** माँगा हुआ
शोकातुर = शोक **से** आतुर
नीतियुक्त = नीति **से** युक्त
शराहत = शर **से** आहत
रोगयुक्त = रोग **से** युक्त
कष्टसाध्य = कष्ट **से** साध्य
भयभीत = भय **से** भीत
अकालपीड़ित = अकाल **से** पीड़ित **[CBSE 2010 (Term – I)]**
दयार्द्र = दया **से** आर्द्र
वाग्दत्ता = वाक् (वाणी) **से** दी हुई
शोकाकुल = शोक **से** आकुल
वाणहत = वाण **से** हत
पददलित = पद (पैर) **से** दलित
गुरुदत्त = गुरु **द्वारा** दत्त
मनमाना = मन **से** माना हुआ
भुखमरा = भूख **से** मरा हुआ
मनगढ़ंत = मन **से** गढ़ा हुआ
इन उदाहरणों में करण कारक की विभक्ति '**से**' अथवा '**द्वारा**' का लोप हुआ है।

(ग) संप्रदान तत्पुरुष

हथघड़ी = हाथ **के लिए** घड़ी
देशभक्ति = देश **के लिए** भक्ति **[CBSE 2010 (Term – I)]**
अनाथालय = अनाथों **के लिए** आलय
नाट्यशाला = नाट्य **के लिए** शाला
सत्याग्रह = सत्य **के लिए** आग्रह
हथकड़ी = हाथ **के लिए** कड़ी
गुरुदक्षिणा = गुरु **के लिए** दक्षिणा **[CBSE 2010 (Term – I)]**
हवनसामग्री = हवन **के लिए** सामग्री
डाकव्यय = डाक **के लिए** व्यय
विद्यालय = विद्या **के लिए** आलय
गौशाला = गौओं **के लिए** शाला
पाठशाला = पाठ **के लिए** शाला
युद्धभूमि = युद्ध **के लिए** भूमि
डाकगाड़ी = डाक **के लिए** गाड़ी **[CBSE 2010 (Term – I)]**
राहखर्च = राह **के लिए** खर्च **[CBSE 2010 (Term – I)]**
आरामकुर्सी = आराम **के लिए** कुर्सी
देशार्पण = देश **के लिए** अर्पण
क्रीड़ाक्षेत्र = क्रीड़ा **के लिए** क्षेत्र
रसोईघर = रसोई **के लिए** घर
जेबघड़ी = जेब **के लिए** घड़ी
देवबलि = देवताओं **के लिए** बलि
मालगाड़ी = माल **के लिए** गाड़ी
इन उदाहरणों में संप्रदान कारक की विभक्ति '**के लिए**' का लोप हुआ है।

(घ) अपादान तत्पुरुष

जन्मांध = जन्म **से** अंध
बंधनमुक्त = बंधन **से** मुक्त
पथभ्रष्ट = पथ **से** भ्रष्ट **[CBSE 2010 (Term – I)]**
भयमुक्त = भय **से** मुक्त
देशनिकाला = देश **से** निकाला **[CBSE 2010 (Term – I)]**
ऋणमुक्त = ऋण **से** मुक्त
पदच्युत = पद **से** च्युत
शक्तिविहीन = शक्ति **से** विहीन
धर्मविमुख = धर्म **से** विमुख
जीवनमुक्त = जीवन **से** मुक्त
धनहीन = धन **से** हीन
गुणहीन = गुण **से** हीन
जातिच्युत = जाति **से** च्युत
लक्ष्यभ्रष्ट = लक्ष्य **से** भ्रष्ट
रोगमुक्त = रोग **से** मुक्त
विद्यारहित = विद्या **से** रहित
इन उदाहरणों में अपादान कारक की विभक्ति '**से**' का लोप हुआ है।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(ङ·) संबंध तत्पुरुष

सेनानायक = सेना **का** नायक
यमुनातट = यमुना **का** तट
भूदान = भू **का** दान
राजपुत्र = राजा **का** पुत्र **[CBSE 2010 (Term – I)]**
राष्ट्रगौरव = राष्ट्र **का** गौरव
मातृभक्त = माता **का** भक्त
पदाकांक्षा = पद **की** आकांक्षा
सेनापति = सेना **का** पति
परीक्षार्थी = परीक्षा **का** अर्थी
राष्ट्रपति = राष्ट्र **का** पति
स्वास्थ्यरक्षा = स्वास्थ्य **की** रक्षा **[CBSE 2010 (Term – I)]**
भारतवासी = भारत **का** वासी
राजसभा = राजा **की** सभा
जलधारा = जल **की** धारा
राजप्रासाद = राजा **का** प्रासाद
दिनचर्या = दिन **की** चर्या
राजमहल = राजा **का** महल
गृहस्वामी = गृह **का** स्वामी
राजाज्ञा = राजा **की** आज्ञा
जीवनसाथी = जीवन **का** साथी
राजपुरुष = राजा **का** पुरुष
भारतरत्न = भारत **का** रत्न
राजदूत = राजा **का** दूत
उद्योगपति = उद्योग **का** पति
रामभक्ति = राम **की** भक्ति
भ्रातृस्नेह = भ्राता **का** स्नेह
पुष्पवर्षा = पुष्पों **की** वर्षा **[CBSE 2010 (Term – I)]**
गंगातट = गंगा **का** तट
पवनपुत्र = पवन **का** पुत्र
प्रेमसागर = प्रेम **का** सागर
सिरदर्द = सिर **का** दर्द
लक्ष्मीपति = लक्ष्मी **का** पति **[CBSE 2010 (Term – I)]**

इन उदाहरणों में संबंध कारक की विभक्ति '**का**', '**के**', '**की**' का लोप हुआ है।

(च) अधिकरण तत्पुरुष

स्कूटरसवार = स्कूटर **पर** सवार
नीतिकुशल = नीति **में** कुशल
चिंतामग्न = चिंता **में** मग्न
जलसमाधि = जल **में** समाधि
कर्मनिरत = कर्म **में** निरत (लगा हुआ)
दानवीर = दान **में** वीर
पर्वतारोहण = पर्वत **पर** आरोहण
वनवास = वन **में** वास **[CBSE 2010 (Term – I)]**
शरणागत = शरण **में** आगत
घुड़सवार = घोड़े **पर** सवार
आपबीती = आप **पर** बीती
शास्त्रप्रवीण = शास्त्र **में** प्रवीण **[CBSE 2010 (Term – I)]**
जलज = जल **में** ज (जन्मा)
लोकप्रिय = लोक **में** प्रिय
धर्मवीर = धर्म **में** वीर
कलाकुशल = कला **में** कुशल **[CBSE 2010 (Term – I)]**
संगीतनिपुण = संगीत **में** निपुण
रणवीर = रण **में** वीर

इन उदाहरणों में अधिकरण कारक की विभक्ति '**में**', '**पर**' का लोप हुआ है।

3. कर्मधारय समास

जिस समास के दोनों पदों में **विशेषण-विशेष्य** या **उपमेय-उपमान** का संबंध होता है और **उत्तरपद** प्रधान होता है, उसे **कर्मधारय समास** कहते हैं।

(1) पूर्व (पहला) पद विशेषण तथा उत्तर (दूसरा) पद विशेष्य

समस्तपद	**विशेषण**	**विशेष्य**	**समास-विग्रह**
पीतांबर	पीत	अंबर	पीत (पीला) **है जो** अंबर
नीलकमल	नील	कमल	नीला **है जो** कमल
कालीमिर्च	काली	मिर्च	काली **है जो** मिर्च
नीलगगन	नील	गगन	नीला **है जो** गगन
महात्मा	महा	आत्मा	महान **है जो** आत्मा
			[CBSE 2010 (Term – I)]
शुभागमन	शुभ	आगमन	शुभ **है जो** आगमन
भलामानस	भला	मानस	भला **है जो** मानस
सज्जन	सत्	जन	सत् **है जो** जन
सद्धर्म	सत्	धर्म	सत् **है जो** धर्म
सत्संगति	सत्	संगति	सत् **है जो** संगति
नीलकंठ	नील	कंठ	नीला **है जो** कंठ
नीलांबर	नील	अंबर	नीला **है जो** अंबर
श्वेतांबर	श्वेत	अंबर	श्वेत **है जो** अंबर
महाराजा	महा	राजा	महा **है जो** राजा
महाजन	महा	जन	महा **है जो** जन

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

महादेव	महा	देव	महा **है जो** देव
महाविद्यालय	महा	विद्यालय	महा **है जो** विद्यालय

(2) पूर्वपद विशेष्य और उत्तरपद विशेषण

समस्तपद	विशेष्य	विशेषण	समास-विग्रह
पुरुषोत्तम	पुरुष	उत्तम	पुरुषों में **जो** उत्तम
			[CBSE 2010 (Term – I)]
ऋषिप्रवर	ऋषि	प्रवर	ऋषियों में **जो** प्रवर (श्रेष्ठ)
नराधम	नर	अधम	नरों में **जो** अधम (नीच)

(3) विशेषण उभयपद अर्थात जहाँ दोनों पद विशेषण होते हैं

समस्तपद	पूर्वपद	उत्तरपद	समास-विग्रह
श्यामसुंदर	श्याम	सुंदर	श्याम **और** सुंदर
शीतोष्ण	शीत	उष्ण	शीत **और** उष्ण
खटमिट्ठा	खट्टा	मीठा	खट्टा **और** मीठा

(6) पूर्वपद उपमान और उत्तरपद उपमेय

समस्तपद	उपमान	उपमेय	समास-विग्रह
कमलनयन	कमल	नयन	कमल **के समान** नयन
वज्रदेह	वज्र	देह	वज्र **के समान** देह
कंचनवर्ण	कंचन	वर्ण	कंचन (सोने) **के समान** वर्ण (रंग)

(5) पूर्वपद उपमेय और उत्तरपद उपमान

समस्तपद	उपमेय	उपमान	समास-विग्रह
चरणकमल	चरण	कमल	कमल **के समान** चरण
पुरुषसिंह	पुरुष	सिंह	सिंह **के समान** (शक्तिशाली) पुरुष
संसारसागर	संसार	सागर	संसार **रूपी** सागर

4. द्विगु समास

जिस समास का **पहला पद संख्यावाची विशेषण** होता है और **समस्तपद समाहार** यानी समूह का बोध कराता है, उसे **द्विगु समास** कहते हैं। जैसे—

सप्तर्षि	सात ऋषियों **का समूह**
त्रिभुज	तीन भुजाओं **का समूह**
नवरात्रि	नौ रात्रियों **का समाहार**
त्रिशूल	तीन शूलों **का समूह**
सतसई	सात सौ (दोहों) **का समाहार**
पंजाब	पाँच आबों (जल) **का समूह**

5. द्वंद्व समास

जिस समास के **दोनों पद प्रधान** होते हैं, उन्हें **द्वंद्व समास** कहते हैं। द्वंद्व समास के दोनों पद योजक-चिह्न द्वारा जुड़े होते हैं। कभी-कभी योजक-चिह्न का लोप भी होता है। जैसे—

जीवन-मरण	=	जीवन **और** मरण
अन्न-जल	=	अन्न **और** जल
सत्यासत्य	=	सत्य **और** असत्य
लाभ-हानि	=	लाभ **या** हानि
गुण-दोष	=	गुण **और** दोष
राजा-रंक	=	राजा **और** रंक

6. बहुव्रीहि समास

जिस सामासिक पद में कोई भी पद प्रधान न होकर कोई **अन्य (तीसरा) पद प्रधान** होता है, उसे **बहुव्रीहि समास** कहते हैं। बहुव्रीहि समास से निर्मित शब्द विशेषण का कार्य करता है। जैसे—

पीतांबर	= पीत हैं अंबर जिसके	(श्रीकृष्ण, विष्णु)
वीणापाणि	= वीणा है पाणि (हाथ) में जिसके	(सरस्वती / नारद)
नीलकंठ	= नीला है कंठ जिसका	(शिव)
दशानन	= दश हैं आनन जिसके	(रावण)
त्रिलोचन	= तीन हैं लोचन जिसके	(शिव)
चक्रपाणि	= चक्र है पाणि में जिसके	(विष्णु)
चंद्रशेखर	= चंद्र है शिखर पर जिसके	(शिव)
चतुर्मुख	= चार हैं मुख जिसके	(ब्रह्मा)

कर्मधारय और बहुव्रीहि समास में अंतर

कर्मधारय समास के दोनों पदों में **विशेषण-विशेष्य** या **उपमेय-उपमान** का संबंध होता है, जबकि बहुव्रीहि समास के **दोनों पद मिलकर किसी अन्य पद की ओर संकेत करते हैं** यानी तीसरे पद की विशेषता प्रकट करते हैं। जैसे—

पीतांबर = पीत (पीला) है जो अंबर (वस्त्र)
— (कर्मधारय समास)
= पीत (पीला) है अंबर जिसका (श्रीकृष्ण)
— (बहुव्रीहि समास)

महादेव = महान है जो देव — (कर्मधारय समास)
= महान है जो देवता (शिव/शंकर)
— (बहुव्रीहि समास)

महात्मा = महान है जो आत्मा
— (कर्मधारय समास)
= महान है आत्मा जिसकी (ऋषि, मुनि)
— (बहुव्रीहि समास)

नीलकंठ = नीला है जो कंठ
— (कर्मधारय समास)
= नीला है कंठ जिसका (शिव)
— (बहुव्रीहि समास)

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

संधि और समास में अंतर

(1) संधि वर्णों में होती है जबकि समास शब्दों में होता है।

(2) संधि का अर्थ होता है—दो अक्षरों के संयुक्त होने पर उत्पन्न होने वाला विकार, किंतु समास का अर्थ होता है, संग्रह अथवा संक्षेपण। इसमें कम-से-कम दो पदों का योग होता है।

(3) संधि प्राय: शुद्ध तत्सम शब्दों में होती है, किंतु समास के लिए शब्द का तत्सम होना आवश्यक नहीं है।

(4) संधि तोड़ने को विच्छेद कहते हैं, जबकि समास तोड़ने को विग्रह।

बहुविकल्पीय प्रश्न-अभ्यास

I. निम्नलिखित समस्तपदों का सही समास विग्रह चुनकर लिखिए–

1. स्वर्णकार
- **(क)** सोने से काम करने वाला
- **(ख)** सोने का काम करने वाला
- **(ग)** सोने पर काम करने वाला
- **(घ)** सोने के लिए काम करने वाला

2. धनप्राप्त
- **(क)** धन के लिए प्राप्त **(ख)** धन को प्राप्त
- **(ग)** धन से प्राप्त **(घ)** धन में प्राप्त

3. देवदत्त
- **(क)** देव को दत्त (दिया हुआ)
- **(ख)** देव के लिए दत्त
- **(ग)** देव के द्वारा दत्त **(घ)** देव का दत्त

4. भोजनसामग्री
- **(क)** भोजन की सामग्री
- **(ख)** भोजन के लिए सामग्री
- **(ग)** भोजन से बनी सामग्री **(घ)** भोजन में सामग्री

5. देशनिकाला
- **(क)** देश में निकाला **(ख)** देश को निकाला
- **(ग)** देश का निकाला **(घ)** देश से निकाला

6. वनवास
- **(क)** वन से वास **(ख)** वन में वास
- **(ग)** वन के लिए वास **(घ)** वन को वास

7. विदेशगमन
- **(क)** विदेश को गमन **(ख)** विदेश में गमन
- **(ग)** विदेश का जो गमन **(घ)** विदेश से गमन

8. प्रतिष्ठाप्राप्त
- **(क)** प्रतिष्ठा से प्राप्त **(ख)** प्रतिष्ठा को प्राप्त
- **(ग)** प्रतिष्ठा में जो प्राप्त
- **(घ)** प्रतिष्ठा के लिए प्राप्त

9. ईश्वर प्रदत्त
- **(क)** ईश्वर के द्वारा प्रदत्त
- **(ख)** ईश्वर के लिए प्रदत्त
- **(ग)** ईश्वर को प्रदत्त **(घ)** ईश्वर का प्रदत्त

10. ज्ञानयुक्त
- **(क)** ज्ञान में युक्त **(ख)** ज्ञान को युक्त
- **(ग)** ज्ञान से युक्त **(घ)** ज्ञान पर युक्त

11. मृगनयन
- **(क)** मृग के समान नयन **(ख)** मृग के नयन
- **(ग)** मृग में नयन **(घ)** मृग के लिए नयन

12. जेबकतरा
- **(क)** जेब में करतने वाला
- **(ख)** जेब से कतरने वाला
- **(ग)** जेब को कतरने वाला
- **(घ)** जेब का कतरने वाला

13. भयभीत
- **(क)** भय का भीत **(ख)** भय से भीत
- **(ग)** भय का भूत **(घ)** भय में भूत

14. विद्यालय
- **(क)** विद्या का आलय
- **(ख)** विद्या के लिए आलय
- **(ग)** विद्या को आलय **(घ)** विद्या में आलय

15. धर्मवीर
- **(क)** धर्म का वीर **(ख)** धर्म से वीर
- **(ग)** धर्म में वीर **(घ)** धर्म के लिए वीर

16. ग्रामगत **[CBSE 2010 (Term – I)]**
- **(क)** ग्राम से गत **(ख)** ग्राम को गत
- **(ग)** ग्राम में गत **(घ)** ग्राम के लिए गत

17. मनगढ़ंत
- **(क)** मन में गढ़ा हुआ **(ख)** मन से गढ़ा हुआ
- **(ग)** मन का गढ़ा हुआ
- **(घ)** मन के लिए गढ़ा हुआ

18. शक्तिविहीन
- **(क)** शक्ति से विहीन **(ख)** शक्ति का विहीन
- **(ग)** शक्ति के लिए विहीन
- **(घ)** शक्ति से हीन है जो

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

19. युद्धभूमि
(क) युद्ध की भूमि **(ख)** युद्ध के लिए भूमि
(ग) युद्ध हो जिस भूमि में
(घ) भूमि जहाँ युद्ध हो

20. गगनचुंबी **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) आकाश में चूमने वाला
(ख) आकाश को चूमने वाला
(ग) आकाश की चुंबक **(घ)** आकाश में चुंबक

21. भुखमरा **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) भूख को मरने वाला **(ख)** भूख से मरने वाला
(ग) भूख से मरा हुआ
(घ) भूख को मारने वाला

22. चरणकमल
(क) चरण रूपी कमल
(ख) कमल के समान चरण
(ग) चरण के समान कमल
(घ) कमल के चरण

23. आरामकुर्सी
(क) आराम की कुर्सी **(ख)** आराम में कुर्सी
(ग) कुर्सी की आराम **(घ)** आराम के लिए कुर्सी

24. नगरगत
(क) नगर में गत **(ख)** नगर को गत
(ग) नगर से गत **(घ)** नगर के लिए गत

25. लोकप्रिय
(क) लोक का प्रिय **(ख)** लोक और प्रिय
(ग) लोक में प्रिय **(घ)** लोक को प्रिय

उत्तर :

1. (ख)	**2.** (ख)	**3.** (ग)	**4.** (ख)
5. (घ)	**6.** (ख)	**7.** (क)	**8.** (ख)
9. (क)	**10.** (ग)	**11.** (क)	**12.** (ग)
13. (ख)	**14.** (ख)	**15.** (ग)	**16.** (ख)
17. (ख)	**18.** (क)	**19.** (ख)	**20.** (ख)
21. (ख)	**22.** (ख)	**23.** (घ)	**24.** (ख)
25. (ग)			

II. निम्नलिखित समस्तपदों का सही समास-विग्रह चुनकर लिखिए–

1. संगीतनिपुण
(क) संगीत का निपुण **(ख)** संगीत जो निपुण है
(ग) संगीत से निपुण **(घ)** संगीत में निपुण

2. जीवनसाथी
(क) जीवन का साथी **(ख)** जीवन में साथी
(ग) जीवन के लिए साथी **(घ)** साथी का जीवन

3. नीतियुक्त
(क) नीति का युक्त **(ख)** नीति से युक्त
(ग) नीति के लिए युक्त **(घ)** नीति में युक्त

4. जेब-खर्च
(क) जेब का खर्च **(ख)** जेब में खर्च
(ग) जेब के लिए खर्च **(घ)** जेब से खर्च

5. नरसिंह
(क) नर जो सिंह के समान है **(ख)** नर का सिंह
(ग) नर में सिंह **(घ)** नर से सिंह

6. रसोईघर **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) रसोई में घर **(ख)** रसोई का घर
(ग) रसोई से घर **(घ)** रसोई के लिए घर

7. पदच्युत
(क) पद से च्युत **(ख)** पद को च्युत
(ग) पद के लिए च्युत **(घ)** पद में च्युत

8. पदाकांक्षा
(क) पद आकांक्षा **(ख)** पद में आकांक्षा
(ग) पद की आकांक्षा **(घ)** पद के लिए आकांक्षा

9. सज्जन
(क) सत् है जो जन **(ख)** सत् का जन
(ग) सत् में जन **(घ)** सत् से जन

10. धनहीन
(क) धन का हीन **(ख)** धन में हीन
(ग) धन से हीन **(घ)** धन के लिए हीन

11. स्वास्थ्यरक्षा
(क) स्वास्थ्य में रक्षा **(ख)** स्वास्थ्य के लिए रक्षा
(ग) स्वास्थ्य की रक्षा
(घ) स्वास्थ्य जो रक्षा के लिए

12. विद्याधन
(क) विद्यारूपी धन **(ख)** विद्या के लिए धन
(ग) विद्या में धन **(घ)** विद्या से धन

13. आपबीती
(क) आप में बीती **(ख)** आप पर बीती
(ग) अपना बिताया हुआ **(घ)** आप और बीती

14. गृहस्वामी
(क) गृह जो स्वामी है **(ख)** गृह के लिए स्वामी
(ग) गृह (घर) का स्वामी
(घ) गृह में स्वामी

15. जन्मांध
(क) जन्म भर अंधा **(ख)** जन्म का अंधा
(ग) जन्म में अंधा **(घ)** जन्म से अंधा

16. जलधारा
(क) जल की धारा **(ख)** जल जो धारा है
(ग) जल में धारा **(घ)** जल से धारा

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

17. नीलकंठ **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) नील का कंठ **(ख)** नीला है जो कंठ

(ग) कंठ में नीला **(घ)** नील का कंठ

18. हिमालय

(क) हिम के लिए आलय

(ख) हिम से आलय

(ग) हिम का आलय **(घ)** हिम में आलय

19. भारतरत्न

(क) भारत में रत्न **(ख)** भारत का रत्न

(ग) भारत के लिए रत्न **(घ)** भारत रूपी रत्न

20. कृष्णसर्प **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) कृष्ण (काला) है जो सर्प (साँप)

(ख) कृष्ण के लिए सर्प

(ग) कृष्ण का सर्प **(घ)** सर्प कृष्ण है

21. देशनिकाला

(क) देश के लिए निकाला **(ख)** देश में निकाला

(ग) देश को निकाला **(घ)** देश से निकाला

22. सद्धर्म

(क) सत् के लिए धर्म **(ख)** सत् में धर्म

(ग) सत् का धर्म **(घ)** सत् है जो धर्म

23. धूपघड़ी

(क) धूप में घड़ी **(ख)** धूप की घड़ी

(ग) धूप के लिए घड़ी **(घ)** घड़ी में धूप

24. सिरदर्द

(क) सिर का दर्द **(ख)** सिर में दर्द

(ग) सिर के लिए दर्द **(घ)** दर्द जो सिर में है

25. जातिच्युत

(क) जाति पर च्युत **(ख)** जाति में च्युत

(ग) जाति का च्युत **(घ)** जाति से च्युत

उत्तर : 1. (घ) **2.** (क) **3.** (ख) **4.** (ग)
5. (क) **6.** (घ) **7.** (क) **8.** (ग)
9. (क) **10.** (ग) **11.** (ग) **12.** (क)
13. (ख) **14.** (ग) **15.** (घ) **16.** (क)
17. (ख) **18.** (ग) **19.** (ख) **20.** (क)
21. (घ) **22.** (घ) **23.** (ख) **24.** (ख)
25. (घ)

III. निम्नलिखित समस्तपद एवं उनके विग्रह का सही नाम चुनकर लिखिए।

1. सम्मानप्राप्त—सम्मान को प्राप्त

(क) कर्म तत्पुरुष **(ख)** संबंध तत्पुरुष

(ग) संप्रदान तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

2. महात्मा—महान है जो आत्मा

(क) कर्म तत्पुरुष **(ख)** कर्मधारय समास

(ग) अपदान तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

3. स्नानघर—स्नान के लिए घर

(क) संबंध तत्पुरुष **(ख)** कर्म तत्पुरुष

(ग) संप्रदान तत्पुरुष **(घ)** करण तत्पुरुष

4. सेनापति—सेना का पति

(क) अधिकरण तत्पुरुष **(ख)** करण तत्पुरुष

(ग) संप्रदान तत्पुरुष **(घ)** संबंध तत्पुरुष

5. धनहीन—धन से हीन

(क) अपादान तत्पुरुष **(ख)** संबंध तत्पुरुष

(ग) अधिकरण तत्पुरुष **(घ)** कर्म तत्पुरुष

6. देवालय—देव के लिए आलय

(क) कर्म तत्पुरुष **(ख)** संप्रदान तत्पुरुष

(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** अपादान तत्पुरुष

7. तुलसीकृत—तुलसी के द्वारा कृत **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) अपादान तत्पुरुष **(ख)** संप्रदान तत्पुरुष

(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

8. रोगमुक्त—रोग से मुक्त

(क) कर्म तत्पुरुष **(ख)** करण तत्पुरुष

(ग) अधिकरण तत्पुरुष **(घ)** अपादान तत्पुरुष

9. सुनामी-पीड़ित—सुनामी से पीड़ित

(क) करण तत्पुरुष **(ख)** कर्म तत्पुरुष

(ग) अपादान तत्पुरुष **(घ)** संबंध तत्पुरुष

10. ग्रामसेवक—ग्राम का सेवक

(क) संप्रदान तत्पुरुष **(ख)** संबंध तत्पुरुष

(ग) कर्म तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

11. महादेव—महान है जो देव

(क) अधिकरण तत्पुरुष **(ख)** करण तत्पुरुष

(ग) कर्मधारय समास **(घ)** संबंध तत्पुरुष

12. राष्ट्रपति—राष्ट्र का पति

(क) संप्रदान तत्पुरुष **(ख)** कर्म तत्पुरुष

(ग) अपादान तत्पुरुष **(घ)** संबंध तत्पुरुष

13. ऋणमुक्त—ऋण से मुक्त

(क) अपादन तत्पुरुष **(ख)** कर्म तत्पुरुष

(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

14. मालगाड़ी—माल के लिए गाड़ी **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) संबंध तत्पुरुष **(ख)** संप्रदान तत्पुरुष

(ग) अपादान तत्पुरुष **(घ)** कर्म तत्पुरुष

15. शोकमग्न—शोक में मग्न

(क) कर्म तत्पुरुष **(ख)** करण तत्पुरुष

(ग) अधिकरण तत्पुरुष **(घ)** संबंध तत्पुरुष

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

16. हस्तलिखित—हस्त (हाथ) से लिखित
(क) कर्म तत्पुरुष **(ख)** संप्रदान तत्पुरुष
(ग) संबंध तत्पुरुष **(घ)** करण तत्पुरुष

17. देशभक्ति—देश के लिए भक्ति
(क) संप्रदान तत्पुरुष **(ख)** संबंध तत्पुरुष
(ग) अपादान तत्पुरुष **(घ)** करण तत्पुरुष

18. सत्याग्रह—सत्य के लिए आग्रह
(क) संबंध तत्पुरुष **(ख)** संप्रदान तत्पुरुष
(ग) अधिकरण तत्पुरुष **(घ)** अपादान तत्पुरुष

19. जनसेवक—जन का सेवक
(क) करण तत्पुरुष **(ख)** कर्म तत्पुरुष
(ग) संबंध तत्पुरुष **(घ)** संप्रदान तत्पुरुष

20. जेबघड़ी—जेब के लिए घड़ी
(क) संबंध तत्पुरुष **(ख)** अपादान तत्पुरुष
(ग) अधिकरण तत्पुरुष **(घ)** संप्रदान तत्पुरुष

21. ग्रामपंचायत—ग्राम की पंचायत
(क) संबंध तत्पुरुष **(ख)** कर्म तत्पुरुष
(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** संप्रदान तत्पुरुष

22. गौशाला—गायों के लिए शाला (घर)
(क) संबंध तत्पुरुष **(ख)** संप्रदान तत्पुरुष
(ग) अधिकरण तत्पुरुष **(घ)** कर्म तत्पुरुष

23. वाचनालय—वाचन के लिए आलय
(क) संबंध तत्पुरुष **(ख)** अपादान तत्पुरुष
(ग) संप्रदान तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

उत्तर : **1.** (क) **2.** (ख) **3.** (ग) **4.** (घ)
5. (क) **6.** (ख) **7.** (ग) **8.** (घ)
9. (क) **10.** (ख) **11.** (ग) **12.** (घ)
13. (क) **14.** (ख) **15.** (ग) **16.** (घ)
17. (क) **18.** (ख) **19.** (ग) **20.** (घ)
21. (क) **22.** (ख) **23.** (ग)

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए निर्देशानुसार सही विकल्प चुनिए–

1. 'मदमस्त' समस्तपद का विग्रह है–**[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) मद और मस्ती **(ख)** मद से मस्त
(ग) मद की मस्ती **(घ)** मद का मस्त

2. 'पढ़ने के लिए सामग्री' का समस्त-पद होगा–
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) पाठ्य-पुस्तक **(ख)** पठ्-सामग्री
(ग) पाठ्य-सामग्री **(घ)** पढ़ाई-सामग्री

3. निम्नलिखित में से किस समस्त पद में कर्मधारय समास है?
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) नीलकमल **(ख)** विद्याधन
(ग) कालसर्प **(घ)** उपर्युक्त सभी में

4. 'अकालपीड़ित' समस्त पद का विग्रह है–
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) अकाल का पीड़ित **(ख)** अकाल से पीड़ित
(ग) अकाल के लिए पीड़ित **(घ)** अकाल को पीड़ित

5. 'नीला है जो कंठ' का समस्त पद है–
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) नीलाकंठ **(ख)** नीलकंठ
(ग) कंठनीला **(घ)** नीलकंठा

6. निम्नलिखित में से किस पद में तत्पुरुष समास है?
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) अधपका **(ख)** आमरण
(ग) चक्रधर **(घ)** जलधारा

7. 'स्वरचित' समस्तपद का विग्रह है–
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) स्वर से रचित **(ख)** सु रचित
(ग) स्वर से चित **(घ)** स्व से रचित

8. 'धर्म से विमुख' का समस्तपद है–**[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) धर्ममुख **(ख)** धर्मविमुख
(ग) धर्मोख **(घ)** धमोविमुख

9. निम्नलिखित में से किस समस्तपद में कर्मधारय समास है?
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) ग्रंथरत्न **(ख)** शरणागत
(ग) बेशक **(घ)** नर-नारी

10. 'पुस्तकालय' समस्त पद का विग्रह है–
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) पुस्तक और आलय
(ख) पुस्तक का जो है आलय
(ग) पुस्तक का आलय **(घ)** पुस्तकों के लिए आलय

11. 'कायर है जो पुरुष' का समस्त पद है–
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) कायर-पुरुष **(ख)** कापुरुष
(ग) कमज़ोर पुरुष **(घ)** कायर और पुरुष

12. निम्नलिखित में से किसमें तत्पुरुष समास है?
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) पंकज **(ख)** ग्रामगत
(ग) चतुर्भुज **(घ)** प्रत्यक्ष

13. 'अमृतधारा' समस्त पद का विग्रह है–
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) धारा अमृत की **(ख)** अमृत रूपी धारा
(ग) अमृत की धारा **(घ)** अमृत और धारा

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

14. 'ग्रंथ रूपी रत्न' का समस्त पद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) रत्नग्रंथ (ख) ग्रंथरत्न
(ग) ग्रंथरत्ना (घ) रत्नरूपा

15. निम्नलिखित में से किस समस्तपद में कर्मधारय समास है? **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) पंचानन (ख) नीलगगन
(ग) प्रत्यक्ष (घ) मदांध

16. 'गुरुदक्षिणा' समस्तपद का विग्रह है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) गुरु की दक्षिणा (ख) गुरु के लिए दक्षिणा
(ग) गुरु को दी गई दक्षिणा (घ) गुरु और दक्षिणा

17. पर के अधीन का समस्त पद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) परअधीन (ख) पराधीन
(ग) पाराधीन (घ) परोधीन

18. निम्नलिखित में से किस समस्तपद में कर्मधारय समास है? **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) वनवास (ख) आजन्म
(ग) आपबीती (घ) कालीमिर्च

19. 'तुलसी लिखित' समस्त पद का विग्रह है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) तुलसी का लिखित (ख) तुलसी से लिखित
(ग) तुलसी के द्वारा लिखित (घ) तुलसी का लिखा हुआ

20. 'अंधा है जो कूप' का समस्त पद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) अंधकूप (ख) अंधाकूप
(ग) अंधकूपा (घ) कूपअंधा

उत्तर

(1) (ख)	(2) (ग)	(3) (घ)
(4) (ख)	(5) (ख)	(6) (घ)
(7) (घ)	(8) (ख)	(9) (क)
(10) (घ)	(11) (ख)	(12) (ख)
(13) (ग)	(14) (ख)	(15) (ख)
(16) (ख)	(17) (ख)	(18) (घ)
(19) (ग)	(20) (क)	

V. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए निर्देशानुसार सही विकल्प चुनिए–

1. निम्नलिखित में से किस समस्त पद में तत्पुरुष समास है? **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) लौहपुरुष (ख) देहलता
(ग) मनमयूर (घ) रसोईघर

2. 'वनवास' समस्त पद का विग्रह है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) वन में वास (ख) वन के लिए वास
(ग) वन से वास (घ) वन पर वास

3. 'चंद्र के समान मुख' का समस्त पद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) चंद्र का मुख (ख) चंद्र रूपी मुख
(ग) चंद्रमुख (घ) मुख रूपी चंद्र

4. निम्नलिखित में से किस समस्त पद में कर्मधारय समास है? **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) महाराज (ख) पाठशाला
(ग) आकाशवाणी (घ) रोगमुक्त

5. निम्नलिखित में से किस समस्तपद में तत्पुरुष समास है? **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) महादेव (ख) चरण कमल
(ग) त्रिभुवन (घ) पुस्तकालय

6. 'रसोईघर' समस्त पद का विग्रह है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) रसोई के लिए घर (ख) घर के लिए रसोईघर
(ग) घर में रसोई (घ) रसोई में घर

7. 'संसार रूपी सागर' का समस्त पद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) संसारसागर (ख) सागर रूपी संसार
(ग) संसार रूपी सागर (घ) संसार के समान सागर

8. दिए गए समस्त पद के उचित विग्रह का चयन करिए। हस्तलिखित– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) हाथ से लिखनेवाला (ख) हस्त से लिखनेवाला
(ग) हस्त से लिखित (घ) हाथों से लिखित

9. 'सत्याग्रह' में प्रयुक्त समास है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) तत्पुरुष (ख) कर्मधारय
(ग) द्वन्द्व (घ) अव्ययीभाव

10. 'भव रूपी सागर' का समस्त पद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) संसार जैसा सागर (ख) भव ही सागर
(ग) भवसागर (घ) भवरूप सागर

11. निम्नलिखित में से किसमें कर्मधारय समास है? **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) रसोईघर (ख) यज्ञशाला
(ग) आजीवन (घ) मृगनयन

12. 'डाकगाड़ी' समस्त पद का विग्रह है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) डाक और गाड़ी (ख) डाक के लिए गाड़ी
(ग) डाक की गाड़ी (घ) गाड़ी पर रखा हुआ डाक

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

13. 'ईश्वर से विमुख' का समस्त पद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) ईश्वरविमुख **(ख)** ईश्वर उम्मुख
(ग) ईश्वर के पास **(घ)** ईश्वर से दूर

14. किस समस्त पद में तत्पुरुष समास है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) शताब्दी **(ख)** अन्न-जल
(ग) अनाथ **(घ)** अकाल-पीड़ित

15. 'गगनचुंबी' समस्त पद का विग्रह है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) गगन को चूमना **(ख)** गगन को चूमने वाला
(ग) गगन के लिए चूमना **(घ)** गगन को पकड़ना

16. 'नीला है जो कमल' का समस्त पद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) नीलकमल **(ख)** नीला कमल
(ग) कमल नील **(घ)** नील पंकज

17. 'यज्ञशाला' समस्त पद का विग्रह है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) यज्ञ की शाला **(ख)** शाला के लिए यज्ञ
(ग) शाला की यज्ञ **(घ)** यज्ञ के लिए शाला

18. 'विद्यारूपी धन' का समस्त पद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) विद्यारूपता **(ख)** विद्यारूपी
(ग) विद्याधन **(घ)** धन विद्या

19. किस समस्त पद में कर्मधारय समास है?

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) राजपुत्र **(ख)** रसोईघर
(ग) गुणहीन **(घ)** महादेव

20. 'वेदांत' में समास का कौन-सा भेद है?

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) तत्पुरुष **(ख)** कर्मधारय
(ग) बहुव्रीहि **(घ)** अव्ययीभाव

21. 'ग्रामगत' समस्तपद का विग्रह है–**[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) ग्राम और गत **(ख)** ग्राम को आग
(ग) ग्राम को गत **(घ)** ग्राम का आगत

22. 'वाक् द्वारा दत्त' का समस्त पद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) वाग्दत्ता **(ख)** वाचालदत्त
(ग) वाक्दत्त **(घ)** वाग्दत्तक

23. 'कालसर्प' समस्त-पद में समास का भेद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) कर्मधारय समास **(ख)** तत्पुरुष समास
(ग) अव्ययीभाव समास **(घ)** द्विगु समास

24. 'अपने में लीन' का समस्त पद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) अपलीन **(ख)** आपलीन
(ग) आत्मलीन **(घ)** आत्मालीन

25. 'प्रधानमंत्री' समस्त-पद का विग्रह होगा–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) प्रधान है जो मंत्री **(ख)** मंत्री का प्रधान
(ग) मंत्रियों में प्रधान **(घ)** प्रधान और मंत्री

26. निम्नलिखित में से किस समस्त पद में कर्मधारय समास है?

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) अल्पोक्ति **(ख)** अन्न-जल
(ग) यथाशक्ति **(घ)** चक्रधर

27. 'शोक से आकुल' का समस्त पद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) शोकुल **(ख)** शोककुल
(ग) शोक्सकुल **(घ)** शोकाकुल

28. 'देशभक्ति' समस्त पद का विग्रह है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) भक्ति में देश **(ख)** देश में भक्ति
(ग) भक्ति के लिए देश **(घ)** देश के लिए भक्ति

29. 'कनक जैसी लता' का समस्त पद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) कनक रूपी लता **(ख)** कनक और लता
(ग) कनकलता **(घ)** लताकनक

30. निम्नलिखित में किस समस्तपद में तत्पुरुष समास है?

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) नीलगाय **(ख)** परमानंद
(ग) पीतांबर **(घ)** धनहीन

उत्तर :

1. (घ)	**2.** (क)	**3.** (ग)	**4.** (क)
5. (घ)	**6.** (क)	**7.** (क)	**8.** (ग)
9. (क)	**10.** (ग)	**11.** (घ)	**12.** (ग)
13. (क)	**14.** (घ)	**15.** (ख)	**16.** (क)
17. (घ)	**18.** (ग)	**19.** (घ)	**20.** (क)
21. (ग)	**22.** (ग)	**23.** (क)	**24.** (ग)
25. (क)	**26.** (क)	**27.** (घ)	**28.** (घ)
29. (ग)	**30.** (घ)		

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

VI. निम्नलिखित समस्त पदों के सही समास-विग्रह एवं नाम को चुनकर लिखिए–

1. नीलांबर
- **(क)** नीला है जो अंबर—कर्मधारय समास
- **(ख)** नील का अंबर—संप्रदान तत्पुरुष
- **(ग)** नीला में अंबर—अधिकरण तत्पुरुष
- **(घ)** नील के लिए अंबर—संप्रदान समास

2. क्रीड़ाक्षेत्र
- **(क)** क्रीड़ा का क्षेत्र—संबंध तत्पुरुष
- **(ख)** क्रीड़ा में क्षेत्र—अधिकरण तत्पुरुष
- **(ग)** क्रीड़ा के लिए क्षेत्र—संप्रदान तत्पुरुष
- **(घ)** क्रीड़ा का जो क्षेत्र—कर्मधारय तत्पुरुष

3. जीवनमुक्त
- **(क)** जीवन जो मुक्त है—कर्मधारय समास
- **(ख)** जीवन से मुक्त—अपादान तत्पुरुष
- **(ग)** जीवन में मुक्त—अधिकरण तत्पुरुष
- **(घ)** जीवन के लिए मुक्त—संप्रदान तत्पुरुष

4. घुड़सवार
- **(क)** घोड़े पर सवार—अधिकरण तत्पुरुष
- **(ख)** घोड़े पर है जो सवार—कर्मधारय तत्पुरुष
- **(ग)** घोड़े का सवार—संबंध तत्पुरुष
- **(घ)** घोड़े के लिए सवार—संप्रदान तत्पुरुष

5. लक्ष्मीपति
- **(क)** लक्ष्मी का है जो पति—कर्मधारय समास
- **(ख)** लक्ष्मी के लिए पति—संप्रदान तत्पुरुष
- **(ग)** लक्ष्मी को पति—कर्म तत्पुरुष
- **(घ)** लक्ष्मी का पति—संबंध तत्पुरुष

6. देवबलि
- **(क)** देव के लिए बलि—संप्रदान तत्पुरुष
- **(ख)** देव की बलि—संबंध तत्पुरुष
- **(ग)** देव पर बलि—अधिकरण तत्पुरुष
- **(घ)** देव को बलि—कर्म तत्पुरुष

7. देहलता
- **(क)** देह की लता—संबंध तत्पुरुष
- **(ख)** देह पर लता—अधिकरण तत्पुरुष
- **(ग)** देह है जो लता—कर्मधारय समास
- **(घ)** देह रूपी लता—कर्मधारय समास

8. पापमुक्त **[CBSE 2010 (Term – I)]**
- **(क)** पाप से मुक्त—अपादान तत्पुरुष
- **(ख)** पाप की मुक्ति—संबंध तत्पुरुष
- **(ग)** पाप के लिए मुक्त—संप्रदान तत्पुरुष
- **(घ)** पाप जो मुक्ति है—कर्मधारय समास

9. शुभागमन
- **(क)** शुभ का आगमन—संबंध तत्पुरुष
- **(ख)** शुभ के लिए आगमन—संप्रदान तत्पुरुष
- **(ग)** शुभ है जो आगमन—कर्मधारय समास
- **(घ)** शुभ पर आगमन—अधिकरण तत्पुरुष

10. काकबलि
- **(क)** काक की बलि—संबंध तत्पुरुष
- **(ख)** काक जो बलि है—कर्मधारय समास
- **(ग)** काक के लिए बलि—संप्रदान तत्पुरुष
- **(घ)** काक पर बलि—अधिकरण तत्पुरुष

11. ज्ञानरहित
- **(क)** ज्ञान से रहित—अपादान तत्पुरुष
- **(ख)** ज्ञान का रहित—संबंध तत्पुरुष
- **(ग)** ज्ञान में रहित—अधिकरण तत्पुरुष
- **(घ)** ज्ञान जो रहित है—कर्मधारय तत्पुरुष

12. क्रोधाग्नि
- **(क)** क्रोध में अग्नि—अधिकरण तत्पुरुष
- **(ख)** क्रोध की अग्नि—संबंध तत्पुरुष
- **(ग)** अग्नि का क्रोध—संबंध तत्पुरुष
- **(घ)** क्रोध रूपी अग्नि—कर्मधारय समास

13. धर्मविमुख
- **(क)** धर्म से विमुख—अपादान तत्पुरुष
- **(ख)** धर्म में विमुख—अधिकरण तत्पुरुष
- **(ग)** धर्म का विमुख—संबंध तत्पुरुष
- **(घ)** धर्म जो विमुख है—कर्मधारय तत्पुरुष

14. राहखर्च
- **(क)** राह के लिए खर्च—संप्रदान तत्पुरुष
- **(ख)** राह का खर्च—संबंध तत्पुरुष
- **(ग)** राह में खर्च—अधिकरण तत्पुरुष
- **(घ)** खर्च वाली राह—कर्मधारय तत्पुरुष

15. करोड़पति
- **(क)** करोड़पति वाला—कर्मधारय समास
- **(ख)** करोड़ों में एक पति—अधिकरण तत्पुरुष
- **(ग)** पति जो करोड़पति है—कर्मधारय समास
- **(घ)** करोड़ों (रुपयों) का पति—संबंध तत्पुरुष

16. जलज
- **(क)** जल में जनमा—अधिकरण तत्पुरुष
- **(ख)** जल से जन्म—करण तत्पुरुष
- **(ग)** जल का जन्म—संबंध तत्पुरुष
- **(घ)** जल के लिए जन्म—संप्रदान तत्पुरुष

17. बलिपशु
- **(क)** पशु को बलि—कर्म तत्पुरुष
- **(ख)** पशु की बलि—संबंध तत्पुरुष
- **(ग)** बलि के लिए पशु—संप्रदान तत्पुरुष
- **(घ)** बलि का पशु—संबंध तत्पुरुष

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

18. नगरवासी

(क) नगर का वासी—संबंध तत्पुरुष

(ख) नगर जो वासी—कर्मधारय समास

(ग) नगर पर बसने वाला—अधिकरण तत्पुरुष

(घ) नगर में वास—अधिकरण तत्पुरुष

19. पथभ्रष्ट

(क) पथ पर भ्रष्ट—अधिकरण तत्पुरुष

(ख) पथ का भ्रष्ट—कर्मधारय समास

(ग) पथ से भ्रष्ट—अपादान तत्पुरुष

(घ) पथ जो भ्रष्ट—कर्मधारय तत्पुरुष

20. शास्त्रप्रवीण

(क) शास्त्र जो प्रवीण है—कर्मधारय समास

(ख) शास्त्र में प्रवीण—अधिकरण तत्पुरुष

(ग) शास्त्र का प्रवीण है—संबंध तत्पुरुष

(घ) शास्त्र के लिए प्रवीण है—संप्रदान तत्पुरुष

21. अनाथालय

(क) अनाथों का आलय—संबंध तत्पुरुष समास

(ख) अनाथों के लिए आलय—संप्रदान तत्पुरुष

(ग) अनाथों का आलय है जो—कर्मधारय समास

(घ) अनाथ और आलय—तत्पुरुष समास

22. संसारसागर

(क) संसार का सागर—संबंध तत्पुरुष

(ख) संसार के लिए सागर—संप्रदान तत्पुरुष

(ग) संसार रूपी सागर—कर्मधारय समास

(घ) संसार में सागर—अधिकरण तत्पुरुष

23. चंद्रबदन

(क) चंद्र का बदन—संबंध तत्पुरुष

(ख) बदन का चंद्र—संबंध तत्पुरुष

(ग) चंद्र के समान बदन—कर्मधारय समास

(घ) बदन के समान चंद्र—कर्मधारय तत्पुरुष

24. पुष्पवर्षा

(क) पुष्पों की वर्षा—संबंध तत्पुरुष

(ख) पुष्पों में वर्षा—अधिकरण तत्पुरुष

(ग) वर्षा का पुष्प—संबंध तत्पुरुष

(घ) पुष्पों के लिए वर्षा—संप्रदान तत्पुरुष

25. व्यायामशाला

(क) शाला की व्यायाम—संबंध तत्पुरुष

(ख) व्यायाम की शाला—संबंध तत्पुरुष

(ग) व्यायाम के लिए शाला—संप्रदान तत्पुरुष

(घ) व्यायाम से शाला—करण तत्पुरुष

उत्तर :

1. (क)	**2.** (ग)	**3.** (ख)	**4.** (क)
5. (घ)	**6.** (क)	**7.** (घ)	**8.** (क)
9. (ग)	**10.** (ग)	**11.** (क)	**12.** (घ)
13. (क)	**14.** (क)	**15.** (घ)	**16.** (क)
17. (ग)	**18.** (क)	**19.** (ग)	**20.** (ख)
21. (ख)	**22.** (ग)	**23.** (ग)	**24.** (क)
25. (ग)			

VI. निम्नलिखित समस्तपद एवं उनके विग्रह का सही नाम चुनकर लिखिए—

1. 'पीतांबर' समस्त पद का सही विग्रह है?

(क) पीत है जो अंबर

(ख) पीला अंबर का समूह **(ग)** पीत का अंबर

(घ) पीत और अंबर

2. 'राह के लिए खर्च' का समस्त पद है–

(क) खर्चेराह **(ख)** रहेखर्च

(ग) राहखर्च **(घ)** खर्चराह

3. 'कार्य-व्यस्त' समस्तपद का विग्रह है–

(क) कार्य से व्यस्त

(ख) कार्य के लिए व्यस्त **(ग)** कार्य में व्यस्त

(घ) कार्य को व्यस्त

4. 'नीली है जो गाय' का समस्तपद है?

(क) नीलीगाय **(ख)** नीलगाय

(ग) श्यामा गाय **(घ)** नीली गऊ

5. 'हस्तलिखित' का समास-विग्रह है?

(क) हस्त पर लिखित **(ख)** हस्त से लिखित

(ग) हस्त को लिखित **(घ)** हस्त में लिखित

6. 'परम है जो आनंद' का समस्तपद है–

(क) प्रमानंद **(ख)** परमानांद

(ग) प्रमानंद **(घ)** परमानंद

7. 'अपने आप पर बीती' का समस्त पद है–

(क) अपनबीती **(ख)** आपाबीती

(ग) अपने आप बीती **(घ)** आपबीती

8. 'गृहप्रवेश' समस्त पद का विग्रह है–

(क) गृह में प्रवेश **(ख)** गृह का प्रवेश

(ग) गृह से प्रवेश **(घ)** गृह पर प्रवेश

9. 'नीला है जो गगन' का समस्त पद है–

(क) नीलागगन **(ख)** नीलगगन

(ग) गगननील **(घ)** नीलगन

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

10. 'सप्तर्षि' का सही विग्रह तथा समास होगा

(क) सात ऋषि रहते हों जहाँ - बहुव्रीहि

(ख) सात हैं जो ऋषि -बहुव्रीहि

(ग) सात ऋषि हैं जो - कर्मधारय

(घ) सात ऋषियों का समाहार - द्विगु

11. निम्नलिखित में से कर्मधारय समास का उदाहरण छाँटकर लिखिए-

(क) राजकुमार **(ख)** बाणहत

(ग) राजपुत्र **(घ)** मुखचंद्र

12. 'करकमल' समस्त पद का विग्रह है-

(क) कर के समान कमल **(ख)** कर रूपी कमल

(ग) कर और कमल **(घ)** इनमें से कोई नहीं

13. 'भूख से मरा' का समस्त पद व समास है-

(क) भुखमरा - अव्ययीभाव

(ख) भुखमरा - कर्मधारय

(ग) भुखमरा - तत्पुरुष

(घ) भुखमरा - द्वन्द्व

14. 'अठन्नी' का विग्रह है-

(क) आठ आनों का समाहार **(ख)** आठ अंधों का समूह

(ग) आठ अन्नों का समूह **(घ)** आठ कोणों का समूह

15. 'कमल के समान चरण' का उचित समस्तपद है-

(क) कमलचरण **(ख)** चरणकमल

(ग) कमल और चरण **(घ)** कमल ही चरण

16. 'भोजनालय' समस्त पद का विग्रह है-

(क) भोजन का आलय **(ख)** भोजन से आलय

(ग) भोजन छ्वारा आलय **(घ)** भोजन के लिए आलय

17. 'महान है जो आत्मा' का समस्त पद है-

(क) महाआत्मा **(ख)** महात्मा

(ग) महआत्मा **(घ)** महत्मा

18. 'कार्य-व्यस्त' समस्तपद का विग्रह है-

(क) कार्य से व्यस्त **(ख)** कार्य के लिए व्यस्त

(ग) कार्य में व्यस्त **(घ)** कार्य को व्यस्त

19. 'स्त्री रूपी रत्न' समास का भेद है?

(क) तत्पुरुष समास **(ख)** अव्ययीभाव समास

(ग) कर्मधारय समास **(घ)** द्वंद्व समास

20. 'रसोईघर' का विग्रह व समास है?

(क) रसोई के लिए घर - तत्पुरुष

(ख) रसोई है जो घर - कर्मधारय

(ग) रसोई और घर - द्वंद्व

(घ) रसोई है जिसका घर - बहुव्रीहि

उत्तर :	**1.** (क)	**2.** (ग)	**3.** (ग)	**4.** (ख)
	5. (ख)	**6.** (घ)	**7.** (घ)	**8.** (क)
	9. (ख)	**10.** (घ)	**11.** (घ)	**12.** (ख)
	13. (ग)	**14.** (क)	**15.** (ख)	**16.** (घ)
	17. (ख)	**18.** (ग)	**19.** (ग)	**20.** (क)

VIII. (अ) निम्नलिखित समस्त पदों का सही समास-विग्रह चुनिए

1. नृत्य-संगीत

(क) संगीत द्वारा नृत्य **(ख)** संगीत पर नृत्य

(ग) नृत्य और संगीत **(घ)** नृत्य के साथ संगीत

2. स्वास्थ्य रक्षा

(क) स्वास्थ्य में रक्षा

(ख) स्वाथ्य के लिए रक्षा

(ग) स्वास्थ्य की रक्षा

(घ) स्वास्थ्य जो रक्षा के लिए

3. देश निकाला

(क) देश के लिए निकाला **(ख)** देश में निकाला

(ग) देश को निकाला **(घ)** देश से निकाला

4. जीवनसाथी

(क) जीवन का साथी **(ख)** जीवन में निकाला

(ग) देश को निकाला **(घ)** देश से निकाला

5. पदच्युत

(क) पद से च्युत **(ख)** पद को च्युत

(ग) पद के लिए च्युत **(घ)** पद में च्युत

6. सिरदर्द

(क) सिर का दर्द **(ख)** सिर में दर्द

(ग) सिर के लिए दर्द **(घ)** दर्द जो सिर में है

7. नीलकंठ

(क) नील का कंठ **(ख)** नीला है जो कंठ

(ग) कंठ में नीला **(घ)** नील का कंठ

GOYAL BROTHERS PRAKASH

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

8. रसोईघर

(क) रसोई के लिए घर -तत्पुरुष

(ख) रसोई है जो घर-कर्मधारय

(ग) रसोई और घर - द्वंद्व

(घ) रसोई है जिसका घर-बहुब्रीहि

9. जन्मांध

(क) जन्म भर अंधा **(ख)** जन्म का अंधा

(ग) जन्म में अंधा **(घ)** जन्म से अंधा

10. धनहीन

(क) धन का हीन **(ख)** धन में हीन

(ग) धन से हीन **(घ)** धन के लिए हीन

(ब) निम्नलिखित समास-विग्रह का समस्त पद चुनिए-

1. कमल के समान चरण

(क) कमलचरण **(ख)** चरणकमल

(ग) कमल और चरण **(घ)** कमल ही चरण

2. सात सिंधुओं का समूह

(क) सात सिंधु **(ख)** सातसागर

(ग) सप्तसागर **(घ)** सप्तसिंधु

(स) निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

1. 'समास का नाम चुनिए-स्त्रीरूपी रत्न

(क) तत्पुरुष समास

(ख) अव्ययीभाव समास

(ग) कर्मधारय समास

(घ) द्वंद समास

2. भूख से मरा-समास पद और समास का नाम चुनिए।

(क) भुखमरा-अव्ययी भाव

(ख) भुखमरा-कर्मधारय

(ग) भुखमरा-तत्पुरुष

(घ) भुखमरा-द्वंद्व

उत्तर :

(अ)	**1.** (ग)	**2.** (ख)	**3.** (घ)	**4.** (क)
	5. (क)	**6.** (ख)	**7.** (ख)	**8.** (क)
	9. (घ)	**10.** (ग)		
(ब)	**1.** (ख)	**2.** (घ)		
(स)	**1.** (ग)	**2.** (ग)		

IX. (ब) निम्नलिखित समास-विग्रह तथा समस्त पदों के दिए गए समास के नामों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।

1. युद्ध के लिए क्षेत्र—युद्धक्षेत्र

(क) संबंध तत्पुरुष **(ख)** संप्रदान तत्पुरुष

(ग) कर्म तत्पुरुष **(घ)** करण तत्पुरुष

2. स्वर्ग में वास—स्वर्गवास

(क) अपादान तत्पुरुष **(ख)** अधिकरण तत्पुरुष

(ग) कर्म तत्पुरुष **(घ)** कर्मधारय समास

3. नया है गीत जो—नवगीत

(क) अधिकरण तत्पुरुष **(ख)** कर्म तत्पुरुष

(ग) कर्मधारय समास **(घ)** करण तत्पुरुष

4. शोक से ग्रस्त—शोकग्रस्त

(क) अपादान तत्पुरुष **(ख)** संबंध तत्पुरुष

(ग) संप्रदान तत्पुरुष **(घ)** करण तत्पुरुष

5. हिम का आलय—हिमालय

(क) करण तत्पुरुष **(ख)** अधिकरण तत्पुरुष

(ग) कर्मधारय समास **(घ)** संबंध तत्पुरुष

6. वाल्मीकि द्वारा रचित—वाल्मीकिरचित

(क) अधिकरण तत्पुरुष **(ख)** करण तत्पुरुष

(ग) अपादान तत्पुरुष **(घ)** संबंध समास

7. सत् है जो जन-सज्जन

(क) करण तत्पुरुष **(ख)** अधिकरण तत्पुरुष

(ग) कर्मधारय समास **(घ)** संप्रदान तत्पुरुष

8. घन के समान श्याम—घनश्याम

(क) कर्म तत्पुरुष **(ख)** करण तत्पुरुष

(ग) संबंध तत्पुरुष **(घ)** कर्मधारय समास

9. जल में मग्न (डूबा हुआ)—जलमग्न

(क) अधिकरण तत्पुरुष **(ख)** संप्रदान तत्पुरुष

(ग) संबंध तत्पुरुष **(घ)** कर्मधारय समास

10. देवों का ईश—देवेश

(क) संप्रदान तत्पुरुष **(ख)** संबंध तत्पुरुष

(ग) कर्मधारय समास **(घ)** कर्म तत्पुरुष

11. मीठा है जो अन्न—मिष्ठान्न

(क) अधिकरण तत्पुरुष **(ख)** कर्म तत्पुरुष

(ग) कर्मधारय समास **(घ)** संबंध तत्पुरुष

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

12. पीत (पीला) है जो अंबर (कपड़ा)—पीतांबर
(क) संप्रदान तत्पुरुष **(ख)** अधिकरण तत्पुरुष
(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** कर्मधारय समास

13. पाप से मुक्त—पापमुक्त
(क) अपादान तत्पुरुष **(ख)** करण तत्पुरुष
(ग) कर्मधारय समास **(घ)** संप्रदान तत्पुरुष

14. पेट में दर्द—पेटदर्द
(क) करण तत्पुरुष **(ख)** अधिकरण तत्पुरुष
(ग) अपादान तत्पुरुष **(घ)** कर्मधारय समास

15. राजा का महल—राजमहल
(क) कर्म तत्पुरुष **(ख)** कर्मधारय तत्पुरुष
(ग) संबंध तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

16. पुरुषों में जो उत्तम—पुरुषोत्तम
(क) संबंध तत्पुरुष **(ख)** कर्मधारय समास
(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

17. काली है जो मिर्च—कालीमिर्च
(क) कर्मधारय समास **(ख)** कर्म तत्पुरुष
(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** संबंध तत्पुरुष

18. माखन को चुराने वाला—माखनचोर
(क) करण तत्पुरुष **(ख)** कर्म तत्पुरुष
(ग) अधिकरण तत्पुरुष **(घ)** अपादान तत्पुरुष

19. मन से माना हुआ—मनमाना
(क) अधिकरण तत्पुरुष **(ख)** कर्मधारय समास
(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** संप्रदान तत्पुरुष

20. हवन के लिए सामग्री—हवनसामग्री
(क) करण तत्पुरुष **(ख)** अधिकरण तत्पुरुष
(ग) संबंध तत्पुरुष **(घ)** संप्रदान तत्पुरुष

21. जन्म से अंधा —जन्मांध
(क) अपादान तत्पुरुष **(ख)** संप्रदान तत्पुरुष
(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

22. कर्म में निरत (लगा हुआ)—कर्मनिरत
(क) करण तत्पुरुष **(ख)** अधिकरण तत्पुरुष
(ग) कर्म तत्पुरुष **(घ)** कर्मधारय समास

23. भू (पृथ्वी) का दान—भूदान
(क) संप्रदान तत्पुरुष **(ख)** कर्मधारय समास
(ग) संबंध तत्पुरुष **(घ)** कर्म तत्पुरुष

24. गगन को चूमने वाला—गगनचुंबी
(क) अधिकरण तत्पुरुष **(ख)** संप्रदान तत्पुरुष
(ग) कर्मधारय तत्पुरुष **(घ)** कर्म तत्पुरुष

25. गुरु द्वारा दिया हुआ—गुरुदत्त
(क) करण तत्पुरुष **(ख)** अधिकरण तत्पुरुष
(ग) कर्म तत्पुरुष **(घ)** संबंध तत्पुरुष

26. जल में जन्म लेने वाला—जलज
(क) अपादान तत्पुरुष **(ख)** अधिकरण तत्पुरुष
(ग) संप्रदान तत्पुरुष **(घ)** कर्म तत्पुरुष

27. राह के लिए खर्च—राहखर्च
(क) करण तत्पुरुष **(ख)** कर्म तत्पुरुष
(ग) संप्रदान तत्पुरुष **(घ)** संबंध तत्पुरुष

28. परीक्षा का अर्थी (देने का इच्छुक)—परीक्षार्थी
(क) संप्रदान तत्पुरुष **(ख)** कर्म तत्पुरुष
(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** संबंध तत्पुरुष

29. पद से च्युत (गिरा या हटा हुआ)—पदच्युत
(क) अपादान तत्पुरुष **(ख)** कर्मधारय समास
(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

30. सिंह के समान पुरुष—पुरुषसिंह
(क) कर्म तत्पुरुष **(ख)** कर्मधारय समास
(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

उत्तर : **1.** (ख) **2.** (ख) **3.** (ग) **4.** (घ)
5. (घ) **6.** (ख) **7.** (ग) **8.** (घ)
9. (क) **10.** (ख) **11.** (ग) **12.** (घ)
13. (क) **14.** (ख) **15.** (ग) **16.** (ख)
17. (क) **18.** (ख) **19.** (ग) **20.** (घ)
21. (क) **22.** (ख) **23.** (ग) **24.** (घ)
25. (क) **26.** (ख) **27.** (ग) **28.** (घ)
29. (क) **30.** (ख)

फ़ॉरमेटिव असेसमेंट के लिए

1. <u>क्रियाकलाप</u>

फ़्लैशकार्ड पर कुछ प्रश्न समस्तपद लिखकर कक्षा में ला सकते हैं। फिर कक्षा में प्रत्येक फ़्लैशकार्ड को बारी-बारी से दिखाकर उसका विग्रह करवाया जा सकता है। साथ ही उस समास का नाम भी पूछ सकते हैं। गलत उत्तर होने पर दूसरे विद्यार्थी को बोलने का मौका दें। इस प्रकार सभी विद्यार्थियों से समास-विग्रह करवाकर भेद का नाम पूछा जा सकता है। आवश्यकतानुसार विद्यार्थियों की गलतियाँ सुधारें। बारंबार के अभ्यास से समास की अवधारणा स्पष्ट की जा सकती है।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

2. क्रियाकलाप

कहानी या कविता का कोई विशेष अंश विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए देकर उसमें से समस्तपद छँटवाए जा सकते हैं। फिर प्रत्येक समास का विग्रह करवाकर उसके भेद का नाम पूछ सकते हैं। जैसे–

श्री मैथिलीशरण गुप्त की प्रसिद्ध रचना 'मनुष्यता' का निम्नलिखित अंश पढ़कर उसमें से समस्तपद छाँटकर उसका विग्रह कीजिए और साथ ही समास का नाम बताइए–

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो, कभी,
मरो, परंतु यो मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।
क्षुधार्त रतिदेव ने दिया करस्थ थाल भी,
तथा दधीचि ने दिया परार्थ अस्थिजाल भी।
उशीनर क्षितीश ने स्वमांस दान भी किया,
सहर्ष वीर कर्ण ने शरीर-चर्म भी दिया।
अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्या डरे?
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

संकेत–पशु-प्रवृत्ति, क्षुधार्त, करस्थ, अस्थिजाल, शरीर-धर्म, अनित्य, अनादि, क्षितीश आदि समस्तपद हैं।

कक्षा-कार्य

'समास' की अवधारणा को स्पष्ट करने के लिए अध्यापक/अध्यापिका कक्षा में पाठ की पुनरावृत्ति करते हुए विद्यार्थियों से कुछ प्रश्न पूछ सकते हैं। जैसे–

- 'समास' शब्द से आप क्या समझते हैं?
- 'समस्तपद' किसे कहते हैं?
- समास के कितने भेद हैं? उनके नाम बताइए।
- तत्पुरुष समास के कितने भेद हैं? उन भेदों की क्या विशेषताएँ हैं? उदाहरण देकर समझाइए।

गृह-कार्य

- चार्ट पेपर पर कुछ ऐसे चित्र बनाकर लाने के लिए छात्रों से कह सकते हैं जिनसे समस्तपद को समझने में सुविधा हो। जैसे–घुड़सवार, हथघड़ी या हथकड़ी, लाल मिर्च, काली मिर्च, महाराजा, महात्मा, महादेव, राजमहल, राजकुमार, राजपुत्री, मालगाड़ी, विद्यालय, हिमालय, रसोईघर, गौशाला, हवनसामग्री, माखनचोर (बाल गोपाल), नीलाकाश आदि। बाद में कक्षा में इन चित्रों को दिखाकर उनके नाम पूछ सकते हैं। ध्यान रखें कि विद्यार्थी जो भी नाम बोलें, वे समस्तपद हों। शुद्ध उत्तर न मिलने पर अन्य छात्र को बोलने का मौका दें। फिर समास-विग्रह करवाकर उनके भेद का नाम पूछें। आवश्यकतानुसार त्रुटियों का संशोधन करें।
- सामान्य वार्तालाप के दौरान वाक्य में बहुधा प्रयुक्त होने वाले समस्तपदों को छाँटकर उनका विग्रह करने के लिए कह सकते हैं। जैसे–दहीबड़ा, गुरुदक्षिणा, मनगढ़ंत, सिरदर्द, पेटदर्द, लोकप्रिय, पर्वतारोहण, विद्यालय, गंगातट, धनहीन, शरणागत, राहखर्च, भयमुक्त, ग्रंथकार आदि।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

5 मिश्र और संयुक्त वाक्यों की संरचना एवं रूपांतरण

वाक्य

पूर्ण अर्थ देने की सामर्थ्य रखने वाले व्यवस्थित पद-समूह को वाक्य कहते हैं।

उदाहरण - मेरा भाई मेहनती है।
कल जीजा जी का ई-मेल आया था।

ये वाक्य हैं। प्रत्येक वाक्य शब्दों से बना होता है। वाक्य में केवल एक शब्द भी हो सकता है और अनेक शब्द भी, किंतु प्रत्येक वाक्य का एक निश्चित अर्थ होता है। वाक्य में प्रयुक्त शब्दों को व्याकरण में 'पद' कहते हैं।

अत: हम कह सकते हैं कि—

- वाक्य की रचना शब्दों (पदों) के योग से होती है।
- वाक्य अपने में पूर्ण तथा स्वतंत्र होता है।
- यह किसी न किसी भाव या विचार को पूर्णत: व्यक्त करने में सक्षम होता है।

वाक्य के अंग

रचना की दृष्टि से वाक्य के दो अंग होते हैं—
1. उद्देश्य और 2. विधेय।

1. **उद्देश्य**—वाक्य में जिसके विषय में बताया जाता है, उसे उद्देश्य कहते हैं। जैसे—
   ललिता ने मैकरोनी बनाई।
   दीपक कंप्यूटर सीख रहा है।
   इन वाक्यों में 'ललिता' और 'दीपक' उद्देश्य हैं।
2. **विधेय**—वाक्य में उद्देश्य के विषय में जो कुछ बताया जाता है, उसे विधेय कहते हैं। जैसे—
   सचिन **क्रिकेट खेलता है।**
   चैतन्य **इंजीनियर बनना चाहता है।**
   इन वाक्यों में **क्रिकेट खेलता है** और **इंजीनियर बनना चाहता है** विधेय हैं।
   कुछ अन्य उदाहरण—

उद्देश्य	**विधेय**
अनुराग	पढ़ते-पढ़ते सो गया।
चिराग ने	'जय हनुमान' फ़िल्म देखी।
जॉन	गिटार बजाता है।
हमीद	पतंग उड़ा रहा था।
जोगिंदर ने	नया विडियो गेम खरीदा।

वाक्य की संरचना

भाषा वाक्यों से बनती है, उदाहरणत: — राम ···। इससे कुछ प्रकट नहीं होता। हमें कहना होगा — राम जाता है, राम ने बाण से बालि को मारा, राम मेरे बड़े भाई का नाम है — इत्यादि। इसी प्रकार 'जाता है' कहने से कुछ भी समझ में नहीं आता कि कौन जाता है, क्यों जाता है, कहाँ जाता है, कब जाता है। वाक्य पूरा तभी होगा जब उसमें दो बातें हों, पहली — जिसके बारे में आप कुछ कहना चाहते हैं और दूसरी — जो बात आप कहना चाहते हैं। जिसके बारे में कुछ कहा जाता है, वह **उद्देश्य** होता है और उसके बारे में जो कुछ कहा जाता है, वह **विधेय** होता है। जैसे—

उद्देश्य	**विधेय**
लीला	गाती है।
वह	नाचती है।
भले लोग	किसी का बुरा नहीं करते।
शीतल	किसी को नहीं सताता।

वाक्य के भेद

वाक्य के भेदों के दो आधार होते हैं—
(क) अर्थ के आधार पर और
(ख) रचना के आधार पर।

अर्थ की दृष्टि से वाक्य-भेद

अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद हैं—(1) विधानवाचक वाक्य, (2) विधिवाचक या आज्ञावाचक वाक्य, (3) निषेधवाचक वाक्य या नकारात्मक वाक्य, (4) प्रश्नवाचक वाक्य, (5) इच्छावाचक वाक्य, (6) संदेहवाचक वाक्य, (7) उद्गारवाचक या विस्मयवाचक वाक्य, (8) संकेतवाचक वाक्य।

रचना के अनुसार वाक्यों के भेद

रचना के अनुसार वाक्य के तीन भेद हैं—(1) सरल वाक्य, (2) संयुक्त वाक्य तथा (3) मिश्र वाक्य।

1. सरल वाक्य

जिस वाक्य में एक ही क्रिया हो अर्थात एक ही विधेय हो, भले ही कर्ता (उद्देश्य) एक से अधिक हों, उसे सरल या साधारण वाक्य कहते हैं। जैसे—

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(क) **नेहा कपड़े धोती है**। (एक उद्देश्य, एक विधेय)

(ख) **नेहा** और **किरण कपड़े धोती हैं**। (दो उद्देश्य, एक विधेय)

(ग) **वे** रोज़ पार्क में टहलने जाते हैं। (एक उद्देश्य, एक विधेय) *(AI 2007)*

कभी-कभी उद्देश्य के अभाव में भी सरल वाक्य की स्थिति रहती है। जैसे — वहाँ मत जाओ। इस वाक्य में 'तुम' उद्देश्य का उल्लेख नहीं हुआ है। फिर भी वाक्य पूर्ण अर्थ प्रकट कर रहा है।

2. संयुक्त वाक्य

जब दो या अधिक सरल वाक्यों का समानाधिकरण समुच्चयबोधक द्वारा जोड़कर एक वाक्य इस प्रकार बनाया जाता है कि वे एक-दूसरे के पूरक होते हुए भी किसी के आश्रित नहीं होते, तो उसे संयुक्त वाक्य कहते हैं। ये दोनों उपवाक्य प्रधान उपवाक्य कहलाते हैं।

निम्नलिखित वाक्यों के संबंधों पर विशेष ध्यान दीजिए—

(क) मैं लिख रहा हूँ **और** तुम पढ़ रहे हो।

(ख) पिता जी आने वाले थे, **किंतु** नहीं आए।

(ग) सत्य बोलना चाहिए, **परंतु** कठोर सत्य बोलना अच्छा नहीं होता।

उपर्युक्त संयुक्त वाक्य **और**, **किंतु**, **परंतु** से जुड़े हैं। संयुक्त वाक्यों में प्रधान उपवाक्य और समानाधिकरण उपवाक्यों को जोड़ने के लिए **और**, **किंतु**, **परंतु**, **एवं**, **तथा**, **या**, **अथवा** आदि समानाधिकरण संबंधबोधक अव्ययों का प्रयोग किया जाता है।

संयुक्त वाक्य के संबंध में निम्नलिखित बातें ध्यान देने योग्य हैं—

(i) इसमें कम-से-कम दो प्रधान उपवाक्य होते हैं।

(ii) इसमें आए प्रधान उपवाक्यों का स्वतंत्र प्रयोग हो सकता है।

(iii) ये आश्रित न होकर एक-दूसरे के पूरक होते हैं, पर होते हैं परस्पर संबंधित।

(iv) दो विरोधी तर्क वाले वाक्यों का एक वाक्य नहीं बना सकते हैं। जैसे—'माँ बड़ी कंजूस है, किंतु वह पैसे खूब खर्च करती है।' तर्कसंगत न होने के कारण यह वाक्य शुद्ध नहीं है।

(v) कभी-कभी विशेष प्रभाव उत्पन्न करने के लिए और, किंतु आदि के स्थान पर अल्पविराम का प्रयोग होता है। जैसे—पिता जी अखबार पढ़ रहे हैं, (और) माँ खाना बना रही हैं।

(vi) सरल वाक्यों के समान घटकों को संयुक्त वाक्य में छोड़ दिया जाता है। जैसे—राम देहरादून में रहता है और श्याम नैनीताल में (रहता है)।

संयुक्त वाक्यों के भेद-प्रभेद

संयुक्त वाक्य में एक साधारण वाक्य और शेष समानाधिकरण वाक्य होते हैं। समानाधिकरण वाक्य चार प्रकार के होते हैं—

(i) **संयोजक वाक्य**—इसके उपवाक्यों से परस्पर विरोध प्रकट होता है। जैसे लता गा रही है **और** आशा नाच रही है।

(ii) **विभाजक वाक्य**—इसके उपवाक्यों से भी परस्पर विरोध प्रकट होता है। जैसे—लता गा रही है, **परंतु** आशा नहीं नाचती।

(iii) **विकल्पदर्शक वाक्य**—इसके उपवाक्यों से विकल्प प्रकट होता है। जैसे—तुम पढ़ो **या** यहाँ से चले जाओ।

(iv) **परिणामबोधक वाक्य**—इसमें एक उपवाक्य दूसरे उपवाक्य का परिणाम या फल होता है। जैसे—मेरी सलाह के अनुसार तुम परिश्रम करते रहे **इसलिए** उत्तीर्ण हो गए।

3. मिश्र वाक्य

जिस वाक्य में एक प्रधान और एक या अनेक आश्रित उपवाक्य हों, उसे मिश्र वाक्य कहते हैं। मिश्र वाक्यों में मुख्य उद्देश्य और मुख्य विधेय के अतिरिक्त एक या अनेक समापिका क्रियाएँ होती हैं। मुख्य उद्देश्य और मुख्य विधेय युक्त उपवाक्य प्रधान उपवाक्य होता है। शेष उपवाक्य आश्रित उपवाक्य होते हैं। प्रधान उपवाक्य के अधीन होने के कारण ये आश्रित उपवाक्य कहलाते हैं। जैसे—

	प्रधान उपवाक्य	**आश्रित उपवाक्य**
(क)	राम ने कहा	(कि) मैं बाज़ार नहीं जाऊँगा।
(ख)	वहाँ एक नल-कूप है	(जो) बिजली से चलता है।
(ग)	यह वही छात्र है	(जो) कक्षा में प्रथम आया है।

मिश्र वाक्य के उपवाक्य प्राय: **कि**, **जो**, **जहाँ**, **जब**, **तब**, **अगर**, **तो** आदि समुच्चयबोधक अव्ययों से जुड़े रहते हैं। मिश्र वाक्यों में आश्रित उपवाक्य, वाक्य के आरंभ, मध्य तथा अंत तीनों ही स्थानों पर आ सकते हैं।

उपवाक्य के भेद-प्रभेद

आश्रित उपवाक्य—प्रधान उपवाक्य के सहारे से जिसका अभिप्राय प्रकट हो, वह वाक्य आश्रित उपवाक्य कहलाता है। आश्रित उपवाक्य मुख्य उपवाक्य का समर्थन व स्पष्टीकरण या विस्तार करता है। आश्रित उपवाक्य तीन प्रकार के होते हैं—(क) संज्ञा उपवाक्य, (ख) विशेषण उपवाक्य और (ग) क्रिया-विशेषण उपवाक्य।

संज्ञा उपवाक्य—जो उपवाक्य प्रधान उपवाक्य की क्रिया के कर्ता, कर्म अथवा पूरक के रूप में संज्ञा के समान आए, उसे संज्ञा उपवाक्य कहते हैं। जैसे—

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(i) **सूर्य पूर्व में निकलता है,** सभी जानते हैं।
(जानते हैं क्रिया का कर्म)

(ii) सभी जानते हैं **कि वह ईमानदार है।**
(जानते हैं, क्रिया का कर्म)

(iii) यही है **जो मैं तुमसे आशा करता हूँ।**
('है' अपूर्ण क्रिया का पूरक)

विशेषण उपवाक्य—जो उपवाक्य प्रधान उपवाक्य के किसी संज्ञा, सर्वनाम अथवा संज्ञा पदबंध की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण उपवाक्य कहते हैं। ये उपवाक्य प्राय: **जो**, **जो कि**, **जब**, **जहाँ कि** आदि से संयुक्त होते हैं। जैसे—

(i) यह वही **छात्र है, जो** कक्षा में प्रथम आया था।

(ii) **दिल्ली जो कि** भारत की राजधानी है, एक सुंदर नगर है।

(iii) 15 अगस्त **वह दिन है, जब कि** भारत स्वतंत्र हुआ था।

(iv) भारत वह **तपोवन है, जहाँ** ऋषि-मुनियों ने अतीत में चमत्कार दिखाए थे।

क्रिया-विशेषण उपवाक्य—जो उपवाक्य प्रधान उपवाक्य की क्रिया की विशेषता बताता है, उसे क्रिया-विशेषण उपवाक्य कहते हैं। क्रिया-विशेषण उपवाक्य प्राय: **जब-तब**, **जब-कभी**, **ज्यों ही**, **ज्यों-त्यों**, **जहाँ-तहाँ**, **जब-जब** आदि संयोजकों से संयुक्त होते हैं। जैसे—

(i) **जब-कभी** आप दिल्ली आएँ, मुझसे अवश्य मिलें।

(ii) **ज्यों ही** हवा धीमी हुई, वर्षा ने ज़ोर पकड़ा।

(iii) **जब-जब धर्म** पर आघात हुआ, भगवान अवतरित हुए।

(iv) **जब** आप यहाँ आएँगे, तब मैं आपके साथ चलूँगा।

(v) तुम **जहाँ** जाते हो, **वहीं** झगड़ा करते हो।

(vi) **उसने** वैसा ही किया, **जैसा** आपने बताया। *(Delhi 2007)*

मिश्र और संयुक्त वाक्यों का रूपांतरण

एक ही वाक्य को कई प्रकार से कहा जा सकता है। **किसी वाक्य में निहित भावों या विचारों को अक्षुण्ण रखते हुए उसे दूसरे प्रकार के वाक्य में परिवर्तित करना वाक्य-रूपांतरण या रचनांतरण कहलाता है।** सरल वाक्य को मिश्र या संयुक्त वाक्य में, संयुक्त वाक्य को सरल वाक्य में अथवा विधिवाचक वाक्य को निषेधवाचक वाक्य या अन्य प्रकार के वाक्यों में परिवर्तित किया जा सकता है। जैसे—

(क) सरल वाक्य—
पौधे लगाकर माली चला गया।
संयुक्त वाक्य—
माली ने पौधे लगाए और चला गया।

(ख) सरल वाक्य—
परिश्रमी व्यक्ति को सभी चाहते हैं।
मिश्र वाक्य—
जो व्यक्ति परिश्रम करता है, उसे सब चाहते हैं।

(ग) विधानवाचक—
राम सदैव सत्य बोलता है।
निषेधवाचक—
राम कभी असत्य नहीं बोलता।

किंतु ऐसे किसी परिवर्तन में वाक्य के अर्थ में अंतर नहीं आना चाहिए। उदाहरण (ग) में वाक्य का प्रथम रूप विधानवाचक है और द्वितीय निषेधवाचक, किंतु दोनों का अर्थ एक ही है। अत:

वाक्य के बाहरी रूप में, उसका अर्थ न बदलते हुए परिवर्तन करने को वाक्य-रूपांतरण कहते हैं।

वाक्य-रूपांतरण निम्नलिखित दृष्टिकोणों से होता है—
(1) वाक्य-संरचना की दृष्टि से रूपांतरण (रचनांतरण)
(2) अर्थ की दृष्टि से रूपांतरण (रचनांतरण)

वाक्य-संरचना की दृष्टि से रूपांतरण (रचनांतरण)

संरचना की दृष्टि से वाक्य के तीन प्रकार हैं—सरल, संयुक्त और मिश्र। इन तीनों प्रकार के वाक्यों को बिना अर्थ बदले एक-दूसरे में परिवर्तित किया जा सकता है। ऐसे रूपांतरण में अर्थ ज्यों-का-त्यों रहता है, लेकिन वाक्य की बनावट बदल जाती है; कहीं संक्षिप्तता आ जाती है तो कहीं विस्तार हो जाता है। कुछ स्थितियों में सर्वथा नवीन पद, पदबंध या उपवाक्य आ जाते हैं। निम्नलिखित उदाहरण देखिए—

1. **सरल वाक्य—**
वे लोग घूमने के लिए बगीचे में गए थे।
मिश्र तथा संयुक्त वाक्य—
उन्हें घूमना था; अत: बगीचे में गए थे। (संयुक्त)
वे बगीचे में गए थे क्योंकि उन्हें घूमना था। (मिश्र)

2. **सरल वाक्य—**
पौधे लगाकर माली चला गया।
मिश्र तथा संयुक्त वाक्य—
माली ने पौधे लगाए और चला गया। (संयुक्त)
जब माली ने पौधे लगा दिए, तब वह चला गया। (मिश्र)

1. **मिश्र वाक्य—**
जैसे ही हम घर से बाहर निकले, बारिश होने लगी।
सरल तथा संयुक्त वाक्य—
हम घर से बाहर निकले और बारिश होने लगी। (संयुक्त)
हमारे घर से बाहर निकलते ही बारिश होने लगी। (सरल)

2. **मिश्र वाक्य—**
सोनू ने जब गृहकार्य किया, तब खेलने चला गया
सरल तथा संयुक्त वाक्य—
सोनू गृहकार्य करके खेलने चला गया।। (सरल वाक्य)
सोनू ने गृहकार्य किया और खेलने चला गया।
(संयुक्त वाक्य)

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

1. **संयुक्त वाक्य—**
पिता जी ने बैग उठाया और ऑफ़िस चले गए।
सरल तथा मिश्र वाक्य—
पिता जी बैग उठाकर ऑफ़िस चले गए। (सरल वाक्य)
जब पिता जी ने बैग उठाया, तब ऑफ़िस चले गए। (मिश्र वाक्य)

2. **संयुक्त वाक्य—**
रवि ने बाल कटवाए, पर संतुष्ट नहीं है।
सरल तथा मिश्र वाक्य—
रवि बाल कटवाकर संतुष्ट नहीं है। (सरल वाक्य)
जब से रवि ने बाल कटवाए, वह संतुष्ट नहीं है। (मिश्र वाक्य)

सभी प्रकार के वाक्य-रूपांतरणों के अन्य उदाहरण देखिए—

सरल वाक्य से मिश्र वाक्य में

1. **सरल वाक्य—**
पाँच बजने पर मज़दूर चले जाते हैं।
मिश्र वाक्य—
पाँच बजे नहीं कि मज़दूर चले जाते हैं।

2. **सरल वाक्य—**
मेहनती व्यक्ति के लिए सब कुछ संभव है।
मिश्र वाक्य—
जो व्यक्ति मेहनती है, उसके लिए सब कुछ संभव है।

3. **सरल वाक्य—**
उसके स्टेशन पर पहुँचते ही गाड़ी चल दी।
मिश्र वाक्य—
जैसे ही वह स्टेशन पहुँचा, गाड़ी चल दी।

4. **सरल वाक्य—**
राजू हिंदी पढ़ने के लिए शास्त्रीजी के घर गया है।
मिश्र वाक्य—
राजू शास्त्री जी के घर गया है क्योंकि उसे हिंदी पढ़नी है।

5. **सरल वाक्य—**
मैंने एक बहुत बीमार आदमी को देखा।
मिश्र वाक्य—
मैंने एक आदमी को देखा, जो बहुत बीमार था।

सरल वाक्य से संयुक्त वाक्य में

1. **सरल वाक्य—**
अध्यापिका के समझाने पर सब बच्चे तैयार हो गए।
संयुक्त वाक्य—
अध्यापिका ने समझाया और सब बच्चे तैयार हो गए।

2. **सरल वाक्य—**
आप गर्म या ठंडा में से क्या लेना पसंद करेंगे?
संयुक्त वाक्य—
आप गर्म लेना पंसद करेंगे या ठंडा लेना पसंद करेंगे?

3. **सरल वाक्य—**
राधा पुस्तक पढ़कर बाज़ार चली गई।
संयुक्त वाक्य—
राधा ने पुस्तक पढ़ी और बाज़ार चली गई।

4. **सरल वाक्य—**
वह कामचोर के अलावा झूठा भी है।
संयुक्त वाक्य—
वह कामचोर ही नहीं, बल्कि झूठा भी है।

5. **सरल वाक्य—**
हेमा का नृत्य देखकर सब लोग प्रसन्न हो गए।
संयुक्त वाक्य—
सब लोगों ने हेमा का नृत्य देखा और प्रसन्न हो गए।

6. **सरल वाक्य—**
उसको काम न आने के कारण कोई नौकरी नहीं देता।
संयुक्त वाक्य—
उसको काम नहीं आता इसलिए कोई उसे नौकरी नहीं देता।

7. **सरल वाक्य—**
पिता जी की इच्छा के कारण मुझे छात्रावास में जाना पड़ा।
संयुक्त वाक्य—
पिता जी की इच्छा थी इसलिए मुझे छात्रावास में जाना पड़ा।

8. **सरल वाक्य—**
मैं पुस्तकें लेने पुस्तक मेले में गया।
संयुक्त वाक्य—
मुझे पुस्तकें लेनी थीं इसलिए पुस्तक मेले में गया।

9. **सरल वाक्य—**
घंटी बजने पर सभी छात्र कक्षा में आ जाते हैं।
संयुक्त वाक्य—
घंटी बजती है और सभी छात्र कक्षा में आ जाते हैं।

10. **सरल वाक्य—**
वह पीड़ा से कराहता है।
संयुक्त वाक्य—
चूँकि उसे पीड़ा है इसलिए कराहता है।

11. **सरल वाक्य—**
ज्वर होने के कारण मैं स्कूल नहीं जा सका।
संयुक्त वाक्य—
मुझे ज्वर था इसलिए मैं स्कूल नहीं जा सका।

12. **सरल वाक्य—**
मैं नाश्ता करके स्कूल चला गया।
संयुक्त वाक्य—
मैंने नाश्ता किया और स्कूल चला गया।

13. **सरल वाक्य—**
मेहनत करने पर भी गरीबों को भरपेट रोटी नहीं मिलती।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

संयुक्त वाक्य—
गरीब मेहनत करते हैं, किंतु उन्हें भरपेट रोटी नहीं मिलती।

14. **सरल वाक्य—**
आप अंदर बैठकर देर तक बातें करें।
संयुक्त वाक्य—
आप अंदर बैठ जाएँ और देर तक बातें करें।

15. **सरल वाक्य—**
वह चोर के अलावा बेईमान भी है।
संयुक्त वाक्य—
वह केवल चोर ही नहीं, बल्कि बेईमान भी है।

मिश्र वाक्य से सरल वाक्य में

1. **मिश्र वाक्य—**
गौरव ने अक्षय से कहा कि वह भी नेपाल चले।
सरल वाक्य—
गौरव ने अक्षय से नेपाल चलने के लिए कहा।

2. **मिश्र वाक्य—**
उस बच्चे को बुलाओ, जिसने सफ़ेद कमीज़ पहनी है।
सरल वाक्य—
सफ़ेद कमीज़ वाले उस बच्चे को बुलाओ।

3. **मिश्र वाक्य—**
जो लोग ईर्ष्या करते हैं, मुझे पसंद नहीं।
सरल वाक्य—
ईर्ष्या करने वाले लोग मुझे पंसद नहीं।

4. **मिश्र वाक्य—**
मुझे आज वह उपहार मिला, जिसे आपने भेजा था।
सरल वाक्य—
आपका भेजा उपहार मुझे आज मिला।

5. **मिश्र वाक्य—**
जब वसंत आता है, मन प्रसन्न हो जाता है।
सरल वाक्य—
वसंत आने पर मन प्रसन्न हो जाता है।

6. **मिश्र वाक्य—**
जब पिता जी विद्यालय पहुँचे, मास्टर जी जा चुके थे।
सरल वाक्य—
पिता जी के पहुँचने से पहले ही मास्टर जी जा चुके थे।

7. **मिश्र वाक्य—**
जो परिश्रम करता है, उसे सब चाहते हैं।
सरल वाक्य—
परिश्रमी व्यक्ति को सब चाहते हैं।

8. **मिश्र वाक्य—**
राजेश ने जो फूल मँगवाए थे, वे बाँटने थे।
सरल वाक्य—
राजेश ने बाँटने के लिए फूल मँगवाए।

9. **मिश्र वाक्य—**
मैंने कमलेश को कहा कि वह मेरे साथ पढ़े।
सरल वाक्य—
मैंने कमलेश को अपने साथ पढ़ने के लिए कहा।

10. **मिश्र वाक्य—**
जब कार्य समाप्त हुआ तब मज़दूर घर चले गए।
सरल वाक्य—
कार्य समाप्त करके मज़दूर अपने घर चले गए।

11. **मिश्र वाक्य—**
जो गरजते हैं, वे बरसते नहीं।
सरल वाक्य—
गरजने वाले बरसते नहीं।

12. **मिश्र वाक्य—**
यदि वह आए तो तुम छिप जाना।
सरल वाक्य—
उसके आने पर तुम छिप जाना।

13. **मिश्र वाक्य—**
उसने कहा कि मैं विदेशी हूँ।
सरल वाक्य—
उसने अपने को विदेशी बताया।

14. **मिश्र वाक्य—**
जब मैं रात को देर तक जागता हूँ तो सिर में दर्द हो जाता है।
सरल वाक्य—
रात को देर तक जागने से मेरे सिर में दर्द हो जाता है।

15. **मिश्र वाक्य—**
यदि तुम परिश्रम नहीं करोगे तो तुम्हें सफलता नहीं मिलेगी।
सरल वाक्य—
परिश्रम के बिना तुम्हें सफलता नहीं मिलेगी।

16. **मिश्र वाक्य—**
जो लोग सदाचारी होते हैं, वे सबका आदर पाते हैं।
सरल वाक्य—
सदाचारी लोग सबका आदर पाते हैं।

17. **मिश्र वाक्य—**
यद्यपि वह निर्धन है, फिर भी स्वाभिमानी है।
सरल वाक्य—
निर्धन होते हुए भी वह स्वाभिमानी है।

संयुक्त वाक्य से सरल वाक्य में

1. **संयुक्त वाक्य—**
आँधी आई और आम झड़ गए।
सरल वाक्य—
आँधी आने के कारण आम झड़ गए।

2. **संयुक्त वाक्य—**
शनिवार को चुनाव है, अतः कार्यालय बंद रहेंगे।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

सरल वाक्य—
शनिवार को चुनाव होने के कारण कार्यालय बंद रहेंगे।

3. **संयुक्त वाक्य—**
मैंने उसे कहा था, पर वह न मानी।
सरल वाक्य—
मेरे कहने पर भी वह न मानी।

4. **संयुक्त वाक्य—**
कल बहुत सर्दी थी इसलिए हम कहीं नहीं गए।
सरल वाक्य—
कल बहुत सर्दी होने के कारण हम कहीं नहीं गए।

5. **संयुक्त वाक्य—**
वह पढ़ता भी है और काम भी करता है।
सरल वाक्य—
वह पढ़ाई के साथ-साथ काम भी करता है।

6. **संयुक्त वाक्य—**
राम ने सीता को देखा और मन-ही-मन प्रसन्न हुए।
सरल वाक्य—
राम सीता को देखकर मन-ही-मन प्रसन्न हुए।

7. **संयुक्त वाक्य—**
बारिश हो रही थी इसलिए कपड़े भीग गए।
सरल वाक्य—
बारिश होने के कारण कपड़े भीग गए।

8. **संयुक्त वाक्य—**
वह बीमार था इसलिए यहाँ नहीं आया।
सरल वाक्य—
बीमार होने के कारण वह यहाँ नहीं आया।

9. **संयुक्त वाक्य—**
कपिल ने बुलाया, पर यश नहीं आया।
सरल वाक्य—
कपिल के बुलाने पर भी यश नहीं आया।

10. **संयुक्त वाक्य—**
कप नीचे गिरा और टूट गया।
सरल वाक्य—
नीचे गिरने के कारण कप टूट गया।

बहुविकल्पीय प्रश्न-अभ्यास

I. निम्नलिखित वाक्यों का रचना के आधार पर सही प्रकार चुनिए—

1. वह फल खरीदने के लिए बाज़ार गया।
(क) **सरल वाक्य** (ख) **संयुक्त वाक्य**
(ग) **मिश्र वाक्य** (घ) **इनमें से कोई नहीं**

2. मैं पुस्तकालय गया और पुस्तकें लेकर आ गया।
(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

3. अविनाश ने पूछा कि वहाँ कौन है?
(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

4. वह बाज़ार गया है पर अभी तक आया नहीं है।
(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

5. भारत एक शांतिप्रिय देश है जिसका सब सम्मान करते हैं।
(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

6. महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का सहारा लिया और भारत को आज़ाद कराया।
(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

7. भारत की राजभाषा हिंदी है जो संपर्क-भाषा भी है।
(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

8. पुस्तक मेला में इस बार देश-विदेश के अनेक प्रकाशक आए और बच्चों की पुस्तकें खूब बिकीं।
(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

9. हम घर में जिस भाषा का प्रयोग करते हैं उसे मातृभाषा कहते हैं।
(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

10. किसान के बैल खूँटे से खुल गए और खेत में चरने लगे।
(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

11. जो परिश्रम करता है, उसे सफलता मिलती है।
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

12. हम लोग आगरा घूमने गए और वहाँ चार दिन रहे।
(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

13. जहाँ कभी बंजर था, वहाँ अब सुंदर उपवन है।
(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

14. जहाँ तक दृष्टि जाती है, वहाँ अँधेरा ही अँधेरा है।
(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

15. सुनामी की लहरों में वह युवक भी बह गया जो स्वयं को प्रीति ज़िंटा का प्रेमी कहता था।
(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

उत्तर : **1.** (क) **2.** (ख) **3.** (ग) **4.** (ख)
5. (ग) **6.** (ख) **7.** (ग) **8.** (ख)
9. (ग) **10.** (ख) **11.** (ग) **12.** (ख)
13. (ग) **14.** (ग) **15.** (ग)

II. निम्नलिखित वाक्यों का निर्देशानुसार सही रूपांतरित रूप चुनिए—

1. 'जब वह खेल-कूद चुका तो पढ़ने लगा।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) संयुक्त वाक्य **(ख)** मिश्र वाक्य
(ग) सरल वाक्य **(घ)** आज्ञावाचक

2. 'आगे बढ़िए। पुरस्कार प्राप्त कीजिए।' इस वाक्य से बना संयुक्त वाक्य है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) जो आगे बढ़ेगा वह पुरस्कार प्राप्त करेगा।
(ख) आगे बढ़ने वाले को ही पुरस्कार प्राप्त होता है।
(ग) पुरस्कार प्राप्त करना है तो आगे बढ़िए।
(घ) आगे बढ़िए और पुरस्कार प्राप्त कीजिए।

3. 'सूर्य उगा और अँधेरा नष्ट हुआ'। रचना के आधाार पर वाक्य का भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) संयुक्त वाक्य **(ख)** विधानवाचक
(ग) संकेतवाचक **(घ)** मिश्र वाक्य

4. निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) कमानेवाला ही खाता है।
(ख) जो कमाएगा वह खाएगा।
(ग) कमाकर ही खाया जाता है।
(घ) कमाते हैं और खाते हैं।

5. 'मैंने उसे पढ़ाया और नौकरी दिलाई।' रचना के आधार पर वाक्य भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्रित वाक्य **(घ)** आज्ञावाचक

6. 'वहाँ एक बड़ा गाँव था। वह गाँव चारों ओर जंगल से घिरा था।' इन वाक्यों से मिश्रित वाक्य बनाएँ। **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) एक बड़ा गाँव था और चारों ओर जंगल से घिरा था।
(ख) जंगल से घिरा एक बड़ा गाँव था।
(ग) बहुत बड़े जंगल से घिरे गाँव में एक गाँव था।
(घ) वहाँ एक बड़ा गाँव था जो चारों तरफ़ जंगल से घिरा था।

7. 'जैसे ही चाँद निकला, वैसे ही अंधकार दूर हो गया।' रचना के आधार पर वाक्य भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) संकेतवाचक **(ख)** सरल वाक्य
(ग) संयुक्त वाक्य **(घ)** मिश्रित वाक्य

8. निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) भूकंप आने के कारण कई मकान गिर गए।
(ख) भूकंप आया और कई मकान गिर गए।
(ग) कई मकान गिर गए भूकंप से।
(घ) भूकंप आते ही कई मकान गिर गए।

9. 'जो पक्षी आकाश में विचरण करते हैं, वे बड़े भले लगते हैं।' रचना के आधार पर वाक्य भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) मिश्रित वाक्य **(ख)** सरल वाक्य
(ग) संयुक्त वाक्य **(घ)** विस्मयादिबोधक

10. निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) मेरा भाई प्रथम आया है और उसे पुरस्कार मिला है।
(ख) कवि ने ऐसी कविता सुनाई कि लोग हँसने लगे।
(ग) बच्चा दूध पीकर खेलने चला गया।
(घ) आगे बढ़कर पुरस्कार प्राप्त कीजिए।

11. 'तुम जिस पुस्तक की प्रतीक्षा कर रहे हो, वह बहुत अच्छी है।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्रित वाक्य **(घ)** विधानवाचक वाक्य

12. 'वर्षा हो रही है किन्तु धूप भी निकली हुई है।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) सरल वाक्य **(ख)** मिश्रित वाक्य
(ग) संयुक्त वाक्य **(घ)** निषेधवाचक वाक्य

13. रात्रि के दस बजे। विद्यार्थी ने पढ़ना बंद कर दिया।' इन वाक्यों से बना मिश्रित वाक्य है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) जैसे ही रात्रि के दस बजे विद्यार्थी ने पढ़ना बंद कर दिया।
(ख) जैसे ही रात्रि के दस बजे, वैसे ही विद्यार्थी ने पढ़ना बंद कर दिया।
(ग) रात्रि के दस बजे और विद्यार्थी ने पढ़ना बंद कर दिया।
(घ) रात्रि के दस बजते ही विद्यार्थी ने पढ़ना बंद कर दिया।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

14. 'माता जी बीमार थीं। वह डॉक्टर के पास गयीं।' इन वाक्यों से बना संयुक्त वाक्य है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) क्योंकि माता जी बीमार थीं इसलिए वह डॉक्टर के पास गयीं।

(ख) माता जी बीमार थीं इसलिए वह डॉक्टर के पास गयीं।

(ग) माता जी बीमार होने के कारण डॉक्टर के पास गयीं।

(घ) जब माता जी बीमार थीं तब वह डॉक्टर के पास गयीं।

15. 'जो डर कर काम करते हैं, वे जीवन में सफल नहीं होते।' रचना के आधार पर वाक्य भेद है।**[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) संदेहवाचक **(ख)** सरल वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य **(घ)** संयुक्त वाक्य

16. 'मैं दिल्ली गया। मैंने कुतुबमीनार देखी।' इन वाक्यों से बना संयुक्त वाक्य है। **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) मैंने दिल्ली जाकर कुतुबमीनार देखी।

(ख) मैं दिल्ली में कुतुबमीनार देखने गया।

(ग) मैं दिल्ली गया और कुतुबमीनार देखी।

(घ) मैंने दिल्ली में कुतुबमीनार देखा।

17. 'दुकानदार ने ग्राहक के लिए चाय मँगवाई।' प्रस्तुत सरल वाक्य से बना मिश्रित वाक्य है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) दुकानदार ने चाय मँगवाई वह ग्राहक के लिए थी।

(ख) दुकानदार ने चाय मँगवाई और वह ग्राहक के लिए थी।

(ग) दुकानदार ने जो चाय मँगवाई वह ग्राहक के लिए थी।

(घ) ग्राहक ने दुकानदार से कहकर चाय मँगवाई।

18. निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) प्रथम आने वाला पुरस्कार पाएगा।

(ख) हो सकता है कि दादा जी अमरनाथ जाएँ।

(ग) नेता जी ने लंबा भाषण दिया।

(घ) पंचों को सामान खरीदना था इसलिए पटना गए।

19. 'जो विद्यार्थी परिश्रम करते हैं वे सदा सफल होते हैं।' रचना के आधार पर वाक्य भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) संयुक्त वाक्य **(ख)** मिश्रित वाक्य

(ग) संकेतवाचक **(घ)** सरल वाक्य

20. मोनूमेंट के नीचे झंडा फहराया जाएगा और प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) सरल वाक्य **(ख)** मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

उत्तर :	**1.** (ख)	**2.** (घ)	**3.** (क)	**4.** (ख)
	5. (ख)	**6.** (क)	**7.** (घ)	**8.** (ख)
	9. (क)	**10.** (क)	**11.** (ग)	**12.** (ग)
	13. (ख)	**14.** (ख)	**15.** (ग)	**16.** (ग)
	17. (ख)	**18.** (ख)	**19.** (ख)	**20.** (ग)

III. निम्नलिखित वाक्यों का रचना के आधार पर सही भेद चुनिए—

1. मुझे विश्वास है कि आप अवश्य आएँगे।

(क) संयुक्त वाक्य **(ख)** मिश्र वाक्य

(ग) सरल वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

2. दान करना अच्छी चीज़ है, दान लेना एक मजबूरी है।

(क) मिश्र वाक्य **(ख)** सरल वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

3. तुम जिसे चाहो चुन लो।

(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

4. हज़ारों लोगों को मौत के घाट उतार कर वह तूफ़ान थमा था।

(क) सरल वाक्य **(ख)** मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

5. जितना ही गलत काम करोगे, परिणाम उतना ही भयंकर होगा। **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) सरल वाक्य **(ख)** मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

6. जो व्यक्ति महान् हो चुके हैं, उनके जीवन की दिनचर्या और रहन-सहन से पता चलता है कि उनका जीवन सादगी से व्यतीत होता था।

(क) मिश्र वाक्य **(ख)** असाधारण वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य **(घ)** साधारण वाक्य

7. जब तक वह घर पहुँचा तब तक उसके पिता जा चुके थे।

(क) सरल वाक्य **(ख)** मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

8. सरस्वती की कृपा उस पर होती है जो संलग्न होकर विद्याध्ययन करता है। **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) सरल वाक्य **(ख)** मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

9. अल्पज्ञानी व्यक्ति बुद्धिमान की कद्र करना क्या जाने।

(क) मिश्र वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य

(ग) सरल वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

10. मैंने कहा कुछ और, उसने सुना कुछ और।

(क) सरल वाक्य **(ख)** मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

11. संतोष से बढ़कर सुख नहीं।

(क) सरल वाक्य **(ख)** मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

12. मेरे पास क्रिकेट का एक बल्ला है और उसके पास क्रिकेट की गेंद।

(क) सरल वाक्य **(ख)** मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

13. वह तुम्हारा साथ दे या न दे, मैं दूँगा।

(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

14. नीच व्यक्ति को पशु कहना पशुता का अपमान है।

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) संयुक्त वाक्य **(ख)** मिश्र वाक्य

(ग) सरल वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

15. मैं नहीं जानता कि रात में वह कब भाग निकला।

(क) सरल वाक्य **(ख)** मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य **(घ)** इनमें से कोई नहीं

उत्तर : **1.** (ख) **2.** (ग) **3.** (क) **4.** (क)
5. (ख) **6.** (क) **7.** (ख) **8.** (ख)
9. (ग) **10.** (ग) **11.** (क) **12.** (ग)
13. (ख) **14.** (ग) **15.** (ख)

IV. निम्नलिखित वाक्यों का निर्देशानुसार सही रूपांतरित रूप चुनिए।

1. 'उसने परिश्रम किया और कक्षा में उत्तीर्ण हो गया।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) संदेहवाचक **(ख)** सरल

(ग) संयुक्त **(घ)** मिश्रित

2. 'जो करता है, सो भरता है।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) मिश्रित वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य

(ग) सरल वाक्य **(घ)** विधानवाचक वाक्य

3. 'उसने कहा। सबने माना।' इन वाक्यों से बना संयुक्त वाक्य है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) उसने कहा कि सबने मान लिया है।

(ख) जो उसने कहा, वह सबने माना।

(ग) उसने कहा और सबने माना।

(घ) इनमें से कोई नहीं

4. 'वर्षा होगी। फ़सल अच्छी हो जाएगी।' इन वाक्यों से बना मिश्रित वाक्य होगा– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) यदि वर्षा हुई तो फ़सल अच्छी हो जाएगी

(ख) वर्षा होगी और फ़सल अच्छी हो जाएगी

(ग) वर्षा होते ही फ़सल अच्छी हो जाएगी

(घ) उपरोक्त सभी

5. 'जैसे ही घंटी बजी, बच्चे भागने लगे।' रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) मिश्रित वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य

(ग) सरल वाक्य **(घ)** विधानवाचक वाक्य

6. 'उस लड़के को बुलाओ। उस लड़के ने लाल कमीज़ पहनी है।' इन वाक्यों से बना मिश्रित वाक्य है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) उस लड़के को बुलाया लेकिन उसने लाल कमीज़ पहनी है।

(ख) उस लड़के को कहो कि लाल कमीज़ पहनकर आए।

(ग) उस लड़के को बुलाओ क्योंकि उसने लाल कमीज़ पहनी है।

(घ) उस लड़के को बुलाओ जिसने लाल कमीज़ पहनी है।

7. 'वह खेलकर थक गया और लेट गया।' रचना की दृष्टि से वाक्य भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) सरल **(ख)** संयुक्त

(ग) विधानवाचक **(घ)** आज्ञावाचक

8. 'मैंने पिछले वर्ष टी.वी. खरीदा। मैंने वह इस वर्ष बेच दिया।' इन वाक्यों से बना संयुक्त वाक्य होगा–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) मैंने जो टी.वी. पिछले वर्ष खरीदा था, उसे इस वर्ष बेच दिया।

(ख) मैंने पिछले वर्ष टी.वी. खरीदा और वह इस वर्ष बेच दिया।

(ग) क्योंकि टी.वी. पिछले वर्ष का था इसलिए मैंने बेच दिया।

(घ) इनमें से कोई नहीं।

9. 'राधा बाज़ार गई और पुस्तक खरीद लाई।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) प्रश्नवाचक वाक्य **(ख)** संदेहवाचक वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य **(घ)** संयुक्त वाक्य

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

10. 'जैसे ही हम घर से बाहर निकले, बारिश होने लगी।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है–**[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) मिश्रित वाक्य **(ख)** सरल वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य **(घ)** संदेहवाचक

11. 'मैं सबसे पहले बोलना चाहता हूँ।' इस वाक्य से बना मिश्रित वाक्य होगा– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) मैं चाहता हूँ कि सबसे पहले बोलूँ।

(ख) मैं बोलना चाहता हूँ लेकिन सबसे पहले।

(ग) मैंने जब चाहा, पहले बोलना चाहा।

(घ) इनमें से कोई नहीं

12. 'मैदान में हरी घास है। हरी घास पर बच्चे खेल रहे हैं।' इन वाक्यों से बना संयुक्त वाक्य होगा– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) मैदान में जहाँ हरी घास है, वहाँ बच्चे खेल रहे हैं।

(ख) मैदान की हरी घास पर बच्चे खेल रहे हैं।

(ग) मैदान में हरी घास है और वहाँ बच्चे खेल रहे हैं।

(घ) मैदान है, हरी घास है, और बच्चे खेल रहे हैं।

13. 'जहाँ पहले जंगल था, वहाँ अब घनी बस्ती है।' रचना के आधार पर यह वाक्य का भेद है–**[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य **(घ)** सूचनावाचक वाक्य

14. 'मैं कल बीमार था इसलिए विद्यालय न जा सका।' रचना के आधार पर यह वाक्य का भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) संयुक्त वाक्य **(ख)** आज्ञावाचक वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य **(घ)** संदेहवाचक वाक्य

15. 'वह बाज़ार गया और मेरे लिए फल लाया।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) सरल वाक्य **(ख)** मिश्रित वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य **(घ)** इच्छावाचक वाक्य

16. 'सूर्य उदय हुआ। पक्षी चहचहाने लगे।' इन वाक्यों से बना मिश्रित वाक्य है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) सूर्य उदय होते ही पक्षी चहचहाने लगे।

(ख) सूर्य उदय हुआ और पक्षी चहचहाने लगे।

(ग) इधर सूर्य उदय हुआ और उधर पक्षी चहचहाने लगे।

(घ) जैसे ही सूर्य उदय हुआ वैसे ही पक्षी चहचहाने लगे।

17. 'जहाँ चाह, वहाँ राह।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) मिश्रित वाक्य **(ख)** आज्ञावाचक वाक्य

(ग) संदेहवाचक वाक्य **(घ)** सरल वाक्य

18. निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) वह वृक्ष से गिरकर रोने लगा।

(ख) वह वृक्ष से गिरा और रोने लगा।

(ग) चूँकि वह वृक्ष से गिरा इसलिए वह रोने लगा।

(घ) इनमें से कोई भी नहीं।

19. 'गड्ढा खोदकर मज़दूर चले गए।' इसका मिश्रित वाक्य होगा– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) मज़दूरों ने गड्ढा खोदा और वे चले गए।

(ख) जब मज़दूरों ने गड्ढा खोद लिया तब वे चले गए।

(ग) मज़दूरों द्वारा गड्ढा खोदने पर वे चले गए।

(घ) मज़दूर गड्ढा खोदकर घर चले गए।

20. निम्नलिखित वाक्यों में मिश्रित वाक्य है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) मैं एक बहुत होशियार डॉक्टर से मिला।

(ख) मैं एक डॉक्टर से मिला और बहुत होशियार है।

(ग) मैं एक डॉक्टर से मिला जो बहुत होशियार है।

(घ) होशियार होने के कारण मैं उस डॉक्टर से मिला।

उत्तर :	**1.** (ग)	**2.** (क)	**3.** (ग)	**4.** (क)
	5. (क)	**6.** (घ)	**7.** (ख)	**8.** (ख)
	9. (घ)	**10.** (क)	**11.** (ख)	**12.** (ग)
	13. (ग)	**14.** (क)	**15.** (ग)	**16.** (घ)
	17. (क)	**18.** (ख)	**19.** (ख)	**20.** (ग)

V. सरल वाक्यों का संयुक्त वाक्यों में सही रूपांतरण चुनिए।

1. वह निर्धन व्यक्ति कुछ नहीं खरीद सकता।

(क) वह व्यक्ति निर्धन है, इसलिए कुछ नहीं खरीद सकता।

(ख) वह, व्यक्ति जो निर्धन है, कुछ नहीं खरीद सकता।

(ग) वह व्यक्ति निर्धन है, कुछ नहीं खरीद सकता।

(घ) वह, जो व्यक्ति नहीं खरीद सकता, निर्धन है।

2. मैंने एक कमजोर लड़की को बहुत-से कपड़े धोते देखा।

(क) एक कमज़ोर लड़की कपड़े धो रही थी, उसे मैंने देखा।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(ख) एक कमज़ोर लड़की बहुत-से कपड़े धो रही थी।
(ग) मैंने एक कमज़ोर लड़की को देखा और वह बहुत-से कपड़े धो रही थी।
(घ) मैंने एक कमज़ोर लड़की को देखा, जो बहुत-से कपड़े धो रही थी।

3. अमरीका जाकर उसने एम.बी.ए. की पढ़ाई शुरू की।
(क) वह अमरीका गया वहाँ जाकर एम.बी.ए. की पढ़ाई शुरू की।
(ख) जब वह अमरीका गया, तब वहाँ एम.बी.ए. की पढ़ाई शुरू की।
(ग) वह अमरीका गया और वहाँ जाकर उसने एम.बी.ए. की पढ़ाई शुरू की।
(घ) जब वह अमरीका गया, तब उसने वहाँ एम.बी.ए. की पढ़ाई शुरू की।

4. बारिश के आ जाने से सब खुश होकर नाचने लगे।
(क) बारिश आई और सब खुश होकर नाचने लगे।
(ख) जैसे ही बारिश आई, सब खुश होकर नाचने लगे।
(ग) बारिश में सब खुश होकर नाचने लगे।
(घ) बारिश आते ही सब खुश होकर नाचने लगे।

5. सुबह होते-होते मैं पहाड़ पर चढ़ गई।

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) सुबह मैं पहाड़ पर चढ़ गई।
(ख) उस सुबह मैं पहाड़ पर चढ़ गई।
(ग) सुबह हुई और मैं पहाड़ पर चढ़ गई।
(घ) जब सुबह हुई, तब मैं पहाड़ पर चढ़ गई।

6. बच्चे स्कूल से आकर पढ़ने बैठ गए।
(क) बच्चे पढ़ने बैठ गए।
(ख) बच्चे स्कूल से आए और पढ़ने बैठ गए।
(ग) जब बच्चे पढ़ने बैठ गए।
(घ) जब बच्चे स्कूल से आए, तब वे पढ़ने बैठ गए।

7. अध्यक्ष के बैठते ही सदन के बाकी लोग भी बैठ गए।
(क) अध्यक्ष बैठे और सदन के बाकी लोग भी बैठ गए।
(ख) जब अध्यक्ष बैठे, तब सदन के बाकी लोग भी बैठ गए।
(ग) अध्यक्ष बैठे और लोग भी बैठ गए।
(घ) जब अध्यक्ष बैठे, तब लोग भी बैठ गए।

8. माता जी ने आटा गूँथकर रोटी बनाई।
(क) माता जी ने आटा गूँथा और रोटी बनाई।
(ख) जब माता जी ने रोटी बनाई।
(ग) जब माता जी ने आटा गूँथा, तब उन्होंने रोटी बनाई।
(घ) माता जी ने रोटी बनाई।

9. गीता बहुत पढ़ने के बाद भी कक्षा में प्रथम न आ सकी।
(क) गीता बहुत पढ़ी, परंतु वह कक्षा में प्रथम न आ सकी।
(ख) यद्यपि गीता बहुत पढ़ी, तथापि वह कक्षा में प्रथम न आ सकी।
(ग) गीता बहुत पढ़ी वह कक्षा में प्रथम न आ सकी।
(घ) जो लड़की गीता कक्षा में प्रथम न आ सकी, वह बहुत पढ़ी थी।

10. सुबह होने पर पक्षी चहचहाने लगे।
(क) सुबह पक्षी चहचहाने लगे।
(ख) जब सुबह हुई पक्षी चहचहाने लगे।
(ग) सुबह हुई और पक्षी चहचहाने लगे।
(घ) जब सुबह हुई, तब पक्षी चहचहाने लगे।

11. हमारा स्कूल अच्छा खेलने पर भी जीत न सका।
(क) हमारा स्कूल जीत न सका।
(ख) यद्यपि हमारा स्कूल अच्छा खेला, तथापि जीत न सका।
(ग) यद्यपि हमारा स्कूल जीत न सका।
(घ) हमारा स्कूल अच्छा खेला, परन्तु जीत न सका।

12. कक्षा में एक छात्र के बोलने पर बाकी छात्र भी बोलने लगे।
(क) कक्षा में एक छात्र बोला और बाकी छात्र भी बोलने लगे।
(ख) जैसे ही कक्षा में एक छात्र बोलने लगा, वैसे ही बाकी छात्र भी बोलने लगे।
(ग) कक्षा में बाकी छात्र भी बोलने लगे।
(घ) जैसे ही कक्षा में एक छात्र बोलने लगा बाकी छात्र भी बोलने लगे।

13. मेरे घर पहुँचते ही बारिश शुरू हो गई।
(क) घर पहुँचा बारिश होने लगी।
(ख) जैसे ही मैं घर पहुँचा बारिश शुरू हो गई।
(ग) मैं घर पहुँचा और बारिश होने लगी।
(घ) जैसे ही मैं घर पहुँचा, वैसे ही बारिश शुरू हो गई।

14. आप वहीं बैठकर मेरी प्रतीक्षा करें।
(क) आप वहाँ बैठिए और मेरा प्रतीक्षा कीजिए।
(ख) आप वहाँ बैठिए और मेरी प्रतीक्षा कीजिए।
(ग) आप बैठिए वहाँ और प्रतीक्षा करें मेरी।
(घ) मेरी प्रतीक्षा करने के लिए आप वहाँ बैठिए।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

15. घर पहुँचकर छात्र ने गृहकार्य करना शुरू किया।
(क) जैसे ही छात्र घर पहुँचा, उसने गृहकार्य करना शुरू कर दिया।
(ख) जब छात्र घर पहुँचा तब उसने गृहकार्य करना शुरू किया।
(ग) छात्र घर पहुँचा और उसने गृहकार्य करना शुरू किया।
(घ) छात्र घर पहुँचा और गृहकार्य शुरू किया।

उत्तर : **1.** (क) **2.** (ग) **3.** (ग) **4.** (क)
5. (ग) **6.** (ख) **7.** (क) **8.** (क)
9. (क) **10.** (ग) **11.** (घ) **12.** (क)
13. (ग) **14.** (ख) **15.** (ग)

VI. निम्नलिखित वाक्यों का निर्देशानुसार सही रूपांतरित रूप चुनिए-

1. 'मैंने एक दुबले-पतले व्यक्ति को देखा जो भीख माँग रहा था।' रचना के आधार पर वाक्य भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) मिश्रित **(ख)** सरल
(ग) संयुक्त **(घ)** संकेतवाचक

2. 'मैं स्टेशन पर पहुँचा और गाड़ी चलने लगी।' रचना के आधार पर वाक्य भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) सरल **(ख)** मिश्रित
(ग) संयुक्त **(घ)** इच्छावाचक

3. प्रात:काल हुआ और चिड़ियाँ चहचहाने लगीं। रचना के आधार पर वाक्य भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) सरल **(ख)** मिश्रित
(ग) आज्ञावाचक **(घ)** संयुक्त

4. निम्नलिखित वाक्यों में मिश्रित वाक्य है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) उसने आवेदन पत्र लिखा, जो नौकरी के लिए था।
(ख) उसने नौकरी के लिए आवेदन पत्र लिखा।
(ग) आवेदन पत्र नौकरी के लिए था।
(घ) उसने आवेदन किया और नौकरी माँगी।

5. 'आप खाना अभी खाएँगे या थोड़ी देर में।' रचना के आधार पर वाक्य भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) संयुक्त **(ख)** मिश्रित
(ग) संदेहवाचक **(घ)** निषेधात्मक

6. 'सीमा इस तरह चल रही है जैसे बीमार हो।' रचना के आधार पर वाक्य भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) संयुक्त **(ख)** सरल
(ग) विधिवाचक **(घ)** मिश्रित

7. रचना के आधार पर वाक्य भेद है–"वह खेल में भी अच्छा है और पढ़ाई में भी।" **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) मिश्रित **(ख)** संकेतवाचक
(ग) सरल **(घ)** संयुक्त

8. निम्नलिखित वाक्यों में मिश्रित वाक्य है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) मैंने एक व्यक्ति को देखा जो बहुत लंबा था।
(ख) मैंने एक लंबा व्यक्ति देखा।
(ग) एक लंबे व्यक्ति को मैंने देखा।
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

9. 'परिवार की शोभा वही बढ़ा सकता है, जो परिश्रमी और संस्कारी हो।' रचना के आधार पर वाक्य भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) इच्छावाचक **(ख)** सरल वाक्य
(ग) मिश्रित वाक्य **(घ)** संयुक्त वाक्य

10. 'आपका पत्र मिला। मैं चला गया।' इन वाक्यों से बना संयुक्त वाक्य है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) आपका पत्र मिला इसलिए मैं चला गया।
(ख) जब आपका पत्र मिला तब मैं चला गया।
(ग) मुझे आपका पत्र मिला और मैं चला गया।
(घ) आपका पत्र मिलते ही मैं चला गया।

11. 'वह भागा और पहले पहुँच गया।' रचना के आधार पर यह वाक्य का भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) सरल **(ख)** संयुक्त
(ग) मिश्रित **(घ)** विधान वाचक

12. 'जैसे ही वह स्टेशन पहुँचा, गाड़ी चल पड़ी।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद हैं– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) सरल **(ख)** संयुक्त
(ग) मिश्रित **(घ)** संकेतवाचक

13. 'वह नाचता है। वह गाता भी है।' इन वाक्यों से बना मिश्रित वाक्य है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) वह नाचता और गाता है।
(ख) वह नाचता है और वो गाता भी है।
(ग) जो नाचता है, वो गाता है।
(घ) जब वह नाचता है, तब वह गाता भी है।

14. 'वह साइकिल से टकराया। वह गिर गया।' इन वाक्यों से बना संयुक्त वाक्य है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) वह साइकिल से टकराया और गिर गया।
(ख) वह साइकिल से टकराता है और गिर जाता है।
(ग) वह साइकिल से आया और टकराया और गिर गया।
(घ) उपर्युक्त सभी।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

15. 'जो कल हमारे यहाँ आए थे, मेरे शिक्षक हैं।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) सरल वाक्य **(ख)** वे संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्रित वाक्य **(घ)** इच्छावाचक

16. 'मज़दूर को अपने परिश्रम का लाभ नहीं मिलता।' इसका संयुक्त वाक्य है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) मज़दूर ने परिश्रम किया किंतु उसे फल नहीं मिला।
(ख) जो मनुष्य परिश्रम करता है उसे लाभ मिलता है।
(ग) परिश्रम करने के बाद भी उसे लाभ नहीं मिल पाता।
(घ) मज़दूर परिश्रम करता है लेकिन उसका उसे लाभ नहीं मिलता।

17. 'रमा हँस रही थी और विभा रो रही थी।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) संयुक्त वाक्य **(ख)** आज्ञावाचक मिश्रित वाक्य
(ग) संदेहवाचक वाक्य **(घ)** निषेधवाचक वाक्य

18. मिश्रित वाक्य है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) उस आदमी को बुलाओ जिसके पास छतरी है।
(ख) छतरी वाले आदमी को बुलाओ।
(ग) छतरी लिए वाले आदमी को बुलाओ।
(घ) जो छतरी लिए हुए आदमी है, उसे बुलाओ।

19. 'जब असफल हो गए तो शोक करना व्यर्थ है।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) संयुक्त वाक्य **(ख)** सरल वाक्य
(ग) मिश्रित वाक्य **(घ)** आज्ञावाचक वाक्य

20. तुम महान हो क्योंकि सच बोलते हो–
(क) सरल **(ख)** संकेतवाचक
(ग) संयुक्त **(घ)** मिश्र

उत्तर : **1.** (क) **2.** (ग) **3.** (घ) **4.** (क)
5. (क) **6.** (घ) **7.** (घ) **8.** (क)
9. (ग) **10.** (ग) **11.** (ख) **12.** (ग)
13. (घ) **14.** (क) **15.** (ग) **16.** (घ)
17. (क) **18.** (घ) **19.** (ग) **20.** (घ)

VII. निम्नलिखित वाक्यों (अ, ब तथा स) का संयुक्त वाक्यों में सही रूपांतरण चुनिए–

1. **(अ)** अध्यापक ने सेब बाँट दिए।
(ब) सेब लाल रंग के थे।
(स) बच्चों ने सेब खा लिए।
(क) अध्यापक ने लाल रंग के सेब बच्चों को बाँट दिए वे सेब खा लिए।
(ख) जब अध्यापक ने लाल रंग के सेब बच्चों दिए वे सेब खा लिए।
(ग) अध्यापक ने लाल रंग के सेब बच्चों को बाँट दिए और उन्होंने वे सेब खा लिए।
(घ) जब अध्यापक ने लाल रंग के सेब बच्चों को बाँट दिए, तब उन्होंने वे सेब खा लिए।

2. **(अ)** अचानक पुलिस आ गई।
(ब) पुलिस दिल्ली की थी।
(स) गली में सन्नाटा छा गया।
(क) अचानक दिल्ली पुलिस आने पर सन्नाटा छा गया।
(ख) जब अचानक दिल्ली पुलिस आ गई सन्नाटा छा गया।
(ग) अचानक दिल्ली पुलिस आ गई और गली में सन्नाटा छा गया।
(घ) जब अचानक दिल्ली पुलिस आ गई, तब गली में सन्नाटा छा गया।

3. **(अ)** शिक्षक कक्षा में आए।
(ब) शिक्षक ने पुस्तक खोली।
(स) उन्होंने पढ़ाना शुरू कर दिया।
(क) शिक्षक कक्षा में आए और उन्होंने पुस्तक खोलकर पढ़ाना शुरू कर दिया।
(ख) जब शिक्षक कक्षा में आए, तब उन्होंने किताब खोलकर पढ़ाना शुरू कर दिया।
(ग) शिक्षक कक्षा में आए पढ़ाना शुरू कर दिया।
(घ) जब शिक्षक कक्षा में आए उन्होंने किताब खोलकर पढ़ाना शुरू कर दिया।

4. **(अ)** बादल गरज रहे थे।
(ब) बादल काले थे।
(स) तेज़ वर्षा होने लगी।
(क) काले बादल गरज रहे थे और तेज़ वर्षा होने लगी।
(ख) जब काले बादल गरज रहे थे, तब तेज़ वर्षा होने लगी।
(ग) काले बादल गरज रहे थे तेज़ वर्षा होने लगी।
(घ) जब काले बादल गरज रहे थे वर्षा होने लगी।

5. **(अ)** मैंने एक व्यक्ति देखा।
(ब) व्यक्ति बहुत मोटा था।
(स) वह व्यक्ति चल नहीं पा रहा था।
(क) एक बहुत मोटा व्यक्ति चल नहीं पा रहा था।
(ख) एक बहुत मोटा व्यक्ति जो चल नहीं पा रहा था।
(ग) मैंने एक बहुत मोटा व्यक्ति देखा और वह चल नहीं पा रहा था।
(घ) मैंने उस एक बहुत मोटे व्यक्ति को देखा, जो चल नहीं पा रहा था।

उत्तर : **1.** (ग) **2.** (ग) **3.** (क) **4.** (क) **5.** (ग)

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

VIII. निम्नलिखित सरल वाक्यों से बने सही मिश्र वाक्य को चुनिए-

1. वह निर्धन व्यक्ति कुछ नहीं खरीद सकता।

(क) वह व्यक्ति निर्धन है, इसलिए कुछ नहीं खरीद सकता।

(ख) जो व्यक्ति निर्धन है, वह कुछ नहीं खरीद सकता।

(ग) वह व्यक्ति निर्धन है, अतः कुछ नहीं खरीद सकता।

(घ) वह, जो व्यक्ति नहीं खरीद सकता।

2. मैंने एक कमज़ोर लड़की को बहुत-से कपड़े धोते देखा।

(क) मैंने एक कमज़ोर लड़की कपड़े धो रही थी।

(ख) मैंने एक कमज़ोर लड़की बहुत-से कपड़े धो रही थी।

(ग) मैंने एक कमज़ोर लड़की को देखा और वह बहुत-से कपड़े धो रही थी।

(घ) मैंने एक कमज़ोर लड़की को देखा, जो बहुत-से कपड़े धो रही थी।

3. अमरीका जाकर उसने एम.बी.ए. की पढ़ाई शुरू की।

(क) वह अमरीका गया वहाँ जाकर एम.बी.ए. की पढ़ाई शुरू की।

(ख) जब वह अमरीका गया वहाँ एम.बी.ए. की पढ़ाई शुरू की।

(ग) वह अमरीका गया और उसने वहाँ जाकर एम.बी.ए. की पढ़ाई शुरू की।

(घ) जब वह अमरीका गया, तब उसने वहाँ एम.बी.ए. की पढ़ाई शुरू की।

4. बारिश के आ जाने से सब खुश होकर नाचने लगे।

(क) बारिश आ गई और सब खुश होकर नाचने लगे।

(ख) बारिश आते ही सब खुश होकर नाचने लगे।

(ग) जैसे ही बारिश आई, वैसे ही सब खुश होकर नाचने लगे।

(घ) बारिश में सब खुश होकर नाचने लगे।

5. सुबह होते-होते मैं पहाड़ पर चढ़ गई।

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) सुबह मैं पहाड़ पर चढ़ गई।

(ख) जब सुबह मैं पहाड़ पर चढ़ गई।

(ग) सुबह हुई और मैं पहाड़ पर चढ़ गई।

(घ) जब सुबह हुई, तब मैं पहाड़ पर चढ़ गई।

6. बच्चे स्कूल से आकर पढ़ने बैठ गए।

(क) बच्चे पढ़ने बैठ गए।

(ख) जब बच्चे स्कूल से आए, तब वे पढ़ने बैठ गए।

(ग) जब बच्चे पढ़ने बैठ गए।

(घ) बच्चे स्कूल से आए तब वे पढ़ने बैठ गए।

7. अध्यक्ष के बैठते ही सदन के बाकी लोग भी बैठ गए।

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) अध्यक्ष बैठे और सदन के बाकी लोग भी बैठ गए।

(ख) जब अध्यक्ष बैठे, तब लोग भी बैठ गए।

(ग) जब अध्यक्ष बैठे, तब सदन के बाकी लोग भी बैठ गए।

(घ) अध्यक्ष बैठे और लोग भी बैठ गए।

8. 'सरोज स्मृति' कविता महाकवि 'निराला' ने लिखी थी।

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) 'सरोज स्मृति' कविता महाकवि 'निराला' ने लिखा था।

(ख) यह जो 'सरोज स्मृति' इसे महाकवि 'निराला' ने लिखा है।

(ग) यह 'सरोज स्मृति' कविता है और इसे महाकवि 'निराला' ने लिखा था।

(घ) यह जो 'सरोज स्मृति' कविता है, इसे महाकवि 'निराला' ने लिखा है।

9. फ़िल्म खत्म होते ही सब लोग हॉल से बाहर निकल आए।

(क) फ़िल्म खत्म हुई लोग हॉल से बाहर निकल आए।

(ख) जैसे ही फ़िल्म खत्म लोग हॉल से बाहर निकल आए।

(ग) फ़िल्म खत्म हुई और सब लोग हॉल से बाहर निकल आए।

(घ) जैसे ही फ़िल्म खत्म हुई, वैसे ही सब लोग हॉल से बाहर निकल आए।

10. व्यायाम करने वाले का स्वास्थ्य ठीक रहता है।

(क) उसका स्वास्थ्य ठीक रहता है जो व्यायाम करता है।

(ख) जब कोई व्यायाम करता है तब उसका स्वास्थ्य ठीक रहता है।

(ग) व्यायाम करने से सबका स्वास्थ्य ठीक रहता है।

(घ) जो व्यायाम करता है, उसका स्वास्थ्य ठीक रहता है।

उत्तर : **1.** (ख) **2.** (घ) **3.** (घ) **4.** (ग) **5.** (घ) **6.** (ख) **7.** (ग) **8.** (घ) **9.** (घ) **10.** (घ)

IX. निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार सही विकल्प चुनिए-

1. निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है–

(क) मूसलाधार वर्षा हुई तो बाढ़ आ गई

(ख) आज की मूसलाधार वर्षा से बाढ़ आ गई

(ग) आज बहुत वर्षा हुई। इसी कारण बाढ़ आ गई

(घ) चूँकि आज मूसलाधार वर्षा हुई अतः बाढ़ आ गई

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

2. निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है–

(क) मैंने एक व्यक्ति देखा और वह दुबला-पतला था

(ख) मैंने एक दुबले-पतले व्यक्ति को देखा

(ग) मैंने उस व्यक्ति को देखा जो दुबला-पतला था

(घ) मैंने एक दुबला व्यक्ति देखा

3. छात्र स्कूल से घर आया। वह खेलने चला गया। इन वाक्यों से बना मिश्र वाक्य है–

(क) छात्र स्कूल से आया तो खेलने चला गया

(ख) छात्र स्कूल से घर आया और खेलने चला गया।

(ग) जैसे ही छात्र स्कूल से घर आया वैसे ही खेलने चला गया।

(घ) छात्र स्कूल से घर आते ही खेलने चला गया।

4. यह वही पुस्तक है, जो सुजाता ने दी थी। वाक्य का भेद बताइए।

(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य **(घ)** साधारण वाक्य

5. यह घर है कि मंदिर? वाक्य भेद बताइए।

(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य **(घ)** संकेतवाचक वाक्य

6. संयुक्त वाक्य छाँटिए–

(क) युग बीत जाता है परन्तु नैतिकता जीवित रहती है।

(ख) जिनको हमने अपना समझा, वे भी पराए निकले।

(ग) बिना विध्वंस किए नव-निर्माण नहीं होता।

(घ) आपने जो कहा, मैंने सुन लिया

7. मिश्र वाक्य छाँटकर लिखिए

(क) आज दिल्ली जाना है इसलिए छुट्टी ले ली है।

(ख) जब पानी बरस रहा था। तब मैं रास्ते में ही था।

(ग) सब अकेले-अकेले और अपने लिए जीना चाहते हैं।

(घ) राधा गा रही है और नाच रही है।

8. जहाँ-जहाँ नेताजी गए, उनका भव्य स्वागत हुआ।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है–

(क) मिश्र वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य

(ग) सरल वाक्य **(घ)** संकेतवाचक

9. निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है–

(क) छतरी वाले आदमी को बुला कर लाना होगा।

(ख) जाओ और छतरी वाले आदमी को बुला लाओ।

(ग) छतरी वाले आदमी को बुला लाओ।

(घ) जिसके हाथ में छतरी है, उसे बुला लाओ।

10. 'कप नीचे गिरा और टूट गया' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है–

(क) मिश्र वाक्य **(ख)** इच्छावाचक

(ग) संयुक्त वाक्य **(घ)** सरल वाक्य

11. निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है–

(क) सिनेमाघर पहुँचने पर फिल्म शुरू हो गई।

(ख) आप सिनेमा घर पहुँचे और फिल्म शुरू हो गई

(ग) जैसे ही सिनेमाघर पहुँचे वैसे ही फिल्म शुरू हो गई।

(घ) फिल्म शुरू होने के लिए हमारा इंतजार कर रही है।

12. 'जीवन की कृतार्थता यह है कि वह दृढ़ हो।' रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है–

(क) सरल वाक्य **(ख)** संयुक्त वाक्य

(ग) संदेहवाचक वाक्य **(घ)** मिश्र वाक्य

13. निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है–

(क) भोर होते-होते हम यमुनानगर पहुँचे।

(ख) जैसे ही भोर हुई वैसे ही हम यमुनानगर पहुँचे।

(ग) मेरा मन है कि भोर होते ही हम यमुनानगर पहुँचे।

(घ) भोर हुई और हम यमुनानगर पहुँचे।

14. निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है–

(क) जो विद्यार्थी साहसी होते हैं, वे उन्नति करते हैं।

(ख) साहसी विद्यार्थी उन्नति करते हैं।

(ग) पढ़ने के अतिरिक्त वह लिखता भी है।

(घ) सुषमा आकर चली गई।

15. दिए गए वाक्यों में कौन-सा वाक्य मिश्र वाक्य है?

(क) आप वहाँ मत जाइए।

(ख) हे ईश्वर! आप मेरी विनती सुनिए।

(ग) शायद कल वर्षा हो।

(घ) जैसे ही वर्षा हुई, मैं लौट आई।

16. जैसे ही मैं दफ्तर पहुँचा, वैसे ही मेरा प्रबंधक से झगड़ा हो गया। रचना के आधार पर वाक्य का भेद है–

(क) मिश्र **(ख)** सरल

(ग) संयुक्त **(घ)** विधानवाचक

17. शाम होती है और सब अपने घर लौट जाते हैं। रचना के आधार पर वाक्य का भेद है–

(क) सरल **(ख)** निषेधात्मक

(ग) संयुक्त **(घ)** मिश्रित

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

18. निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य है–

(क) बच्चा पेड़ से टकरा कर गिर पड़ा।

(ख) खेलता हुआ बच्चा पेड़ से टकराया और गिर पड़ा।

(ग) पेड़ से टकराते ही बच्चा गिर पड़ा।

(घ) जैसे ही बच्चा पेड़ से टकराया वैसे ही गिर पड़ा।

19. 'देवेन्द्र कुछ सचेत हुआ और घर की तरफ दौड़ा'–रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है

(क) मिश्र **(ख)** सरल

(ग) संयुक्त **(घ)** संदिग्ध

20. 'साधु ने आशीर्वाद दिया और चला गया।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है–

(क) मिश्र वाक्य **(ख)** इच्छावाचक

(ग) संयुक्त वाक्य **(घ)** सरल वाक्य

21. निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है–

(क) जैसे ही चाय तैयार हुई वैसे ही उसने प्याले में भर दी।

(ख) चाय तैयार हुई और उसने प्याले में भर दी।

(ग) चाय तैयार होने पर उसने प्याले में भर दी।

(घ) तैयार चाय उसके द्वारा प्याले में भरी गई।

उत्तर :

1. (क)	**2.** (क)	**3.** (ग)	**4.** (ग)
5. (ख)	**6.** (क)	**7.** (ख)	**8.** (क)
9. (घ)	**10.** (ग)	**11.** (ख)	**12.** (घ)
13. (घ)	**14.** (क)	**15.** (घ)	**16.** (क)
17. (ग)	**18.** (ख)	**19.** (ग)	**20.** (ग)
21. (क)			

X. निम्नलिखित वाक्यों का सरल वाक्य में उचित रूपांतरण चुनिए–

1. जब मैं स्टेशन पहुँचा तब रेल छूट चुकी थी

(क) ज्यों ही मैं स्टेशन पहुँचा त्यों ही रेल छूट गई।

(ख) मेरे स्टेशन पहुँचने से पहले रेल छूट चुकी थी।

(ग) मेरे स्टेशन पहुँचते ही रेल छूट गई थी।

(घ) मेरे स्टेशन पहुँचने पर रेल छूट गई थी।

2. यही वह बच्चा है जिसे बैल ने मारा था।

(क) यह बच्चा है, बैल ने इसे मारा था।

(ख) यही वह बच्चा है, जिसने बैल से मार खाई।

(ग) इसी बच्चे को बैल ने इसे मारा था।

(घ) इस बच्चे को बैल ने इसे मारा था।

3. वह बाबू कहाँ गया जो टोपी पहनता है?

(क) टोपी वाला बाबू कहाँ गया?

(ख) बाबू टोपी पहनता है वह कहाँ गया?

(ग) जिसने टोपी पहन रखी थी, वह बाबू कहाँ गया?

(घ) टोपी पहनने वाला बाबू कहाँ गया?

4. भूकंप आया जिससे दीवार में दरार पड़ गई।

(क) भूकंप आने से दीवार में दरार पड़ गई।

(ख) भूकंप आया था इसलिए दीवार में दरार पड़ गई।

(ग) जो भूकंप आया उससे दीवार में दरार पड़ गई।

(घ) जब भूकंप आया था तब दीवार में दरार पड़ गई।

5. मैंने पुस्तक खरीदी। वह नई है।

(क) जो पुस्तक मैंने खरीदी है वह नई है।

(ख) मैंने नई पुस्तक खरीदी।

(ग) मैंने वह नई पुस्तक खरीदी है।

(घ) नई पुस्तक है वह मैंने खरीदी।

6. आदमी के पास छतरी है। आदमी को बुलाओ।

(क) जिसके पास छतरी है उस आदमी को बुलाओ।

(ख) छतरी रखने वाले आदमी को बुलाओ।

(ग) उस आदमी को बुलाओ जिसके पास छतरी है।

(घ) छतरी वाले आदमी को बुलाओ।

7. वह अध्यापक था जो कल आया था।

(क) कल अध्यापक आया था।

(ख) कल आने वाला आदमी अध्यापक था।

(ग) वह आदमी अध्यापक कल आया था।

(घ) वह अध्यापक आदमी कल आया था।

8. सुबह हुई और पिता जी घर आ गए।

(क) जब सुबह हुई तब पिता जी घर आ गए।

(ख) सुबह होते ही पिता जी घर आ गए।

(ग) जैसे ही सुबह हुई वैसे ही पिता जी घर आ गए।

(घ) सुबह हो गई थी इसलिए पिता जी घर आ गए।

उत्तर :

1. (ख)	**2.** (ग)	**3.** (घ)	**4.** (क)
5. (ख)	**6.** (घ)	**7.** (ख)	**8.** (ख)

XI. निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है–

(क) भारत एक विशाल जनतंत्र है।

(ख) भारत एक विशाल जनतंत्र है जहाँ विभिन्न विचारों के लोग रहते हैं।

(ग) भारत एक विशाल जनतंत्र है और यहाँ विभिन्न विचारों के लोग रहते हैं।

(घ) भारत एक विशाल जनतंत्र है लेकिन जहाँ विभिन्न विचारों के लोग रहते हैं।

2. 'छुट्टी की घंटी बजी। सभी बच्चे घर चल दिए' इन वाक्यों से बना संयुक्त वाक्य है–

(क) जैसे ही छुट्टी की घंटी बजी वैसे ही बच्चे घर चल दिए।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(ख) ज्यों ही छुट्टी की घंटी बजी सभी बच्चे घर चल दिए।
(ग) छुट्टी की घंटी बजते ही सभी बच्चे घर चल दिए।
(घ) छुट्टी की घंटी बजी और सभी बच्चे घर चल दिए।

3. 'जो संसार में जन्म लेता है, वह नाशवान है'–रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है
(क) सरल (ख) मिश्र
(ग) साधारण (घ) संयुक्त

4. 'देवेन्द्र कुछ सचेत हुआ और घर की तरफ दौड़ा' - रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है
(क) मिश्र (ख) सरल
(ग) संयुक्त (घ) संदिग्ध

5. जब अविनाश बाबू ने झंडा गाड़ा तब पुलिस ने उनको पकड़ लिया। रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है–
(क) सरल वाक्य (ख) मिश्र वाक्य
(ग) संयुक्त वाक्य (घ) इच्छावाचक वाक्य

6. निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है–
(क) लोग टोली बनाकर मैदान में घूमने लगे।
(ख) लोग टोलियाँ बनाए और मैदान में घूमने लगे।
(ग) लोग टोलियाँ बनाते ही मैदान में घूमने लगे।
(घ) जब लोगों ने टोलियाँ बनाई, तो मैदान में घूमने लगे।

7. निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है
(क) सूर्य उगने पर अँधेरा दूर हो गया
(ख) जैसे ही सूर्य उगा वैसे ही अँधेरा दूर हो गया
(ग) सूर्य उगा और अँधेरा दूर हो गया
(घ) ज्योंही सूर्य उगा त्योंही अँधेरा दूर हो गया

8. पुलिस की लारी आई। उन्हें लाल बाज़ार ले जाया गया। इन वाक्यों से बना संयुक्त वाक्य है–
(क) पुलिस की लारी आकर उन्हें लाल बाज़ार ले गई।
(ख) जब पुलिस की लारी आई तब उन्हें लाल बाज़ार ले जाया गया।
(ग) पुलिस की लारी आई और उन्हें ले जाया गया।
(घ) पुलिस की लारी आई और उन्हें लाल बाज़ार ले गई।

9. उसने न केवल गरीब को लूटा बल्कि उसकी हत्या भी कर दी। रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है–
(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य (घ) आश्रित वाक्य

10. निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य है–
(क) घंटी बजते ही चोर भाग निकला।
(ख) घंटी के बजते ही चोर भाग निकला।
(ग) घंटी बजी और चोर भाग निकला।
(घ) जैसे ही घंटी बजी वैसे ही चोर भाग निकला।

11. 'वह लड़की गीत सुनाएगी, जो कोने में बैठी है' रचना की दृष्टि से वाक्य भेद है–
(क) संयुक्त वाक्य (ख) सरल वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य (घ) कोई नहीं

12. 'मैं जब विद्यालय पहुँचा, तब परीक्षा शुरू हो चुकी थी।' रचना की दृष्टि से वाक्य भेद है–
(क) मिश्र वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य
(ग) सरल वाक्य (घ) कोई नहीं

13. संयुक्त वाक्य का उदाहरण छाँटिए–
(क) रात्रि के ग्यारह बजने पर सीता ने पढ़ना बंद कर दिया।
(ख) रात्रि के ग्यारह बजे और सीता ने पढ़ना बंद कर दिया।
(ग) जैसे ही ग्यारह बजे वैसे ही सीता ने पढ़ना बंद कर दिया।
(घ) ग्यारह बजने के बाद सीता ने पढ़ना बंद कर दिया।

14. निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य है–
(क) परिश्रमी विद्यार्थी अवश्य सफल होता है।
(ख) जो विद्यार्थी परिश्रमी होता है, वह अवश्य सफल होता है।
(ग) विद्यार्थी परिश्रमी होता है इसलिए सफल होता है।
(घ) परिश्रमी होने के कारण विद्यार्थी अवश्य सफल होता है।

15. 'मुझे ऐसा पुत्र चाहिए जो आज्ञाकारी हो।' रचना की दृष्टि से वाक्य भेद है:
(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य (घ) साधारण

16. संयुक्त वाक्य छाँटिए–
(क) परिश्रम करो, अन्यथा पछताओगे।
(ख) पछताने से बचने के लिए परिश्रम करो।
(ग) जो पछताएगा वही परिश्रम करेगा।
(घ) यदि परिश्रम नहीं करोगे तो पछताओगे।

17. निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य है–
(क) दंड क्षमा कराने के लिए प्रार्थना पत्र लिखो।
(ख) ऐसा पत्र लिखो, जिसमें दंड क्षमा कराने के लिए प्रार्थना हो।
(ग) प्रार्थना पत्र लिखकर दंड क्षमा कराओ
(घ) प्रार्थना पत्र लिखो और दंड क्षमा करवाओ।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

18. खूब मेहनत करने पर भी मजदूर को उसका लाभ नहीं मिलता' इसका संयुक्त वाक्य बनेगा–

(क) मज़दूर मेहनत करके भी लाभ नहीं पाता।

(ख) मज़दूर मेहनत करता है और लाभ नहीं पाता।

(ग) जब मज़दूर खूब मेहनत करता है तो उसे उसका लाभ क्यों नहीं मिलता?

(घ) जो मजदूर मेहनत करता है उसे उसका लाभ नहीं मिलता।

19. निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है–

(क) भारत एक विशाल जनतंत्र है।

(ख) भारत एक विशाल जनतंत्र है जहाँ विभिन्न विचारों के लोग रहते हैं।

(ग) भारत एक विशाल जनतंत्र है और यहाँ विभिन्न विचारों के लोग रहते हैं।

(घ) भारत एक विशाल जनतंत्र है लेकिन यहाँ विभिन्न विचारों के लोग रहते हैं।

20. 'छुट्टी की घंटी बजी। सभी बच्चे घर चल दिए'-इन वाक्यों से बना संयुक्त वाक्य है–

(क) जैसे ही छुट्टी की घंटी बजी वैसे बच्चे घर चल दिए।

(ख) ज्यों ही छुट्टी की घंटी बजी सभी बच्चे घर चल दिए।

(ग) छुट्टी की घंटी बजते ही सभी बच्चे घर चल दिए।

(घ) छुट्टी की घंटी बजी और सभी बच्चे घर चल दिए।

21. 'जो संसार में जन्म लेता है, वह नाशवान है' - रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है-

(क) सरल **(ख)** मिश्र

(ग) साधारण **(घ)** संयुक्त

उत्तर :

1. (ख)	**2.** (घ)	**3.** (ख)	**4.** (ग)
5. (ख)	**6.** (घ)	**7.** (ग)	**8.** (घ)
9. (ख)	**10.** (घ)	**11.** (ग)	**12.** (क)
13. (ख)	**14.** (ख)	**15.** (ग)	**16.** (क)
17. (ख)	**18.** (ख)	**19.** (ख)	**20.** (घ)
21. (ख)			

XII. निम्नलिखित वाक्यों का निर्देशानुसार सही रूपांतरित रूप चुनिए-

1. मैं नई कार खरीदूँगा। पुरानी कार नहीं खरीदूँगा।
(संयुक्त वाक्य में)

(क) मैं नई कार खरीदूँगा न कि पुरानी।

(ख) पुरानी नहीं बल्कि मैं नई कार खरीदूँगा।

(ग) चूँकि मैं नई कार खरीदूँगा इसलिए पुरानी नहीं।

(घ) मैं पुरानी कार नहीं खरीदूँगा और नई कार खरीदूँगा।

2. साहसी व्यक्ति के लिए कोई भी कार्य दुष्कर नहीं होता।
(मिश्र वाक्य में)

(क) व्यक्ति साहसी होता है और उसके लिए कोई कार्य दुष्कर नहीं होता है।

(ख) जो व्यक्ति साहसी होता है उसके लिए कोई कार्य दुष्कर नहीं होता है।

(ग) व्यक्ति साहसी होता है इसलिए उसके लिए कोई कार्य दुष्कर नहीं होता है।

(घ) साहसी व्यक्तियों के लिए सभी कार्य आसान हो जाते हैं।

3. वह पुस्तकालय गया और वहाँ उसने महाभारत पढ़ी।
(सरल वाक्य)

(क) वह पुस्तकालय गया इसलिए उसने महाभारत पढ़ी।

(ख) जब वह पुस्तकालय गया तब उसने महाभारत पढ़ी।

(ग) वह महाभारत पढ़ने के लिए पुस्तकालय गया।

(घ) उसने पुस्तकालय जाकर महाभारत पढ़ी।

4. मैंने एक बहुत अच्छा शब्दकोश देखा।
(मिश्र वाक्य में)

(क) मैंने एक शब्दकोश देखा शब्दकोश बहुत अच्छा है।

(ख) मैंने एक शब्दकोश देखा जो बहुत अच्छा है।

(ग) मैंने एक शब्दकोश देखा क्योंकि वह बहुत अच्छा है।

(घ) शब्दकोश बहुत अच्छा है इसलिए मैंने एक शब्दकोश देखा।

5. पुलिस को देखते ही उसे पसीना छूट गया।
(संयुक्त वाक्य में)

(क) उसने पुलिस को देखा कि उसके पसीना छूट गया।

(ख) उसने पुलिस को देखा इसलिए उसके पसीना छूट गया।

(ग) उसने पुलिस को देखा और उसके पसीना छूट गया।

(घ) पुलिस को देखकर उसके पसीना छूट गया।

6. एक धमाका हुआ और चारों ओर चीख-पुकार मच गई।
(साधारण वाक्य में)

(क) जैसे ही एक धमाका हुआ वैसे चारों ओर चीख-पुकार मच गई।

(ख) एक धमाका हुआ इसलिए चारों ओर चीख-पुकार मच गई।

(ग) एक धमाका होने के बाद चारों ओर चीख-पुकार मच गई।

(घ) एक धमाका होते ही चारों ओर चीख-पुकार मच गई।

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

7. घोड़े की सवारी करने वाला मैदान में गिर पड़ा।
(मिश्र वाक्य में)

(क) घुड़सवार मैदान में गिर पड़ा।

(ख) एक घोड़े पर सवारी करने वाला था, वह मैदान में गिर पड़ा।

(ग) जो (आदमी) घोड़े पर सवारी करने वाला था, वह मैदान में गिर पड़ा।

(घ) एक आदमी घोड़े पर सवारी करने वाला था और वह गिर पड़ा।

8. उसने मेहनत तो की पर कोई अनुकूल परिणाम उसके हाथ नहीं लगा।(साधारण वाक्य में)

(क) उसके मेहनत करने पर भी कोई अनुकूल परिणाम हाथ न लगा।

(ख) उसने मेहनत तो की किंतु कोई अनुकूल परिणाम हाथ न लगा।

(ग) उसके अनुकूल मेहनत करने से भी कोई अनुकूल परिणाम हाथ न लगा।

(घ) उसकी मेहनत का भी कोई अनुकूल परिणाम न निकलो।

उत्तर : 1. (ख) **2.** (ख) **3.** (ग) **4.** (ख) **5.** (ग) **6.** (घ) **7.** (ग) **9.** (क)

फ़ॉरमेटिव असेसमेंट के लिए

कक्षा-कार्य

- वाक्य किसे कहते हैं?
- वाक्य के कितने अंग हैं?
- रचना की दृष्टि से वाक्य के कितने भेद हैं? उनके नाम बताइए।

गृह-कार्य

प्रत्येक प्रकार के वाक्य के पाँच-पाँच उदाहरण अपनी कॉपी में लिखकर उनके भेद के नाम भी लिखिए।

क्रिया-कलाप

कक्षा में श्यामपट्ट पर कुछ वाक्य लिखकर उनमें से प्रधान वाक्य और आश्रित उपवाक्य अलग करवाए जा सकते हैं। सभी प्रकार के वाक्यों के अनेक उदाहरण कक्षा में बोलकर उनके भेदों के नाम पूछे जा सकते हैं।

जैसे–

सीता गा रही है और गीता नाच रही है।

यह किस प्रकार का वाक्य है?

संदीप ने देखा कि एक लँगड़ाता हुआ शेर झाड़ी में घुस गया।

यह किस प्रकार का वाक्य है?

शेखर, संचित और सचिन खेल रहे हैं।

यह किस प्रकार का वाक्य है?

इस प्रकार प्रश्नोत्तर के द्वारा वाक्य-भेद की अवधारणा को मजबूत बनाया जा सकता है। इसी के साथ ही श्यामपट्ट पर कुछ सरल, संयुक्त तथा मिश्रित वाक्य मिलाकर लिख दें। फिर छात्रों के द्वारा उनकी सरल, संयुक्त तथा मिश्रित वाक्य के रूप में पहचान कराई जा सकती है। बारंबार अभ्यास कराने से वाक्य-भेद और वाक्य-रचनांतरण की अवधारणा स्पष्ट हो सकती है।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN